RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए
वर्ष 04, अंक 3 , मासिक पत्रिका
25 मार्च 2025

॥ हर हर महादेव ॥

ISO 9001:2015 CERTIFIED

अंतरिक्ष से धरती पर लोटी भारत की बेटी सुनीता विलियम्स

स्पेसएक्स कैप्सूल फ्लोरिडा की खाड़ी में पैराशूट के जरिए सुरक्षित उतरा

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स धरती पर वापस लौटी

सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष से पृथ्वी तक का सफर

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 286 दिनों के बाद धरती पर वापस लौट आई हैं। सुनीता से साथ बैरी विल्मोर और दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर यान तड़के 3.27 बजे अमेरिका के फ्लोरिडा में समुद्र तल पर उतारा।

SpaceX Dragon Spacecraft: अंतरिक्ष में फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर 'स्पेसएक्स' का यान बुधवार तड़के (भारतीय समय) धरती पर पहुंचा। बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स नौ महीने बाद धरती पर वापसी हुई है। उनका स्पेसएक्स कैप्सूल फ्लोरिडा की खाड़ी में पैराशूट के जरिए सुरक्षित उतरा। जिसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।

एक घंटे बाद कैप्सूल से बाहर आए यात्री

स्पेसएक्स कैप्सूल फ्लोरिडा के पनहैंडल में स्प्लैशडाउन हुआ। स्प्लैशडाउन के लगभग एक घंटे के बाद अंतरिक्ष यात्री अपने कैप्सूल से बाहर आए, कैमरों की ओर हाथ हिलाते हुए मुस्कुरा रहे थे। उन्हें चिकित्सा परीक्षण के लिए स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन के बाद एक सामान्य प्रक्रिया है।

5 जून 2024 को नासा का बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन के तहत नासा ने अपने दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी बुच विल्मोर को आठ दिन की यात्रा पर भेजा। दोनों को स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के जरिए मिशन पर भेजा गया था। यह अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान की पहली उड़ान थी।

जिस मिशन पर सुनीता और बैरी हैं वो नासा के व्यावसायिक क्रू कार्यक्रम का हिस्सा है। दरअसल, नासा का लक्ष्य है कि वह अमेरिका के निजी उद्योग के साथ साझेदारी में अमेरिका से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक सुरक्षित, विश्वसनीय और कम लागत के मानव मिशन भेजे। इसी उद्देश्य से यह टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन का लक्ष्य अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने के रोटेशनल मिशन (बारी-बारी से मिशन) को अंजाम देने की स्टारलाइनर की क्षमता को दिखाना था। लंबी अवधि की उड़ानों से पहले तैयारी को परखने और जरूरी परफॉर्मेंस डेटा जुटाने के लिए क्रू उड़ान परीक्षण को बनाया गया था।

किस वजह से आईएसएस पर ही फंस गईं सुनीता और बैरी?

हालांकि, अंतरिक्ष स्टेशन के लिए स्टारलाइनर की उड़ान के दौरान, अंतरिक्ष यान के कुछ थ्रस्टर्स ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। थ्रस्टर्स' आमतौर पर कम फोर्स वाले रॉकेट मोटर्स को कहा जाता है। थ्रस्टर्स के कमजोर प्रदर्शन के अलावा स्टारलाइनर के हीलियम सिस्टम में कई लीक भी देखे गए।

इसके बाद नासा और बोइंग ने अंतरिक्ष यान के बारे में व्यापक डेटा विश्लेषण के जरिए जानकारी जुटाई। इस जांच में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया दुर्घटना के बाद स्थापित हुए संगठन शामिल थे। यह दुर्घटना 1 फरवरी, 2003 को हुई थी। यह दुर्घटना तब हुई थी जब कोलंबिया अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वातावरण में वापस आ रहा था। इस दुर्घटना में सभी सात अंतरिक्ष यात्री मारे गए थे जिसमें भारतीय मूल की कल्पना चावला भी शामिल थीं।

सबसे ज्यादा कुल दिन तक अंतरिक्ष में रहने के मामले में

सुनीता विलियम्स अब तक तीन बार अंतरिक्ष मिशन पर जा चुकी हैं। इनमें 2006, 2013 और 2024 के स्पेस मिशन शामिल हैं। जहां उन्होंने कुल मिलाकर 608 घंटे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए हैं। नासा के किसी अंतरिक्ष यात्री के लिहाज से यह अंतरिक्ष में दूसरी सबसे ज्यादा अवधि है। अमेरिकी अंतरिक्षयात्रियों में उनसे आगे सिर्फ पेगी व्हिटमोर हैं, जिन्होंने आईएसएस पर 675 दिन बिताए हैं।

एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन

सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर इस बार अपना सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया। एक बार में 286 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता नासा की रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर रहने का रिकॉर्ड अब तक फ्रैंक रूबियो के पास है। वहीं, मार्क वांडे हेई अब तक 355 दिन आईएसएस पर बिताए हैं। इसके बाद स्कॉट केली, महिला अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टिना कॉश और पेगी व्हिट्सन का नंबर है।

इस लिहाज से एक दौरे में आईएसएस पर सबसे ज्यादा दिन बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों में सुनीता विलियम्स छठे नंबर पर काबिज हो गई हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने इस बार अंतरिक्ष यात्री एंड्रयू मॉर्गन का 272 दिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हमारा देश
हमारा अभिमान

25 मार्च 2025

सुविचार

"सफलता का सबसे बड़ा रहस्य है, हर दिन एक नया लक्ष्य निर्धारित करना और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करना।"

विवरणिका

संपादकीय	04-05
दिल्ली इलेक्शन	06-07
ग्वालियर	08-11
मध्य प्रदेश	12-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
लघु उद्योग	51

ट्रेडिशनल वेयर के लिए इन लेटेस्ट और नई स्टाईल को कर सकती हैं ट्राय, पाएं सबसे हटकर लुक

पढ़ें पेज-48

यदि आप से कोई रिश्वत मांगता हो या आपके के एरिये में कोई प्रशासनिक समस्या हो तो हमें इस नम्बर पर सम्पर्क करें। आप का नाम गुप्त रखा जाएगा और आप की बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी।

हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

हमारा देश हमारा अभिमान

मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क

हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज बिहारी शर्मा

सह सलाहकार

श्री विजय महाजन
श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
श्री आर एन नार्व (सीनियर ऑडिटर),
श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
श्री अतेंद्र रावत श्री आर.एन. नार्व (सीनियर ऑडिटर)
श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स)
मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार),
रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

स्कूली शिक्षा में बुनियादी सुविधाओं में सुधार हुआ है

लेकिन डिजिटल सुविधाओं में असमानता बनी हुई है

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से संचालित डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (UDISE) प्लस की ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है।

डिजिटल डिवाइड

रिपोर्ट में यह बात स्थापित होती है कि बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर हुई है। करीब 90% स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं। लेकिन अगर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाए तो स्कूलों के बीच गहरी खाई दिखती है। मसलन, फंक्शनल कंप्यूटर महज 57.2% स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9% स्कूलों के पास इंटरनेट ऐक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021-22 की UDISE प्लस रिपोर्ट के मुताबिक 66% स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे।

स्कूल बढ़े, एनरोलमेंट घटा

यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज - लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि- में है।

ड्रॉपआउट का ट्रेंड

जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2% है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9% तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे OBC और SC/ST कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

स्कूल बढ़े, एनरोलमेंट घटा

यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज - लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि- में है।

ड्रॉपआउट का ट्रेंड

जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2% है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9% तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे OBC और SC/ST कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

टीचर-स्टूडेंट रेश्यो

एक और अहम पहलू है टीचर्स और स्टूडेंट्स के अनुपात यानी PTR का। इस मामले में विभिन्न राज्यों के बीच अंतर विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एक तरफ झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य हैं, जहां सेकंडरी लेवल पर PTR राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तय मानक यानी 30:1 से भी ज्यादा है तो दूसरी ओर असम, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्य काफी पीछे नजर आते हैं।

नई चुनौतियां

कुल मिलाकर, देश में स्कूली शिक्षा को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर दिखता है। लेकिन इस दौरान नई चुनौतियां भी उभर रही हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। यूनिवर्सल एजुकेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखें तो ड्रॉपआउट के ट्रेंड्स और PTR पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

न्यायपालिका में आत्म-जवाबदेही को मजबूत करने के उपायों का समर्थन बढ़ रहा है

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

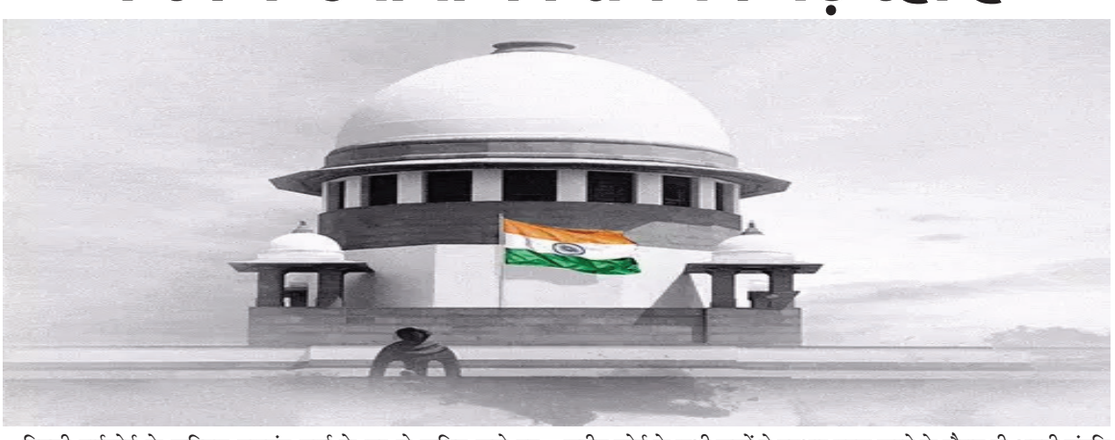

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से कथित जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने के बावजूद न्यायपालिका की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार का मुद्दा सुर्खियों में है। मामले की जांच शुरू हो चुकी है और न्यायपालिका में आत्म-जवाबदेही को मजबूत करने के उपायों का समर्थन बढ़ रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से कथित तौर पर जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने की खबरों के बाद जहां इस मामले की जांच शुरू हो गई है, वहीं इससे जुड़ी बहस का दायरा भी फैलता जा रहा है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगर जजों की नियुक्ति से जुड़ा NJAC एक्ट लागू होने दिया गया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं होती। जाहिर है, इस घटना ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके उत्तरदायित्व से जुड़ी पुरानी बहसों को नया रूप दे दिया है।

भ्रष्टाचार बड़ा मसला :

न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्यों के आचरण को लेकर विवाद पहले भी होते रहे हैं। लेकिन आर्थिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामले अक्सर बड़ा मुद्दा बन जाते हैं। मिसाल के तौर पर, कलकत्ता हाईकोर्ट के सिटिंग जज अभिजीत गंगोपाध्याय का पद से इस्तीफा देकर बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ना या इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव का एक खास समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान देना उतना बड़ा मुद्दा नहीं बना। किसी बार असोसिएशन ने उन मामलों में ऐसा मुखर विरोध नहीं किया जैसा जस्टिस वर्मा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट बार असोसिएशन कर रहा है।

महाभियोग प्रक्रिया :

जजों पर लगने वाले गंभीर आरोपों के संदर्भ में देखें तो अब तक के अनुभव से साफ हो गया है कि महाभियोग लाना व्यवहार में कोई कारगर विकल्प नहीं रह गया है। आरोप कितने भी गंभीर हों, इस प्रक्रिया का तार्किक परिणति तक पहुंचना काफी हद तक राजनीतिक दलों के रुख पर निर्भर करता है।

दायित्व बनाम स्वतंत्रता :

मौजूदा विवाद ने न्यायपालिका के उत्तरदायित्व की जरूरत को रेखांकित किया है तो उसी अनुपात में उसकी स्वतंत्रता पर मंडराते खतरे को लेकर आगाह भी। ध्यान रखना जरूरी है कि इस विवाद से बने माहौल का कोई प्रतिकूल असर न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जजों को हासिल संवैधानिक संरक्षण पर न पड़े।

बीच की राह :

ऐसे में बीच की राह यही हो सकती है कि न्यायपालिका को उत्तरदायी बनाने के प्रयास न्यायपालिका के भीतर से ही किए जाएं। चाहे जजों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की अनिवार्यता हो या हितों के टकराव के मामले समय रहते उजागर करना बाध्यकारी हो या जुडिशल ऑम्बड्समैन जैसे किसी पद का सृजन हो - ऐसे तमाम विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय और जिम्मेदार न्यायपालिका का कोई विकल्प नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट के जज संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे:जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी; दिल्ली हाईकोर्ट जज के घर कैश मिलने के बाद फैसला लिया

ज्यूडीशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है।

फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है।

जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डीटेल सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि, वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की निर्धारित संख्या 34 है। फिलहाल यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है। इनमें से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा पत्र कोर्ट में दे दिया है। हालांकि, इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है।

यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे।

सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति की घोषणा से जुड़े बड़े घटनाक्रम

1997 का प्रस्तावः 1997 में, तत्कालीन CJI जे एस वर्मा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें जजों से अपेक्षा की गई कि वे अपनी संपत्ति की घोषणा चीफ जस्टिस को करें। हालांकि, यह घोषणा सार्वजनिक नहीं की जानी थी।

2009 का न्यायाधीश संपत्ति विधेयकः 2009 में, "न्यायाधीश संपत्ति और देनदारियों की घोषणा विधेयक" संसद में प्रस्तुत किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को अपनी संपत्ति की घोषणा करने कहा गया था। हालांकि, इसमें यह प्रावधान था कि घोषणाएं सार्वजनिक नहीं की जाएंगी। इस प्रावधान के कारण विधेयक को विरोध का सामना करना पड़ा और इसे स्थगित कर दिया गया।

2009 में संपत्ति की घोषणाएंः 2009 में सूचना के अधिकार (RTI) के तहत दबाव और पारदर्शिता की बढ़ती मांग के कारण, कुछ जजों ने अपनी मर्जी से संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक की।

wजस्टिस यशवंत वर्मा कैश केसः कब-क्या हुआ

14 मार्च यानी होली की रात करीब साढ़े 11 बजे जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले यानी 30, तुगलक क्रेसेंट कोठी में आग लगी। जस्टिस वर्मा घर पर नहीं थे तो उनकी बेटी और मां ने फोन कर फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम किया और पुलिस भी आई दमकलकर्मी घर के बाहर की ओर स्टोर रूम में गए, तो जलता हुआ नोटों का ढेर मिला।

फोटो वीडियो सामने आने के बाद इस पर विवाद बढ़ता गया। 23 मार्च को ही जस्टिस वर्मा से दिल्ली हाईकोर्ट ने कार्यभार वापस ले लिया था।

जस्टिस वर्मा का दिल्ली से इलाहाबाद ट्रांसफर

कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए।

अवैध गर्भपात प्रकरण से संबंधित पाँच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कम्पू पुलिस थाना में भारतीय न्याय संस्था एवं गर्भ के चिकित्सीय समापन अधिनियम के तहत दर्ज कराई गई एफआईआर

ग्वालियर गत 26 मार्च को गुड़ा गुड़ी का नाका कम्पू स्थित स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल एण्ड मल्टीस्पेशिलिटी ट्रामा सेंटर में किए गए अवैध गर्भपात में लिप्त पाँच आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना कम्पू में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-94 एवं गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम 1971 की धारा-4 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि गत 26 मार्च को सूचना मिली थी कि स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल एण्ड मल्टीस्पेशिलिटी ट्रामा सेंटर में अवैध गर्भपात किया जा रहा है। इस सूचना कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान को अवगत कराया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचकर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस क्रम में एमडी मेडीसिन डॉ. बिंदु सिंघल, जिला क्षय अधिकारी डॉ. विजय पाठक, डीएचओ-2 एवं पीसी-पीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ. प्रबल प्रताप सिंह, नर्सिंग होम शाखा प्रभारी श्री जितेन्द्र सिंह तोमर व एमपीटीपी तथा पीसी-पीएनडीटी शाखा श्री संजय जोशी मौके पर पहुँचे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि दल द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इस नर्सिंग होम में जिला चिकित्सालय मुरैना में पदस्थ डॉ. नेहा नागौरी द्वारा एक महिला के गर्भ का समापन किया जा रहा है। मौके पर मौजूद मिली संबंधित महिला की सास ने जानकारी दी कि मेरी बहू के पूर्व से ही दो बेटियां हैं। तीसरे बच्चे का गर्भ समापन कराया गया है। जाँच में यह भी पता चला कि यह नर्सिंग होम बगैर पंजीयन के संचालित है। भवन स्वामी द्वारा भी इसकी सूचना कार्यालय में नहीं दी गई। इससे जाहिर हुआ कि संबंधितों द्वारा एमपीटीपी एक्ट एवं नर्सिंग होम एक्ट का स्पष्टतः उल्लंघन किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकरण में जिला क्षय अधिकारी डॉ. विजय पाठक के माध्यम से कम्पू पुलिस थाना में आवेदन देकर आरोपी डॉ. नेहा नागौरी, स्टाफ नर्स स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल किरण कश्यप, संबंधित महिला व उसकी सास तथा उस परिवार के एक पुरूष सदस्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। पुलिस द्वारा यह प्रकरण विवेचना में लिया गया है।

8 साल बाद खोया बेटा मिला, SDM डबरा के प्रयास से मां की गोद में लौटे तुलाराम

डबरा | 8 साल पहले अपने घर-परिवार से बिछड़े तुलाराम अहिरवार का उनकी मां से भावुक मिलन हुआ। उन्हें घर लौटाने में SDM डबरा दिव्यांशु चौधरी, तहसीलदार डबरा दिव्य दर्शन शर्मा और आधार प्रबंधक नीरज शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रशासन के इन प्रयासों से एक मां का वर्षों से खोया बेटा उसकी गोद में लौट आया।

बीमारी में मिला था सहारा, पर नहीं था घर का पता

तुलाराम अहिरवार को 8 साल पहले सिविल हॉस्पिटल, गुना से बीमार हालत में प्रभुजी सेवा आश्रम के सेवादार मनीष पांडे ने रेस्क्यू किया था। उस समय वे कुछ बोलने में असमर्थ थे, जिससे उनके परिवार के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। वर्षों तक तुलाराम 'कृष्णा प्रभुजी' के नाम से आश्रम में रहे, लेकिन उनके घर का कोई पता नहीं चल सका।

आधार से खुला पहचान का राज

हाल ही में SDM डबरा दिव्यांशु चौधरी ने प्रभुजी सेवा आश्रम में रहने वाले लोगों के आधार कार्ड बनवाने की पहल की। जब तुलाराम के फिंगरप्रिंट से आधार अपडेट करने की कोशिश की गई, तो उनका आवेदन अस्वीकार हो गया। आधार समन्वयक नीरज शर्मा ने जब उनकी आधार डिटेल निकाली, तो चौंकाने वाला सच सामने आया—तुलाराम पहले से ही आधार में पंजीकृत थे और उनका घर ग्राम मोहनपुर, तहसील चंदेरी, जिला अशोकनगर में था।

परिवार ने खो दी थी उम्मीद

जब यह जानकारी तहसीलदार अशोकनगर दीपक शुक्ला तक पहुंची, तो उन्होंने तुलाराम के परिवार से संपर्क किया। जैसे ही परिवार को पता चला कि उनका बेटा जिंदा है, वे खुशी से फूले नहीं समाए। चार साल पहले चंदेरी में बने एक डैम के पास तुलाराम के लापता होने के बाद परिवार को लगा था कि उनकी बलि दे दी गई होगी। वर्षों से बेटे को मरा समझ चुकी मां ने जब सुना कि तुलाराम सुरक्षित हैं, तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

मां से मिलकर फूट-फूटकर रोए तुलाराम

तुलाराम के परिवार के सदस्य तत्काल डबरा के अपना घर आश्रम पहुंचे। जब मां और बेटे का आमना-सामना हुआ, तो भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मां ने वर्षों बाद अपने बेटे को गले लगाया और दोनों फूट-फूटकर रोने लगे। वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं।

प्रशासन की पहल से संभव हुआ मिलन

इस पूरे मामले में SDM डबरा दिव्यांशु चौधरी की पहल और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ने एक परिवार को फिर से जोड़ा। अगर प्रभुजी सेवा आश्रम और प्रशासन की यह पहल न होती, तो शायद तुलाराम आज भी अपनों से दूर रहते।

"जिन्हें मृत मान लिया था, वे लौट आए"

तुलाराम के परिवार ने प्रशासन और प्रभुजी सेवा आश्रम का आभार जताया। उनकी मां ने कहा, "मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा बेटा जिंदा मिलेगा। हमें लगा था कि हम उसे हमेशा के लिए खो चुके हैं, लेकिन भगवान और इन अधिकारियों की वजह से वह हमारे पास वापस आ गया।"

समाज के लिए सीख

यह घटना बताती है कि सही तकनीक, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सेवा भाव से असंभव लगने वाली चीजें भी संभव हो सकती हैं। यह न केवल प्रशासन की सफलता की कहानी है, बल्कि समाज के लिए भी एक संदेश है कि खोए हुए अपनों को तलाशने में आधुनिक तकनीक और संवेदनशील

14 साल की नाबालिग लड़की के साथ दतिया के दो युवकों ने पानी में नशे की दवा मिलाकर पिलाने के बाद गैंगरेप

ग्वालियर में 14 साल की नाबालिग लड़की के साथ दतिया के दो युवकों ने पानी में नशे की दवा मिलाकर पिलाने के बाद गैंगरेप किया। नाबालिग पीड़िता वेडिंग इवेंट का काम करती है। कुछ दिन पहले एक मैरिज गार्डन में दतिया के दो युवकों ने दोस्ती कर उसका मोबाइल नंबर लिया था। 6 मार्च को एक शादी फंक्शन में युवकों ने उसे रात 1.30 बजे घर छोड़ने के लिए लिफ्ट ऑफर की। रास्ते में उसे पानी पीने के लिए दिया। पानी पीते ही वह बेहोश होने लगी। इसके बाद दोनों युवक उसे दतिया में एक सुनसान घर में ले गए। आसपास जंगल सा माहौल था। रात भर यहां बंधक बनाकर दोनों ने उसके साथ रेप किया। सुबह जब पीड़िता को होश आया तो उसे धमकाते हुए ग्वालियर छोड़ गए। वारदात झांसी रोड के परिणय वाटिका के बाहर की है। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मोबाइल नंबर लिया, बातचीत होने लगी

माधौगंज निवासी नाबालिग ने झांसी रोड थाना पहुंचकर शिकायत की। बयान में उसने बताया कि वह इवेंट का काम करती है। 1 मार्च 2025 को वह अचलेश्वर मंदिर के पास एक मैरिज गार्डन में इवेंट के काम पर गई थी। रात 11 बजे वहां प्लेट काउंटर के पास एक लड़का आया। उसने मुझसे मेरा नाम पूछा और मोबाइल नंबर पूछा। अपना नाम अंशुल अग्रवाल निवासी दतिया बताया। इसके बाद उससे मेरी दो से तीन बार बातचीत होने लगी।

पीड़िता ने बताया कि 6 मार्च को झांसी रोड में एक मैरिज गार्डन में मैं इवेंट के के लिए आई थी। यहां अंशुल का दो से तीन बार कॉल आया। उसका कहना था कि रात ज्यादा हो जाए और टैक्सी न मिले तो वह उसे कॉल कर सकती है। वो मुझे घर तक छोड़ देगा। रात करीब डेढ़ बजे अंशुल अपने दोस्त अवनीश पंडित के साथ आया और उसे घर तक छोड़ने के लिए लिफ्ट ऑफर की।

कार में बैठाकर पानी में नशीली दवा पिलाई

बाइक पर नाबालिग को बैठाकर दोनों आरोपी स्टेशन बजरिया के एक रेस्टोरेंट में ले गए। यहां पर उन्होंने खाना खाया और उसे बोतेल में पानी पीने के लिए दिया।

डबरा में निर्माणाधीन देश के सबसे बड़े नवग्रह पीठ का आज बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने दौरा किया।

उन्होंने मंदिर का बारीकी से निरीक्षण किया और विराजमान मूर्तियों के दर्शन किए

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह अद्भुत और अकल्पनीय पीठ मन को प्रसन्न कर देती है। मंदिर में नवाचार का विशेष प्रयोग किया गया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि यह सिद्ध पीठ आने वाले समय में विश्व प्रसिद्धि प्राप्त करेगी। मंदिर की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यहां गज द्वार पर अद्भुत नक्काशी की गई है। अष्टधातु से निर्मित नवग्रहों की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। सबसे खास बात यह है कि सभी ग्रह यहां अपनी पत्नियों के साथ विराजमान हैं। शास्त्री जी ने कहा कि इस मंदिर के निर्माण में विज्ञान और वास्तु का विशेष ध्यान रखा गया है। सूर्य भगवान के चारों ओर नवग्रहों की स्थिति और उनकी गति इस मंदिर को अनूठा बनाती है। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने की घोषणा भी की। इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, श्रीमन नारायण मिश्र, जीवाजी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. आनंद मिश्रा, पूर्व मंडी अध्यक्ष मुकेश बंटी गौतम, विवेक मिश्रा, दीपक तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

ग्वालियर संभाग के डी आई जी अमित सांघी जी ने किया डबरा थाने के साथ साथ अन्य तहसील और ग्रामीण थानों पर रात्रि भ्रमण

मनोज चतुर्वेदी की रिपोर्ट

बीती रात ग्वालियर जिले में थाना डबरा एवं सिरोल का भ्रमण किया गया ।रिकॉर्ड देखा गया गश्त संबंधी जानकारी ली गई । पुलिस मुख्यालय के नवीनतम निर्देशों से अवगत कराते हुए उनके क्रियान्वन की समीक्षा की गई ।रात्रि में पुलिस बल का मुस्तैद और सतर्क रहना आवश्यक है ।

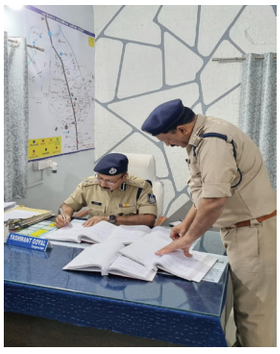

सिविल अस्पताल डबरा में उच्च गुणवत्ता की सर्जरी (ऑपरेशन) कर ग्रामीण जानो को दे रहे हैं स्वास्थ्य लाभ

डॉ पवन गौतम एम. एस.(सर्जरी)*

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी एवं विशेष सह सलाहकार अतेंद्र सिंह रावत द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष मुलाकात के दौरान सिविल अस्पताल डबरा में पदस्थ डॉ पवन गौतम एम एस सर्जरी के बात चीत के कुछ अंश डॉ पवन गौतम युवा पीढ़ी के सर्जन हैं जो कि मध्यम परिवार से हैं। सर्जरी के क्षेत्र में विकास की और अग्रसर हैं । जो कि डबरा क्षेत्र की ग्रामीण एवं शहरी मरीजों को सर्जरी ऑपरेशन से संबंधित आने वाले समस्याओं जैसे की कोर्टिकल एवं नॉन कोर्टिकल सर्जरी ऑपरेशन संबंधित जानकारी एवं अन्य समस्याओं का काउंसलिंग कर संबंधित बीमारी का उपचार एवं ऑपरेशन, कर निदान किया जा रहा है। डॉ पवन गौतम द्वारा चर्चा के दौरान उनके द्वारा किए गये कुछ कोर्टिकल सर्जरी ऑपरेशन से संबंधित जानकारी भी साझा की जिसमें एक दुर्घटना वस ग्राइंडर से हाथ कट गया था जो कि बहुत ही खतरनाक हालत थे लेकिन डॉ पवन गौतम द्वारा बिना देर किए धैर्य पूर्वक ऑपरेशन किया एवं कुछ समय उपचार के बाद ठीक ही नहीं वल्कि कुछ समय बाद हाथ पूर्ण तय सामान्य रूप से कार्य करने लगा। यह अतिश्योक्ति नही है कि अब लम्बे इंतजार के बाद सिविल अस्पताल डबरा में शहरी व ग्रामीण जनता को चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि के रूप में एक सर्जरी (ऑपरेशन) सर्जन डॉ पवन गौतम मिले हैं। जिनके द्वारा छोटे स्तर पर

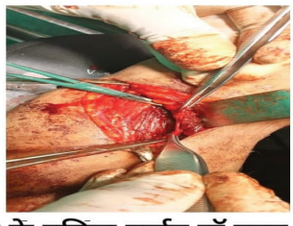

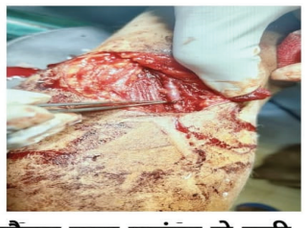

डबरा के प्रसिद्ध सर्जन डॉ पवन गौतम द्वारा ग्राइंडर से कटी Brachial artery नस का सफल आपरेशन

सुविधाओं का अभाव होने के बाद भी हर्निया , अपेंडिक्स, हाइड्रोसिल, एवं अन्य ऐसे कई सीरियस एवं माइनर ऑपरेशन किए गये हैं जो कि जिला स्तर के अस्पतालो में भी आसानी से संभव नहीं है। वह डॉ पवन गौतम अपने स्तर पर सिविल अस्पताल डबरा में ग्रामीण एवं शहरी मरीजों को आकस्मिक बीमारी ऑपरेशन सही उपचार संबंधित स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर प्रदान की जा रही हैं।एवं ग्रामीण जानो के लिए सिविल अस्पताल डबरा में अधिक से अधिक सुविधाओं एवं व्यवस्था के लिएप्र यासर है।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर विकास प्राधिकरण का वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित बजट में आय 24224.66 लाख एवं व्यय 24430.73 लाख का अनुमोदन प्राधिकरण की संचालक मंडल की बैठक में किया गया है। इसके साथ ही प्राधिकरण की दो नई योजनाओं को भी मंजूरी प्रदान की गई है। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में आयोजित संचालक मण्डल की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक गुरुवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बजट अनुमोदन के साथ-साथ नई योजनाओं की मंजूरी और विकास प्राधिकरण के विभिन्न कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भार्गव, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर श्री विजय राज सहित संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग, अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, अधीक्षण यंत्री एमपीईबी, वन विभाग एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संचालक मंडल की बैठक में बताया गया कि ग्वालियर विकास प्राधिकरण में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित बजट में आय रूपए 22311.51 के विरूद्ध रूपए 3844.20 आय प्राप्त हुई है एवं प्रस्तावित व्यय रूपए 16534.47 लाख

डबरा BSF अकादमी के आईजी राजेश शर्मा का निधन

डबरा बीएसएफ अकादमी टेकनपुर के कमांडो स्कूल के आईजी राजेश शर्मा का देर रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। शर्मा को रात में अचानक सीने में दर्द की शिकायत हुई। परिजन तुरंत उन्हें अकादमी स्थित अस्पताल ले गए। अकादमी अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्वालियर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने गहन जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।राजेश शर्मा मध्य प्रदेश के गुना जिले के रहने वाले थे। वह 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। इसी वर्ष फरवरी में उन्होंने टेकनपुर अकादमी में पदभार संभाला था। उनके अचानक

निधन से बीएसएफ अकादमी में शोक की लहर है।

आंगन में खेल रहे 9 साल के बच्चे पर अचानक जंगली जानवर ने किया हमला

चंबल अंचल के श्योपुर विजयपुर स्थित ऊमरीकला गांव में घर के आंगन में खेल रहे 9 साल के बच्चे पर अचानक "चीता' (मां के अनुसार चीता) ने हमला कर दिया। उसने मासूम का चेहरा और गर्दन अपने दांत में दबा लिया। मासूम की चीख सुनकर पास ही मवेशियों को चारा डाल रही उसकी मां सुरक्षा धाकड़ दौड़ते हुए पहुंची और " चीता' के चंगुल में फंसे अपने बेटे को खींचने लगी। दूसरी तरफ से "चीता' जोर लगा रहा था। करीब 7 मिनट तक संघर्ष चली और उसके बाद मां अपने बेटे के प्राण

"चीता' के मुंह से खींच लाई, लेकिन इस दौरान जानवर के दांत व नाखून और पंजे से मासूम के चेहरे और सिर पर 14 गंभीर घाव हो गए। इसके बाद डॉक्टरों ने उसकी जिंदगी बचाने की जंग शुरू की। ग्वालियर के सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ढाई घंटे चले ऑपरेशन के बाद मासूम को 120 टांके लगाए गए, तब जाकर उसकी जान बच सकी। वन विभाग के डीएफओ आर. थिरूकुरल ने पुष्टि की कि बच्चे पर हमला करने वाला तेंदुआ था। श्योपुर के विजयपुर का उमरीकलां गांव में रविवार की शाम 9 वर्षीय बालक अविनाश धाकड़ घर के बाहर खेल रहा था। खेलते-खेलते वह घर की बाउंड्री पर बैठ गया। तभी जंगली चीता ने उस पर हमला बोल दिया। चीता उसे अपने पंजों में दबाकर घसीटकर ले जाने का प्रयास कर रहा था। तभी बच्चा जोर से चिल्लाया तो पास में मवेशियों के लिए चारा डाल रही मां दौड़कर चीता से भिड़ गई और बच्चे की जान बचाई। घायल बच्चे को गंभीर हालत में विजयपुर अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। ग्वालियर में डॉक्टरों ने उसका उपचार किया है। फिलहाल वह 48 घंटे की निगरानी में हैं।

प्राथमिक सहकारी समितियों के पुनर्गठन के लिये 45 नए सदस्य बनाए

बेहटा व पारसेन में सहकारी संस्थाओं का होगा पुनर्गठन

ग्वालियर : जिले में बेहटा एवं पारसेन में प्राथमिक सहकारी संस्थाओं के पुनर्गठन के सिलसिले में इन दोनों संस्थाओं से जुड़े ग्रामों में कृषक संगोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। इस सिलसिले में गुरुवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार की मौजूदगी में आयोजित हुई कृषक संगोष्ठियों में 70 नए सदस्य बनाए गए। साथ ही 45 लोगों ने प्राथमिक सहकारी संस्था के सदस्य बनने के लिये अपनी सहमति दी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने कृषक संगोष्ठियों के माध्यम से किसानों को सहकारी समितियों के फायदे बताए। उनकी समझाइश से प्रेरित होकर किसानों ने आगे आकर सहकारी समिति की सदस्यता ग्रहण की। उप आयुक्त सहकारिता के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को ग्राम बरेठा में आयोजित हुई कृषक संगोष्ठी में 13 नए सदस्य बनाए गए। इसी तरह ग्राम पंचायत गुठीना में 5, डांग गुठीना में 12, खेरिया क्रेसर में 8 व ग्राम पंचायत बहादुरपुर में 32 नवीन सदस्य बनाए गए। ग्राम पंचायत सरसपुरा के 45 कृषकों ने सदस्य बनने के लिये अपनी सहमति दी है। सदस्य बनाने का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 मार्च को

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में 21 मार्च को कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। इस दिन दोपहर एक बजे से कलेक्ट्रेट स्थित जन-सुनवाई कक्ष में यह आयोजन होगा। हर साल 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। गत 14 मार्च को होली व 15 मार्च को अवकाश होने की वजह से 21 मार्च को कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

ग्वालियर में रील बनाते समय ब्लास्ट में झुलसे युवक ने तोड़ दिया दम, युवती की हालत गंभीर

ग्वालियर। लेगेसी प्लाजा में हुए ब्लास्ट में घायल हुए युवक और युवती में से युवक जिंदगी की जंग हार गया। बीती रात लगभग दो बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, वहीं युवती की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। युवक की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर लिया है। दरअसल गोला का मंदिर की भिंड रोड पर द लेगेसी प्लाजा में पांच दिन पहले रात को सवा दो बजे रील बनाने के चक्कर में हुए एलपीजी ब्लास्ट में सातवें माले पर रहने वाली 34 वर्षीय रंजना राणा पत्नी संजीव राणा और उसका रिश्तेदार अनिल राणा गंभीर रूप से झुलसे थे।

सीएफएल जलाते ही हो गया धमाका

काफी मात्रा में गैस रिस जाने के बाद उन्होंने तेज रोशनी के लिए सीएफएल जलाने के लिए स्विच्ड दबाया और उसमें हुई स्पार्किंग से ब्लास्ट हो गया। इसमें पूरी बिल्डिंग के खिड़की, दरवाजे तथा ग्रिल उखड़ गए।

रसोई गैस से वीडियो में डाल रहे थे स्पेशल इफेक्ट

ब्लास्ट के बाद युवक अनिल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसने अपने मृत्यु पूर्व अंतिम बयान में पुलिस को यही बताया था कि रंजना को धुएं के बीच से निकलते हुए एक वीडियो शूट करना था। इसमें धुंए के हल्के बादलों का इफेक्ट डालने के लिए अनिल को यह विचार आया। उसने कुछ समय पहले भी गैस लीक कर ऐसा वीडियो बनाया था। उसकी बात सुनकर रंजना भी राजी हो गई।

उन्होंने तय किया कि रात को सभी के सो जाने के बाद वो ऐसा वीडियो बनाएंगे, लेकिन वीडियो को आकर्षक बनाने के चक्कर में उन्होंने अधिक गैस उड़ा दी और यह धमाका हो गया।

सात किलो एलपीजी रिसी, फिर हुआ धमाका

जब इस मामले की जांच हुई तो यह तथ्य सामने आए कि रील वीडियो बनाने में स्पेशल इफेक्ट देने के चक्कर में दोनों ने मिलकर सात किलो एलपीजी लीक कर दी। गैस रिस कर पूरे फ्लैट में फैल गई और लाइट जलाते ही ब्लास्ट हो गया। जब उन दोनों के मोबाइल खंगाले गए तो सामने आया कि उन्होंने कुल 23 वीडियो बनाए हैं। इसमें कुछ वीडियो 30 से 40 सेकंड के थे, वहीं कुछ सिर्फ 15 से 20 सेकेंड के वीडियो बनाए थे। रात दो बजे तक उन्होंने कुल 23 वीडियो शूट किए थे।

ग्वालियर कलेक्ट्रेट में शॉर्ट सर्किट से आग

ग्वालियर कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थित कोषालय (ट्रेजरी), महिला एवं बाल विकास विभाग और एक अन्य विभाग के कार्यालय में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई। गनीमत रही कि मौजूद अधिकारी और कर्मचारी समय रहते बाहर निकल आए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया।

बताया जा रहा है कि कलेक्ट्रेट कार्यालय के पीछे स्थित बिजली विभाग की डीपी में डबल फेस मिलने के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे इन दफ्तरों में आग लग गई। इस हादसे में ट्रेजरी ऑफिस के दस्तावेज, महिला एवं बाल विकास विभाग के कंप्यूटर, फर्नीचर, सीपीयू, की-बोर्ड और कुछ महत्वपूर्ण फाइलें जलकर नष्ट हो गईं। इसके अलावा एसबीआई विभाग में रखा कुछ सामान भी आग की चपेट में आ गया।

कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को जांच के आदेश

आग लगने की सूचना मिलते ही कलेक्टर रुचिका चौहान और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। कलेक्टर ने कोषालय, महिला एवं बाल विकास विभाग और अन्य प्रभावित कार्यालयों के साथ बिजली विभाग की डीपी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

तीनों कार्यालयों में रखा सामान जलकर राख हो गया है, जबकि धुएं के कारण पूरे ऑफिस की दीवारें और फर्नीचर काले पड़ गए हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि घटना की जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

नाबालिग बच्ची ने की हत्या, लापता 4 साल के बच्चे का शव मिला

ग्वालियर की सिरोल कॉस्मो आनंदा टाउनशिप से मंगलवार दोपहर से लापता 4 साल के बच्चे का शव बुधवार रात करीब 8 बजे टाउनशिप के पास ही एक गड्ढे से बरामद किया गया है। इस मामले में खुलासा हुआ है कि 12 साल की एक नाबालिग बच्ची ने उसकी हत्या की है। आरोपी नाबालिग उसे बेर खिलाने के बहाने ले गई थी। जहां उसने बच्चे का गला दबाया, फिर उसके सिर पर पत्थर से हमला किया। इसके बाद उसे पिल्लर के लिए खोदे गड्ढे में डालकर पत्थरों से ढंक दिया। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। बच्ची ने ऐसा क्यों किया, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ है।

खेलते-खेलते लापता हो गया था बच्चा

बच्चे का नाम देवराज वंशकार (उम्र 4 वर्ष) था। उसके पिता राजकुमार वंशकार दो महीने पहले ही अपने परिवार के साथ यूपी के ललितपुर के महूलेन गांव से ग्वालियर में मजदूरी करने आए थे। ये सिरोल कॉस्मो आनंदा टाउनशिप में मजदूरी कर रहे थे।राजकुमार अभी ग्वालियर में डीईओ ऑफिस के पास एक निर्माणाधीन छात्रावास में परिवार समेत रहता है। परिवार में पत्नी के अलावा चार बच्चे हैं। देवराज उनका दूसरे नंबर का बच्चा था।

मंगलवार को रोज की तरह रामकुमार और उसकी पत्नी काम करने के लिए कॉस्मो आनंदा गए थे। देवराज अपने भाई-बहन के साथ खेल रहा था। दोपहर 12 बजे तक देवराज वहां पर बच्चों के साथ खेलता रहा। उसके बाद पास ही रहने वाली एक बच्ची के साथ बेर तोड़ने गया था। कुछ देर बाद उसकी मां उसे देखने के लिए आई तो लापता था। बच्चे को न पाकर उसने अपने स्तर पर तलाश की, जब कुछ पता नहीं चला तो पति को सूचना दी। सूचना मिलते ही पति और उसके साथी बच्चे की तलाश में लग गए, लेकिन उसका पता नहीं चला। बच्चे के लापता होने की सूचना पर बुधवार को सिरोल पुलिस स्पॉट पर पहुंची थी। काफी तलाशने के बाद बच्चा नहीं मिला तो अपहरण का केस दर्ज कर सर्चिंग शुरू कर दी थी। पुलिस इलाके में लगे एक सीसीटीवी वीडियो में देवराज नाबालिग बच्ची के साथ जाता दिखा। पुलिस ने जब नाबालिग बालिका से बात की तो उसने बच्चे को वहीं वापस छोड़कर जाने की बात कही थी। बच्ची छोटी थी तो पुलिस को संदेह नहीं हुआ। लेकिन, लापता बच्चे की छोटी बहन बार-बार कह रही थी कि भैया को वो वापस नहीं छोड़ गई। पुलिस ने बालिका से फिर से पूछताछ की तो वह टूट गई और उसने पास ही एक खंडहर प्लॉट के पिलर के गड्ढे से देवराज वंशकार का शव बरामद करा दिया। आरोपी बालिका का पूरा परिवार भी यहीं मजदूरी करता है। ये टीकमगढ़ के रहने वाले हैं और दो महीने पहले ही यहां आए हैं।

ग्वालियर के कमला राजा अस्पताल में AC फटने से आग लग गई

ग्वालियर के कमला राजा अस्पताल में AC फटने से आग लग गई। हादसा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के लेबर रूम में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे हुआ। लेबर रूम से सटे प्रसूति वार्ड में भी धुआं भर गया। आनन-फानन में खिड़कियां तोड़कर 56 महिला मरीजों को वार्ड से सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। सभी सुरक्षित हैं। मरीजों की शिफ्टिंग का काम रविवार सुबह 4 बजे तक चलता रहा। सूचना मिलते ही कलेक्टर रुचिका चौहान भी मौके पर पहुंची। कमला राजा अस्पताल ग्वालियर संभाग के सबसे बड़े जयारोग्य अस्पताल समूह का हिस्सा है।

लेबर रूम में 16, वार्ड में 50 महिलाएं भर्ती थीं

अस्पताल में भर्ती महिला मरीजों के परिजन के मुताबिक, ग्वालियर में बीती रात का तापमान करीब 20 डिग्री सेल्सियस था। ऐसे में कमला राजा अस्पताल के लेबर रूम में भर्ती 16 मरीज और उनके नवजातों के लिए AC चल रहे थे। अचानक एक AC में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। लेबर रूम से सटे वार्ड में 50 महिलाएं डिलीवरी के लिए भर्ती थीं। बगल में ही बने पीडियाट्रिक वार्ड में भी कुछ बच्चे भर्ती थे।

एक मरीज के अटेंडर दीपक कुमार ने बताया- कुछ समझ पाते, उससे पहले ही धुएं से दम घुटने लगा। हम मरीजों और नवजात बच्चों को लेकर बाहर की तरफ भागे। अस्पताल के वार्ड बॉय, सिक्योरिटी गार्ड के साथ मिलकर वार्ड की खिड़कियों को तोड़कर मरीजों को बाहर निकाला गया।

खिड़की तोड़ने की कोशिश में लगी चोट

प्रत्यक्षदर्शी अरविंद सिंह रावत ने बताया- हम सो रहे थे। अचानक लोगों के चिल्लाने की आवाज आई तो नींद खुल गई। देखा कि लेबर रूम में आग लगी है। हमने अस्पताल के स्टाफ के साथ मिलकर मरीजों को बाहर निकाला। खिड़की तोड़ने की कोशिश में कुछ लोगों के हाथ में आग भी लग गई। भगवान का शुक्र है कि सभी सही-सलामत हैं।

कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

कलेक्टर रूचिका चौहान ने कहा- सूचना मिलते ही सीनियर डॉक्टरर्स, प्रशासनिक और पुलिस अफसर आ गए थे। मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसा AC फटने से हुआ है। टीम गठित कर जांच की जाएगी।

शराब के एक पैग को लेकर विवाद, युवक ने गोली मारी

ग्वालियर। पूरे दिन होली खेली, रात में शराब पीते वक्त छोटा सा विवाद, खूनी संघर्ष में बदल गया। झगड़ा शांत कराने के लिए सुरेंद्र कुशवाह ने अपने से कम उम्र के लड़के अमरजीत कुशवाह को डांट कर थप्पड़ मार दिया। कम उम्र के युवक को यह बेइज्जती इतनी नागवार गुजरी कि वह दौड़कर कट्टा ले आया और युवक के पेट में गोली मार दी। गोली लगने से युवक की अस्पताल में मौत हो गई, वहीं आरोपी युवक वारदात के बाद फरार हो गया। यह विवाद शराब के महज एक पैग को लेकर शुरू हुआ था। जो बाद में बढ़ता ही चला गया, अंत में होली की रात लक्ष्मीगंज की मुख्य सड़क पर खूनी बहा।

जेल में बंद भाइयों को लगाया तिलक, भावुक हुए कैदी

ग्वालियर सेंट्रल जेल में होली की दूज पर भाईदूज का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। जेल के बाहर सुबह से ही बहनों का मेला लग गया। करीब एक हजार बहनें बंदी भाइयों को तिलक लगाने पहुंची। जेल प्रशासन ने इस अवसर पर विशेष व्यवस्था की थी। सुबह से ही जेल के बाहर काउंटर लगाए गए। वैरिफिकेशन के बाद बहनों को भाइयों से मिलने की अनुमति दी गई। बहनों ने परंपरागत रूप से रंग, गुलाल, रोली, चावल और चंदन से भाइयों को तिलक लगाया। अपने हाथों से मिठाई खिलाई और उनकी लंबी उम्र की कामना की। संगीन मामलों में बंद कैदियों से मिलने का यह खास मौका था। कई भाई-बहन भावुक हो गए। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। तिगरा सोजना गांव से आई देवकी ने बताया कि वह एक घंटे तक अपने भाई से मिली।

युवकों ने किया सिपाही पर हमला, थाना प्रभारी से अभद्रता

ग्वालियर के कंपू इलाके में खुले में बैठकर शराब पी रहे युवकों को टोकना एक पुलिस जवान को भारी पड़ गया। युवकों ने पुलिस जवान पर हमला कर दिया। यह घटना शनिवार को आमखो कंपू क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही कंपू थाना प्रभारी वहां पहुंचे, लेकिन नशे में धुत युवकों ने उनसे भी अभद्रता कर दी। इसके बाद थाना से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और तीन हमलावर युवकों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि बाकी फरार हो गए।

बाद में हमलावरों के समर्थन में एक गुट थाना पहुंचा और पुलिस कर्मियों पर सिगरेट और गुटखा लेने के बाद पैसे नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रुपए मांगने पर पुलिस ने गाली-गलौज की। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिसकर्मियों को आई हाथ-पैर में चोटें

दरअसल, ग्वालियर में होली के अगले दिन शनिवार को कंपू थाना पुलिस होली मिलन समारोह का आयोजन कर रही थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद थाने में पदस्थ आरक्षक कृष्णा तोमर अपनी गाड़ी लेने गए, लेकिन गाड़ी पंचर थी। इसलिए वे अपनी बाइक लेकर आमखो में एक दुकान पर पंचर जुड़वाने पहुंचे।

दुकान के पास 7-8 युवक खुले में बैठकर शराब पी रहे थे। आरक्षक ने उन्हें शराब पीने से रोका, तो वे गाली-गलौज पर उतर आए। फिर इन युवकों ने आरक्षक पर हमला कर उसकी पिटाई कर दी। आरक्षक ने तुरंत कंपू थाना प्रभारी रुद्र पाठक को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश की। लेकिन हमलावर युवकों ने उनसे भी अभद्रता की। इस हमले में आरक्षक और थाना प्रभारी दोनों को हाथ-पैर में चोटें आईं।

आरक्षक पर लगाए नशे में होने का आरोप

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस को देखकर शराबी युवक भागने लगे, लेकिन तीन हमलावर, पिल्लू कुशवाह, रूपेश नेगी और एक अन्य युवक को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि बाकी फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों के परिजन थाने पहुंचे और दावा किया कि आरक्षक खुद नशे में था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षक ने रूपेश की दुकान से सिगरेट और गुटखा लिया, लेकिन पैसे नहीं दिए।

बाकी आरोपियों की तलाश जारी

कंपू थाना में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर देवेंद्र भगोरिया ने बताया कि सिपाही ने खुले में शराब पीने से रोकने की कोशिश की, जिस पर कुछ युवकों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,

ग्वालियर से भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, दतिया, झांसी जाने वाली बसों के मार्ग निर्धारण हेतु कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ किया बस से भ्रमण

विभिन्न मार्गों में सुधार हेतु प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

ग्वालियर : शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और शहर के प्रमुख मार्गों से होकर अन्य शहरों की ओर जाने वाली बसों को कैसे व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए, इस उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड से शहर के आउटर मार्गों का बस के माध्यम से भ्रमण कर अवलोकन किया। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित नगर निगम, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्मार्ट सिटी, परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने भी बस में भ्रमण कर विभिन्न मार्गों का अवलोकन किया।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से शहर के अंदर संचालित हो रहे बस स्टेण्डों से जो अन्य शहरों को जिसमें झांसी, शिवपुरी, डबरा, भिण्ड, मुरैना एवं अन्य शहरों को जो बसें संचालित होती हैं उन्हें आगामी दिनों से स्मार्ट सिटी द्वारा निर्मित किए गए अंतर्राज्यीय बस स्टेंड से संचालित करने के उद्देश्य से विभिन्न मार्गों का भ्रमण कर कार्ययोजना तैयार करने के लिये गुरुवार को विभागीय अधिकारियों के साथ शहर का भ्रमण कर मार्गों का अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने अंतर्राज्यीय बस स्टेंड से बस में सवार होकर भिण्ड जाने के लिये दीनदयालनगर, हवाई अड्डा के साथ ही ग्वालियर बाइपास होते हुए शिवपुरी लिंक रोड, नया गांव तिराहा से ग्वालियर हाईवे होते हुए पुनः अंतर्राज्यीय बस स्टेंड तक का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मार्गों में जो भी सुधार किए जाना हैं, उनका प्रस्ताव तैयार कर आगामी दिनों में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्णय लिए जायेंगे।

दीनदयालनगर में रेत परिवहन करते दो ट्रकों की जाँच की गई

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बस से भ्रमण के दौरान दीनदयाल नगर के टाइगर चौराहे पर दो ट्रकों को रेत परिवहन करते हुए देखने पर अधिकारियों को तत्काल उन्हें रोककर उनके कागजों की जांच करने के निर्देश दिए। खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल ने दोनों ट्रकों की विस्तार से जाँच की है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रतिवेदन के आधार पर आगामी कार्रवाई की जायेगी।

ग्वालियर से लापता युवक असम में मिला, बोला- पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर बनाया था आत्महत्या का बहाना

ग्वालियर। गोला का मंदिर इलाके से 19 माह पहले लापता हुए सोमेश राजपूत को पुलिस ने ढूंढ निकाला। उसे परिजन तो मरा समझ रहे थे, लेकिन पत्नी को पता था कि वह जीवित है। इतना ही नहीं वह अपनी महिला मित्र से भी संपर्क में है। उसकी पत्नी ने कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लगाई। इसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। एक माह पहले उसका मोबाइल चालू हुआ। यहां से पुलिस को सुराग मिला। पुलिस उसे ढूंढते हुए कामाख्या रेलवे स्टेशन पहुंच गई। वह यहां नौकरी कर रहा था।ग्वालियर लाकर पूछताछ की तो उसने बताया कि पत्नी से झगड़ा होता था, इसलिए वह छोड़कर चला गया था। वह 18 अगस्त 2023 से लापता था। उस दिन वह अपने एक दोस्त को वाट्सएप पर मैसेज कर गायब हुआ था कि चंबल नदी में कूदकर आत्महत्या करने जा रहा है। उसकी एक्टिवा चंबल पुल पर ही मिलेगी।यहां गोला का मंदिर पुलिस पहुंची थी, लेकिन उसकी गाड़ी नहीं मिली थी। फिर लाश की भी तलाश की गई, लेकिन नहीं मिली। उसकी पत्नी ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लगाई। 11-12 फरवरी की रात कुछ समय के लिए सोमेश का मोबाइल चालू हुआ। बस यहीं से पुलिस को सुराग मिला।

कामाख्या रेलवे स्टेशन से पकड़ा

पुलिस भिंड के एक युवक तक पहुंची। उस युवक से पूछताछ करने पर पता लगा कि सोमेश कामाख्या रेलवे स्टेशन पर नौकरी कर रहा है। दिल्ली से फ्लाइट से पुलिस गोवाहाटी पहुंची। फिर कामाख्या रेलवे स्टेशन से उसे पकड़ लिया।

ग्वालियर से बागेश्वर धाम जा रहे परिवार की कार पलटी, तीन लोगों की मौत

ग्वालियर। छतरपुर जिले के झांसी-खजुराहो नेशनल हाईवे पर सड़क हादसा हो गया। इस सड़क हादसे में ग्वालियर के तीन लोगों की मौत हो गई है। तीन लोगों में पति पत्नी और उनकी बेटी शामिल है। घटना के बाद घायलों को जिला अस्पताल लाया गया और यहां से उनको ग्वालियर के लिए रेफर किया गया। ग्वालियर से परिवार के लोग बागेश्वर धाम दर्शन करने जा रहे थे तभी अचानक बसारी के पास हादसा हो गया।

गैंगस्टर बनने के लिए शूट करवाया गाना, ग्वालियर शहर में लगवाए होर्डिंग... पुलिस को नहीं लगी भनक

ग्वालियर शहर के मुरार स्थित घोसीपुरा में जमीन कारोबारी अजय सिंह राणा पर जानलेवा हमला करने की वारदात को अंजाम देने वाला सरगना केशव यादव गैंगस्टर बनने की राह पर है। उसने शहर की सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक पर विलेन बनकर गाना शूट करवाया। सिस्टम नाम से बने इस गाने के पोस्टर पूरे शहर की सड़कों पर लगाए गए। वीडियो गाने में केशव यादव शहर के ही कुछ गुंडों के साथ विलेन का रोल करता नजर आ रहा है। हथियारों से लैस होकर रोल कर रहा है। यह वीडियो सोमवार को सामने आया। पुलिस के पास भी वीडियो पहुंचा है। यहां बता दें कि आरोपित केशव यादव अभी इस मामले में फरार चल रहा है। उसकी और फरार साथियों की तलाश चल रही है।

डबरा में आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई: सर्राफा कारोबारियों से 12 करोड़ की अघोषित आय उजागर

डबरा के प्रतिष्ठित सर्राफा कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी मंगलवार को समाप्त हो गई। दो दिनों तक चली इस कार्रवाई में कुल 12 करोड़ रुपये की अघोषित आय का खुलासा हुआ। यह राशि केवल वित्तीय वर्ष 2024-25 की है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वर्षों से यह कारोबारी आयकर चोरी कर रहे थे। वहीं पर प्रधान आयकर आयुक्त पीसी मौर्य के निर्देशन और संयुक्त आयकर आयुक्त एनएम प्रसाद के नेतृत्व में सोमवार सुबह 8 बजे से कार्रवाई शुरू हुई। आयकर विभाग की टीम ने डबरा के गीता टॉकीज चौराहा स्थित रतनलाल सर्राफ एंड संस और श्रीरतन ज्वैलर्स के ठिकानों पर छापेमारी की।

12 करोड़ की काली कमाई छुपाने की बात स्वीकार

सूत्रों के अनुसार, रतनलाल सर्राफ एंड संस के संचालक सुजीत अग्रवाल ने विभाग के समक्ष 8 करोड़ रुपये की अघोषित आय छुपाने की बात स्वीकार कर ली। वहीं, श्रीरतन ज्वैलर्स के मालिक विजय अग्रवाल ने भी 4 करोड़ रुपये की अघोषित आय होने की बात मानी।

बहीखातों में हेरफेर: टीम को कारोबारियों के बहीखातों में भारी गड़बड़ी मिली। अनधिकृत ज्वेलरी स्टॉक: जांच के दौरान भारी मात्रा में बिना दस्तावेजों के सोना-चांदी का स्टॉक मिला। फर्जी इनवॉइस और लेन-देन: दस्तावेजों में दर्ज कई लेन-देन वास्तविक बिक्री से मेल नहीं खा रहे थे। बैंक खातों की जांच: बैंक खातों में कई संदिग्ध लेन-देन मिले, जो नकद बिक्री को छुपाने के लिए किए गए थे।

पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे

आयकर विभाग की टीम ने पिछले पांच वर्षों के वित्तीय रिकॉर्ड को जब्त किया है। जांच एजेंसियों को शक है कि यह कारोबार केवल हालिया वर्ष में ही नहीं, बल्कि पिछले कई वर्षों से टैक्स चोरी में लिप्त रहा है।

स्थानीय व्यापारियों में हड़कंप

इस बड़ी कार्रवाई के बाद डबरा और दतिया के अन्य व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। कई सर्राफा व्यापारी अपनी पुरानी लेन-देन की जांच करने और दस्तावेजों को दुरुस्त करने में जुट गए हैं।

दोनों कारोबारियों पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

यदि आगे भी टैक्स चोरी के सबूत मिलते हैं, तो प्रवर्तन निदेशालय (ED) और जीएसटी विभाग भी जांच में शामिल हो सकते हैं। अग्रवाल बंधुओं की अन्य संपत्तियों और निवेशों की भी जांच हो सकती है। डबरा में हुई इस आयकर छापेमारी ने पूरे व्यापारी वर्ग में हलचल मचा दी है। अब देखना होगा कि यह जांच और कितनी गहराई तक जाती है और क्या अन्य कारोबारी भी जांच के दायरे में आते हैं।

कैसे पकड़ा गया घोटाला?

राकेश सगर
कमांडेंट द्वितीय बटालियन एस ए एफग्वालियर

ग्वालियर संभाग डी आई जी अमित संघवी

ग्वालियर से भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, दतिया, झांसी जाने वाली बसों के मार्ग निर्धारण हेतु कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ किया बस से भ्रमण

विभिन्न मार्गों में सुधार हेतु प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

ग्वालियर शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और शहर के प्रमुख मार्गों से होकर अन्य शहरों की ओर जाने वाली बसों को कैसे व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए, इस उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड से शहर के आउटर मार्गों का बस के माध्यम से भ्रमण कर अवलोकन किया। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित नगर निगम, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्मार्ट सिटी, परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने भी बस में भ्रमण कर विभिन्न मार्गों का अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से शहर के अंदर संचालित हो रहे बस स्टेण्डों से जो अन्य शहरों को जिसमें झांसी, शिवपुरी, डबरा, भिण्ड, मुरैना एवं अन्य शहरों को जो बसें संचालित होती हैं उन्हें आगामी दिनों से स्मार्ट सिटी द्वारा निर्मित किए गए अंतर्राज्यीय बस स्टेंड से संचालित करने के उद्देश्य से विभिन्न मार्गों का भ्रमण कर कार्ययोजना तैयार करने के लिये गुरुवार को विभागीय अधिकारियों के साथ शहर का भ्रमण कर मार्गों का अवलोकन किया।

कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने अंतर्राज्यीय बस स्टेंड से बस में सवार होकर भिण्ड जाने के लिये दीनदयालनगर, हवाई अड्डा के साथ ही ग्वालियर बाइपास होते हुए शिवपुरी लिंक रोड, नया गांव तिराहा से ग्वालियर हाईवे होते हुए पुनः अंतर्राज्यीय बस स्टेंड तक का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मार्गों में जो भी सुधार किए जाना हैं, उनका प्रस्ताव तैयार कर आगामी दिनों में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्णय लिए जायेंगे।

दीनदयालनगर में रेत परिवहन करते दो ट्रकों की जाँच की गई

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बस से भ्रमण के दौरान दीनदयाल नगर के टाइगर चौराहे पर दो ट्रकों को रेत परिवहन करते हुए देखने पर अधिकारियों को तत्काल उन्हें रोककर उनके कागजों की जांच करने के निर्देश दिए। खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल ने दोनों ट्रकों की विस्तार से जाँच की है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रतिवेदन के आधार पर आगामी कार्रवाई की जायेगी।

राज्य के लाखों कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, अप्रैल से बढ़ेंगे ये भत्ते, खाते में बढ़कर आएगी राशि

मध्य प्रदेश के साढ़े सात लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है।अप्रैल से भत्तों में इजाफा देखने को मिलेगा। राज्य की मोहन यादव सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के अनुसार भत्ते देने का ऐलान किया है। वर्तमान में कर्मचारियों को 6ठे वेतन आयोग के आधार पर भत्ते दिए जा रहे है। दरअसल, 12 मार्च को मोहन सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पूर्ण बजट पेश किया था, जिसमें हर वर्ग को सौगात दी गई। इसमें वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा कर्मचारियों के भत्तों में भी बड़ा बदलाव करने का ऐलान किया गया । वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2025 से कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के अनुसार भत्ते दिए जाएंगे।हालांकि महंगाई भत्ता वृद्धि को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ।

जानें किन भत्तों का मिलेगा लाभ

वर्तमान में मध्य प्रदेश में अधिकारी कर्मचारियों को हाउस रेंट (HRA), ट्रैवलिंग एलाउंस (TA), यूनिफॉर्म एलाउंस, व्हीकल अलाउंस जैसे भत्ते छठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप दिए जाते हैं। अप्रैल से इन भत्तों का भुगतान सातवें वेतनमान की सिफारिशों के अनुरूप किया जाएगा। आमतौर पर सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले विभिन्न भत्तों में विकलांगता भत्ता, घर किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता, आदिवासी क्षेत्र भत्ता, यात्रा भत्ता, जोखिम भत्ता, दैनिक भत्ता, पुलिस कर्मियों के लिए आहार भत्ता, वर्दी धुलाई भत्ता और सिलाई भत्ता शामिल हैं। 7वें वेतन आयोग के अनुसार इन भत्तों में संशोधन होगा, जिससे कर्मचारियों को और अधिक लाभ मिलेगा।

पेंशन दस्तावेज होंगे ऑनलाइल

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कर्मचारियों के पेंशन दस्तावेज और पेंशन से जुड़े सभी काम ऑनलाइन किए जाने का ऐलान किया है। जिसका कर्मचारी संगठनों ने भी स्वागत किया है। इससे रिटायर्ड कर्मचारियों को यहां वहां परेशान नहीं होना पड़ेगा।

सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन योजना लागू किए जाने की प्रक्रिया पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाएगी। यह समिति पेंशन योजना के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेगी और इसे लागू करने के लिए सुझाव देगी। इस योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत हुई अंतर्विभागीय कार्यशाला

स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण अगली पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा उपहार- राज्यमंत्री श्री पटेल

भोपाल राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन 11 मार्च को पर्यावरण एवं नियोजन संगठन (एपको) में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में शासकीय एवं निजी क्षेत्र के चिकित्सकों के साथ-साथ लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग , इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, यूनिसेफ , कुक्कुट पालन विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी, पुलिस विभाग, मलेरिया विभाग, नगर निगम, जेल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यशाला में यूनिसेफ द्वारा विशेष रूप से सहयोग दिया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि पर्यावरण को हो रहा नुकसान भविष्य की सबसे गंभीर समस्या है। इस दिशा में आज ही सचेत होना जरूरी है। आने वाले पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा उपहार स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण है। पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर हो रहे दुष्प्रभावों को रोकने के लिए सभी विभागों और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है । स्वास्थ्य विभाग पर्यावरण असंतुलन से होने वाली बीमारियों के उपचार के साथ साथ जागरूकता कार्यक्रमों को भी चला रहा है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि पर्यावरण में होने वाले बदलावों के कारण फलों, सब्जियों और अनाजों की पौष्टिकता में कमी आ रही है। साथ ही शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण प्रदूषण श्वसन तंत्र, त्वचा, आंखों की बीमारियों के साथ साथ क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज (सीओपीडी) का प्रमुख कारण है। जिससे क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। पर्यावरण प्रदूषण से असंचारी रोग भी बढ़ रहे हैं । पर्यावरण को प्रदूषित कर हम अगली पीढ़ी के लिए बीमारियां छोड़ रहे हैं। गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग पर्यावरण प्रदूषण से अधिक प्रभावित होते हैं। स्टेट नॉलेज सेंटर एपको के समन्वयक डॉ लोकेंद्र ठक्कर ने कहा कि पर्यावरण का असंतुलन मौसम, पेड़ पौधों, जीव जंतुओं पर भी दिखाई देता है। स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा स्वप्रेरणा से आगे बढ़कर निरंतर इस दिशा में काम किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा पिछले कुछ वर्षों में उन्मुखीकरण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के द्वारा इस दिशा में निरंतर संवेदीकरण किया जा रहा है। कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के साथ साथ जीव जंतुओं पर होने वाले नकारात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। जिनमें यूनिसेफ के डॉ सौरभ सक्सेना अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से डॉ नेहा आर्य, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ मीनाक्षी शर्मा, मत्स्य पालन विभाग से श्रीमती सरिता सोंधिया एवं कुमारी प्रियांशी सोनी, एप्को संस्थान से श्री रवि शाह एवं आईसर से डॉ शांतनु ताल्लुकदार द्वारा संबोधित किया गया।

सिंगोली जमीन घोटाले में पटवारी पहुंचा जेल, कालोनाइजर दीपक परूडिया फरार- टीएल की बैठक मे उठा था मामला

अविनाश जाजपुरा। नीमच

जावद विधानसभा क्षेत्र सिंगोली में सरकारी जमीन घोटाले का एक आरोपी पकड़ा गया है। सिंगोली के पटवारी सुरेंद्र चुंडावत ने बुधवार रात में थाने में सरेंडर किया। गुरुवार को न्यायालय ने उन्हें 27 फरवरी तक जेल भेज दिया है। मामला सिंगोली के सर्वे नंबर 70 की सरकारी जमीन से जुड़ा है। शिकायतकर्ता दीपक तिवारी ने कलेक्टर हिमांशु चंद्रा को टीएल बैठक में इसकी जानकारी दी थी। शिकायत में बताया गया कि पटवारी ने नया खाता बनाकर कॉलोनाइजर दीपक पारुंडिया को अवैध लाभ पहुंचाया।

तत्कालीन तहसीलदार राजेश सोनी की जांच में पटवारी और कॉलोनाइजर की मिलीभगत सामने आई। नवंबर में कलेक्टर के आदेश पर दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जांच में दोषी पाए जाने के बाद पटवारी को निलंबित कर दिया गया। मामले का मास्टरमाइंड माने जा रहे कॉलोनाइजर दीपक पारुंडिया अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। दोनों आरोपियों पर BNS की धारा 318(4) और 336(2) के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। स्थानीय प्रशासन की कार्रवाई अभी अधूरी है। विवादित जमीन पर बोर्ड लगा दिया गया है। लेकिन अवैध अतिक्रमण अभी तक नहीं हटाया गया है। अतिक्रमणकारियों पर भी कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई है।

MP में बनेंगे दो नए वन्य जीव अभयारण्य, CM मोहन यादव ने दी मंजूरी, वन्यजीव प्रेमियों को सौगात

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार ने वन्य जीव संरक्षण और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है. प्रदेश में दो नए वन्य जीव अभयारण्य स्थापित किए जाएंगे. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जहानगढ़ और ओंकारेश्वर में वन्य जीव अभयारण्य की स्थापना को मंजूरी दे दी है. गुरुवार को मध्य प्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 28वीं बैठक में फैसला लिया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रभावी प्रयासों का सुखद परिणाम है कि प्रदेश में बाघ, तेंदुआ, चीता, हाथी, घड़ियाल और गिद्धों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है.

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि 17 से 19 फरवरी को हुई गिद्ध जनगणना में 12 हजार 981 गिद्धों की संख्या दर्ज की गई है. गिद्धों की संख्या बीते वर्ष में 19 प्रतिशत बढ़ी है. उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर वन्य जीव अभयारण्य देवास-खंडवा जिले के करीब 614.0709 वर्ग किमी वन रकबे में और जहानगढ़ वन्य जीव अभयारण्य श्योपुर जिले के 6.328 वर्ग किमी वन रकबे में विकसित किया जाएगा.

दो नए वन्य जीव अभयारण्य की सौगात

बैठक में मुख्यमंत्री यादव को बताया कि उज्जैन के नौलखी में वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर सह चिड़ियाघर प्रस्तावित है. मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के कार्य में तेजी लाने का आदेश दिया. उन्होंने कहा कि रेस्क्यू सेंटर सह चिड़ियाघर वन्य जीव पर्यटन के लिहाज से तैयार किया जाए. बैठक में बताया गया कि उज्जैन की तरह एक अन्य वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर सह चिड़ियाघर का निर्माण जबलपुर जिले में भी प्रस्तावित है.

पर्यटकों को आकर्षित करने का निर्देश

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वन्य जीवों की विविधता से भरा राज्य है. मंदसौर, नीमच, शिवपुरी समेत चंबल के जिलों में मगरमच्छ की बड़ी तादाद है. उन्होंने वन विभाग को वन्य जीव संरक्षण का निर्देश देते हुए कहा कि मगरमच्छ को खाली पड़ी नदियों में पुनर्स्थापित किया जाए. मुख्यमंत्री ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वन्य जीव संरक्षण को पर्यटन से जोड़ने की परियोजना तैयार करने पर जोर दिया.

शासकीय अस्थिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

अस्थिबाधित दिव्यांगों के लिये राऊ में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह राज्य शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय है। इसमें कक्षा पहली से आठवीं तक में प्रवेश दिया जायेगा। बताया गया कि इसके लिये आवेदन संस्कृति रॉयल सिटी रोड़ तालाब के सामने राऊ में स्थित शासकीय अस्थिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यालयीन दिवसों में उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा आवेदन किये जा सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज लगाना जरूरी है। विस्तृत जानकारी 07312578033 अथवा मोबाइल नम्बर 9424083286 पर प्राप्त की जा सकती है।

रीवा में खौफनाक दृष्य, मुंह में नवजात मासूम को दबाए घूमता दिखा कुत्ता, पुलिस कर रही जांच

रीवा शहर में एक नवजात शिशु का शव मुंह में दबाकर घूम रहे आवारा कुत्ते का वीडियो वायरल हो रहा है. इस दर्दनाक वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस एक्टिव हो गई है. पुलिस ने शव को फेंकने वालों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है. एमपी के रीवा शहर के एक व्यस्त इलाके में रात के समय का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया. वीडियो सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के जयस्तंभ चौक पर कबड्डी मोहल्ला के पास रिकॉर्ड किया गया था.

दूसरी बार सामने आई यह खौफनाक घटना

पुलिस ने बताया कि पिछले डेढ़ महीने में रीवा में नवजात शिशु को फेंके जाने की यह तीसरी घटना है. इसके साथ ही यह दूसरा मामला है, जिसमें कुत्ते को शव मुंह में दबाकर घूमते हुए देखा गया.

'बहुत ही परेशान करने वाला दृश्य'- पुलिस

पीटीआई भाषा को दिए बयान में रीवा के पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया, "दो दिन पहले (मंगलवार) एक वीडियो सामने आया, जिसमें कुत्ता एक नवजात शिशु के शव को मुंह में दबाए घूम रहा था. यह बहुत ही परेशान करने वाला दृश्य था. सूचना मिलने के बाद सिविल लाइंस थाना के पुलिसकर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया. कुत्ते को भगाने के बाद नवजात शिशु के शव को बरामद कर शवगृह में रख दिया गया." विवेक सिंह ने बताया कि पुलिस वीडियो फुटेज की जांच कर रही है और उन लोगों से पूछताछ कर रही है, जिन्होंने वीडियो रिकॉर्ड किया था.

पुलिस ने आम लोगों से किया यह आग्रह

पुलिस अधिकारी ने बताया, "हम उस व्यक्ति तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, जिसने इस तरह के शैतानी कृत्य को अंजाम दिया है. हमने पहले ही लोगों से आगे आकर मामले से जुड़ी जानकारी देने के लिए कहा है और उनके नाम गुप्त रखे जाएंगे."

सरकारी अस्पताल से भी आ चुका है ऐसा मामला

अधिकारी ने नवजात शिशुओं को फेंके जाने की दो पूर्व घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर बताया कि कुत्ते द्वारा बच्चे का शव ले जाने का पिछला मामला (सरकारी) मेडिकल कॉलेज का था, जिसमें कार्रवाई की गई है.

आयुष्मान भारत के हेल्पलाइन नम्बर की सुविधाओं का विस्तार

आयुष्मान भारत निरामयम् योजना के अंतर्गत स्थापित हेल्पलाइन नम्बर की सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इसमें अनेक सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जिनका लाभ कार्डधारी सहजता से ले सकते हैं। आयुष्मान भारत 'निरामयम्' हेल्पलाइन (1800-233-2085) पर उपलब्ध सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए इन्दौर जिले को पायलेट प्रोजेक्ट के तहत लिया गया हैं। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी मध्यप्रदेश, विलियम जे क्लिंटन फाउंडेशन (WJCF) के सहयोग से आयुष्मान भारत मिशन के विभिन्न घटकों को मजबूत करने के लिए यह सुविधा प्रारंभ की जा रही है। बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना के कार्डधारी हितग्राही द्वारा हेल्पलाइन 18002332085 पर कॉल करके अपनी स्वास्थ्य संबंधित समस्या की जानकारी टेली कॉलर को दी जा सकेगी। टेली कॉलर द्वारा हितग्राही के निकटतम स्वास्थ्य संस्था में उपलब्ध चिकित्सक से अपॉइंटमेंट लेकर हितग्राही को सूचना दी जायेगी, जिससे की हितग्राही निर्धारित समय पर सीधे चिकित्सक के पास पहुंच कर परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। हितग्राहियों का आभा आई.डी. पंजीयन कर उपचार का डिजिटल रिकार्ड संधारित करने में भी सहायता मिल सकेगी। योजना के अंतर्गत इंदौर जिले में लक्ष्य के विरुद्ध 114 प्रतिशत कार्ड बन चुके है। वर्तमान में विभिन्न बीमारियों के 2900 प्रोसिजर के अंतर्गत प्रति परिवार पाँच लाख रुपये तक का वार्षिक निःशुल्क उपचार प्रदान किया जा रहा है। योजना का विस्तार करते हुए 'आयुष्मान वयवंदना योजना' के अंतर्गत 70 एवं 70 से अधिक आयुवर्ग वाले हितग्राहियों को भी योजना का भागीदार बनाया गया है। इंदौर जिले में 18 शासकीय एवं 67 निजी अस्पताल इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत हैं। सुविधाओं के विस्तार के संबंध में जानकारी देने के लिए आज क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं इंदौर संभाग इंदौर के सभाकक्ष में उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन विलियम जे क्लिंटन फाउंडेशन के सहयोग से किया गया।

आई.एफ.एम.आई.एस अंतर्गत ई-सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की नवीन ऑनलाइन व्यवस्था के लिए प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल :जिला कोषालय, भोपाल द्वारा सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को आई.एफ. एम. आई. एस अतर्गत बुधवार को सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की व्यवस्था के स्थान पर आई.एफ.एम.आई.एस सॉफ्टवेयर पर ई-सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की नवीन ऑनलाइन व्यवस्था के लिए प्रशिक्षण जिला कोषालय परिसर स्थित लेखा प्रशिक्षण शाला के मीटिंग हॉल में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सुश्री कुलवंती खलखो और श्री अतुल सिंह के द्वारा दिया गया। आई.एफ.एम.आई.एस सॉफ्टवेयर पर ई-सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की नवीन ऑनलाइन व्यवस्था के लिए प्रशिक्षण जिला कोषालय परिसर स्थित लेखा प्रशिक्षण शाला के मीटिंग हॉल में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सुश्री कुलवंती खलखो और श्री अतुल सिंह के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में सभी आहरण संवितरण अधिकारी एवं आई.एफ. एम.आई.एस क्रियेटर उपस्थित थे। प्रशिक्षण में सभी आहरण संवितरण अधिकारी एवं आई.एफ. एम.आई.एस क्रियेटर उपस्थित थे।

विधानसभा भवन के आसपास के क्षेत्रों में 10 से 24 मार्च तक लागू रहेगी धारा 144

पुलिस आयुक्त भोपाल ने जारी किए आदेश

भोपाल : पुलिस आयुक्त,भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पंचम सत्र सोमवार, 10 मार्च 2025 से प्रारंभ होकर 24 मार्च 2025 के दौरान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए विधानसभा भवन के आसपास के क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश अनुसार किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे। इस प्रकार एकत्रित भीड़ गैर कानूनी भीड़ समझी जाएगी। कोई व्यक्ति किसी जुलूस/ प्रदर्शन का न तो निर्देशन करेगा और न उसमें भाग लेगा और न ही कोई सभा आयोजित करेगा। कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर शस्त्र, लाठी, डण्डा, भाला, पत्थर, चाकू अन्य धारदार हथियार या आग्नेय शस्त्र साथ लेकर नहीं चलेगा। सत्रावधि के दौरान विधानसभा परिसर के 5.00 किलोमीटर की परिधि में भारी वाहन जैसे ट्रक, ट्रेक्टर-ट्राली, डम्फर एवं धीमी गति से चल यातायात बाधित करने वाले तांगा, बैल-गाड़ी इत्यादि के आवागमन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। कोई व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिसके फलस्वरूप शिक्षण संस्थाओं, होटल, दुकान, उद्योग एवं निजी अथवा सार्वजनिक सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हो। यह आदेश ड्यूटी पर कार्यरत शासकीय कर्मचारियों/ अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। यह आदेश 10 मार्च 2025 से 24 मार्च, 2025 तक प्रातः काल 06:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक अथवा विधानसभा सत्र का सत्रावसान/ स्थगित होने तक, जो पहले हो, निम्नलिखित मार्ग/क्षेत्रों में प्रभावशील रहेगा। लिली टॉकीज से 07 बटालियन के सामने वाला मार्ग, एम.व्ही. एम. कॉलेज, एयरटेल तिराह से रोशनपुरा पहुंचने वाला मार्ग। बाणगंगा चौराहा से जनसंपर्क कार्यालय से लोअर लेक मार्ग से राजभवन से ओल्ड विधानसभा चौराहा की ओर जाने वाला मार्ग। जिंसी चौराहा से पुराना सी.आई.डी. रेल अधीक्षक कार्यालय से शब्बन चौराहा होते हुए पुरानी जेल की ओर जाने वाला मार्ग। स्लाटर हाउस रोड, मैदामिल से बोर्ड ऑफिस चौराहा। झरनेश्वर मंदिर चौराहे से ठण्डी सड़क, ठण्डी सड़क से 74 बंगले के सबसे ऊपर वाली सड़क से होते हुए रोशनपुरा चौराहा। पॉलिटेकनिक रोड/दूरदर्शन रोड भारत भवन रोड से माननीय मुख्यमंत्री निवास तक। नवीन विधानसभा क्षेत्र से राजभवन क्षेत्र, मुख्यमंत्री निवास क्षेत्र, रोशनपुरा चौराहा से पत्रकार भवन एवं राजभवन की ओर जाने वाले समस्त मार्ग, विधायक विश्राम गृह के सामने वाला रोड, मैदा मिल सड़क के उपर का समस्त क्षेत्र, बोर्ड ऑफिस चौराहा, 74 बंगला, ओमनगर, वल्लभ नगर का समस्त झुग्गी क्षेत्र, पत्रकार भवन, नवीन विधानसभा की ओर पहुंचने वाली सड़क, सतपुडा भवन, विन्ध्यांचल भवन, वल्लभ भवन एवं अरेरा एक्सचेंज का क्षेत्र नीलम पार्क थाना जहांगीराबाद, शाहजहाँनी पार्क थाना तलैया, अम्बेडकर पार्क थाना टीटी नगर, चिनार पार्क थाना एम०पी०नगर।

इस आदेश के प्रभावशील रहने की अवधि के दौरान कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित क्षेत्रों में आम सभा, पुतला दहन, धरना प्रदर्शन, आंदोलन, रैली नहीं करेगा। यह आदेश विवाह समारोह, बारात तथा शवयात्रा पर प्रभावशील नहीं रहेगा।

इस आदेश का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति भा० द० वि० की धारा 188 के अंतर्गत दण्ड के भागी होंगे। यह आदेश सर्वसाधारण को संबोधित है और चूंकि वर्तमान परिस्थितियों में जन-साधारण को इसकी सूचना समयाभाव के कारण देना संभव नहीं है। अतः द०प्र०स० की धारा 144 (2) के अंतर्गत एक पक्षीय आदेश पारित किया जाता है। आदेश से व्यक्ति व्यक्ति दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरकर्ता के संतुष्ट होने पर आवेदक को किसी भी लागू शर्तों से छूट दे सकेगा।

जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस पर स्वास्थ्य संस्थाओं में हुए जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल जीडीएम दिवस के अवसर पर सोमवार को जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के प्रति जागरूकता के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता एवं जीडीएम स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को जीडीएम जांच एवं गर्भावस्था में शीघ्र पंजीयन करवाने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई। मातृ एवं शिशु रोग रुग्णता के कारणों में जेस्टेशनल डायबिटीज मेलाइटिस एक गंभीर समस्या है। जिससे मां एवं शिशु के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव हो सकते हैं । जीडीएम कार्यक्रम के अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओं की जांच गर्भ काल में एएनसी चेकअप के दौरान न्यूनतम दो बार की जानी आवश्यक होती है। प्रथम जांच पंजीयन के समय एवं द्वितीय जांच 24 से 28 सप्ताह के भीतर की जाती है। जांच में गर्भवती महिला को 75 ग्राम ग्लूकोस 300 मिलीलीटर पानी में घोलकर पिलाया जाता है। घोल पीने के 2 घंटे पश्चात ग्लूकोमीटर द्वारा ब्लड शुगर की जांच की जाती है। स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित परामर्श सत्रों में बताया गया कि जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस वह अवस्था होती है जिसमें गर्भावस्था में पहली बार खून में बढ़ी हुई शुगर का पता चलता है या पहली बार गर्भावस्था में खून में शुगर बढ़ जाती है। गर्भावस्था में शारीरिक एवं हार्मोनल परिवर्तन के कारण शरीर शुगर का इस्तेमाल सामान्य रूप से नहीं कर पाता है, इसकी वजह से खून में शुगर का स्तर बढ़ जाता है । यह मां और गर्भ में शिशु के लिए हानिकारक होता है । महिला को गर्भवती होने का पता चलते ही आशा कार्यकर्ता अथवा स्वास्थ्य कर्मी से संपर्क कर अपना पंजीयन एवं जांच आवश्यक रूप से करवानी चाहिए। जीडीएम जांच की सुविधा जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों में निशुल्क उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि जीडीएम जांच में पॉजिटिव पाई गई महिलाओं के प्रबंधन के लिए जीवन शैली परिवर्तन एवं आवश्यकता अनुसार चिकित्सा की जाती है। उपचार ना लेने की स्थिति में शिशु का आकार सामान्य से बड़ा होने का खतरा होता है। इन महिलाओं को प्रीएक्लैंपशिया या प्रसव के बाद अधिक रक्तस्राव हो सकता है । शुगर का लेवल बढ़ने पर शिशु की गर्भ में मृत्यु तक हो सकती है। साथ ही शिशुओं को मोटापा डायबिटीज उच्च रक्तचाप और बाद के समय में हृदय रोग होने की संभावना बढ़ जाती है।

रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए चना उपार्जन एवं गुणवत्ता प्रशिक्षण पर बैठक आयोजित

भोपाल सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी की अध्यक्षता में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक कलेक्टर कार्यालय,भोपाल के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय एजेंसियों (NAFED एवं NCCF) के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उपार्जन प्रक्रिया और FAQ गुणवत्ता से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इसमें जिले में पदस्थ राजस्व, कृषि, खाद्य एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को उपार्जन प्रारंभ होने से पहले पूरी जानकारी दी गई ताकि उपार्जित स्कंध की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। बैठक में नेफेड के सीनियर फील्ड असिस्टेंट ने चना उपार्जन प्रक्रिया की बारीकियों और गुणवत्ता मापदंडों पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उप संचालक कृषि, जिला प्रबंधक वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन, जिला आपूर्ति अधिकारी, एसडीएम बैरसिया, तहसीलदार बैरसिया, मंडल प्रबंधक भोपाल, जिला विपणन अधिकारी, विपणन सहकारी समिति के प्रबंधक और ऑपरेटर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों को चना उपार्जन में गुणवत्ता मानकों, भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने इस अवसर पर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए सुचारू उपार्जन प्रक्रिया सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

जिले में 5 स्थानों पर मियाबाकी तकनीक से विकसित किए जाएंगे जंगल

भोपाल कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आगामी समय में वृक्षारोपण के लिए स्थानों का चिन्हांकन कें संबंध में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों के लिए वृक्षारोपण के टारगेट के अनुरूप स्थानों का चिन्हांकन एवं तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। भोपाल जिले में ग्राम पंचायत फंदा एंव जनपद पंचायत बैरसिया में लगभग 121 स्थानों पर लगभग 50 हजार से अधिक एवं नगर निगम भोपाल द्वारा 7 से 8 स्थानों पर लगभग डेढ़ लाख से अधिक पौधारोपण किया जाएगा जिसके अंतर्गत ग्राम कजलीखेड़ा, आदमपुर छावनी लैंड फिल साइट, जंबूरी मैदान, बीएचएचईएल प्लांटेशन साइट की गैप फिलिंग, कलियासोत नदी के किनारे दोनो तरफ, कैरिया कॉलेज के पीछे, सूरज नगर, बड़ा तालाब, छोटा तालाब के समीप, एयरपोर्ट क्षेत्र में, पक्षी विहार काली बाड़ी, बरखेड़ा पठानी, भानपुर नाले से लगकर, छोटा तालाब डांडी पार्क, प्रियदर्शिनी पार्क, लहारपुर डेम के पास, चिरायु के सामने भैसाखेड़ी एवं पुलिस ट्रेनिंग अकेडमी भौंरी कान्हा सैंया में वृक्षारोपण किया जाएगा। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से भोपाल जिले में मियाबाकी तकनीकी से जंगल विकसित किए जाएंगे। बैठक में राम आस्था मिशन फाउंडेशन के द्वारा भोपाल जिले के 5 स्थानों पर मियाबाकी तकनीक से घने जंगल विकसित करने के लिए भोपाल एयरपोर्ट

क्षेत्र कलिया सोत, केरवा डेम, बैरसिया की ग्राम पंचायत बरीखेड़ा एवं सूखी सेवनिया की गौशालाओं के स्थान का चिन्हांकन किया गया है। श्री आस्था फाउंडेशन के द्वारा मियाबाकी तकनीकी के इंडियन वर्जन के अंतर्गत शहर के गीले कचरे, तालाब से निकलने वाली जल कुंभी, मंदिरों से निकलने वाले फल-फूलों के वेस्ट, गौशालाओं के जैविक खाद मृत पशुओं के शरीर का उपयोग कर जंगल विकसित किए जाएंगे। इस अवसर पर श्री राम आस्था फाउंडेशन श्री तन्मय जैन, सेवानिवृत्त आईएफएस श्री रामेश प्रसाद सिंह, रिटा. कर्नल हेमंत कक्कड़, डॉ. श्रद्धा अग्रवाल द्वारा मियाबाकी तकनीक से विकसित किए जाने वाले जंगल की विस्तृत जानकारी का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। बैठक में एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, श्री भूपेंद्र गोयल, श्री अंकुर मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सेना में भर्ती के लिए आनलाईन पंजीकरण की प्रकिया प्रारंभ

भोपाल सेना भर्ती कार्यालय भोपाल द्वारा बताया गया कि भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, हरदा, राजगढ़, रायसेन, सीहोर, विदिशा, गुना, अशोकनगर, पन्ना, दमोह, नरसिंहपुर और पांढुर्णा के उम्मीदवारों को सूचित किया है कि सेना में भर्ती के लिए आनलाईन पंजीकरण की प्रकिया 12 मार्च से शुरू हो गई है जो 10 अप्रैल 2025 तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि आवेदन अग्निवीर (पुरुष) की जनरल तकनीकी, क्लर्क एवं अग्निवीर ट्रेड्समैन 8वीं पास, ट्रेड्समैन, 10वीं पास, अग्निवीर महिला (सेना पुलिस), नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट, सिपाही फार्मा, हवलदार एजुकेसन, धर्मगुरू, केटरिंग जेसीओ, हवलदार सर्वेयर आटोमेटेड कार्टोग्राफर के पदों के लिए जारी किया गया है। आनलाईन परीक्षा जून के महीने में होने कि संभावना है।सेना भर्ती कार्यालय ने बताया गया कि किसी भी स्पष्टीकरण / सहायता के मामले में उम्मीदवार सेना भर्ती कार्यालय, नारियल खेड़ा, भोपाल मे उपस्थित होकर या दूरभाष क्रमांक-0755- 2540954, 9039018588 पर संपर्क कर सकते है। उम्मीदवारों को सूचित किया गया कि पंजीकरण के दौरान जो ई-मेल आईडी एंव मोबाइल नम्बर का विवरण दिया है उसे अपने पास एक साल तक सुरक्षित रखे जिससे भर्ती संबधित सूचना आसानी से मिल सके।

दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य यात्रा आयोजित, सार्वजनिक स्थानों की पहुँच सुविधाओं का अवलोकन

भोपाल : भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, नई दिल्ली एवं आयुक्त निःशक्तजन, मध्यप्रदेश के निर्देशन में दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य यात्रा का आयोजन किया गया।

इस यात्रा के अंतर्गत भोपाल जिले के 50 दिव्यांग बच्चों को सार्वजनिक उपयोग के भवनों में सुगम्य एवं बाधारहित आवागमन का अवलोकन कराया गया। साथ ही उपस्थित आमजन को सुगम्य वातावरण की आवश्यकता के प्रति संवाद कर जागरूक किया गया। यात्रा के दौरान, गूगल स्टोर एवं एप्पल स्टोर पर उपलब्ध "Yes to Access" एप के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों की वास्तविक पहुँच सुविधाओं की तस्वीरें अपलोड करने की प्रक्रिया को भी समझाया गया। यह सुगम्य यात्रा 07 मार्च 2025 को आयोजित की गई। यात्रा की शुरुआत आई.एस.व्ही.टी. नगर पालिक निगम, भोपाल से प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। इस दौरान, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, अरेरा हिल्स, भोपाल में बैंक मैनेजर श्री कुलकर्णी एवं उनके सहयोगियों द्वारा दिव्यांगजनों को बैंकिंग सेवाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। इसमें आहरण-वितरण, नोटों की पहचान एवं लेन-देन से जुड़ी सुविधाएँ शामिल थीं।

इसके पश्चात, नगर निगम में श्री हरसित तिवारी एवं उनके सहायकों ने दिव्यांगजनों को नगर निगम की गतिविधियों एवं पेंशन सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। नगर पालिक निगम, आई.एस.व्ही.टी. से सहायक सचिव सुश्री अंकिता धाकडे द्वारा झंडी दिखाकर सुगम्य यात्रा को आगे बढ़ाया गया। यात्रा के अगले पड़ाव में, डी.बी. मॉल में श्री तरूण द्वारा दिव्यांगजनों को मॉल की विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गई और स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। इसके पश्चात, यात्रा स्टेट म्यूजियम पहुँची, जहाँ जनजातीय संग्रहालय के गाइड श्री मेहरा द्वारा आदिवासी समुदायों के रहन-सहन एवं सातों जनजातियों की जीवनशैली की जानकारी दी गई।

दिल की गंभीर बीमारी के इलाज के लिए पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से मरीज शिफ्ट हुआ भोपाल से दिल्ली

आपातकाल में नागरिकों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' से कई जिंदगियों को बचाया जा रहा है। इसी कड़ी में रीवा निवासी-66 वर्षीय रोगी को दिल की गंभीर बीमारी के उपचार के लिए भोपाल से दिल्ली एयरलिफ्ट कर भर्ती करवाया गया। मरीज के आयुष्मान कार्ड धारक होने के कारण यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। मरीज को 9 मार्च को सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत पर भोपाल के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया

था। जांच में महिला में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम पाया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी द्वारा जिला प्रशासन और संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क कर एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था कराई गई। साथ ही दिल्ली के चिकित्सकों से समन्वय कर मरीज को शिफ्ट कराया गया। जहां उनका आगे का इलाज चल रहा है। पूरी प्रक्रिया सीएमएचओ भोपाल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े एवं चिकित्सकों की देखरेख में की गई। मरीज के भोपाल स्थित अस्पताल से डिस्चार्ज से लेकर मरीज के एयर लिफ्ट होने तक पूरे समय स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

अध्यात्मिक नगरी बसने से एतिहासिक होगा सिंहस्थ महापर्व 2028, साधु-संतों ने देखी कार्य योजना

उज्जैन, सिंहस्थ मेला कार्यालय में 13 अखाड़ों कि परिषद के आग्रह पर साधु संतों ने सिंहस्थ 2028 की कार्ययोजना का प्रजेंटेशन का अवलोकन किया, स्थाई निर्माण व चौड़ी सड़के बनने से मेले में आम श्रृद्धालुओं व साधु संतों को होगी सुगमता, और अस्थायी निर्माण पर होने वाला करोड़ों का खर्च बचेगा। उज्जैन ,आगामी उज्जैन महापर्व 2028 के लिए हरिद्वार की तर्ज पर स्थाई निर्माण चौड़ी सड़के एवं सौन्दर्गीकरण होने से यह महापर्व और ऐतिहासिक स्वरूप धारण करेगा। साधु संतों की मांग पर ही मप्र शासन द्वारा उज्जैन विकास प्राधिकरण ने संपूर्ण मेला क्षेत्र के लिए आध्यात्मिक नगरी बसाने की वृहद कार्य योजना बनाई जा रही है। आज मंगलवार को समस्त 13 अखाड़ों के साधु संतों ने सिंहस्थ मेला कार्यालय में प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्य योजना का अवलोकन किया। योजना का प्रारूप समझने के बाद स्थानीय अखाडा परिषद अध्यक्ष डॉ रामेश्वर दास व महामंत्री रामेश्वर गिरी महाराज एवं अन्य संतों ने यही पाया कि स्थाई प्रकृति के निर्माण हो जाने से मेला क्षेत्र में आवागमन की सुगमता, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन, स्थाई मल जल निकासी सहित अन्य सुविधाओं को विस्तार होगा एवं स्थानीय रहवासियों को भी कई तरह के लाभ होंगें। विदित हो कि सिंहस्थ क्षेत्र में प्रस्तावित इस योजना को लेकर गत दिनों अखाडा परिषद के साधु-संतों द्वारा भोपाल जाकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार जताकर साधुवाद दिया गया था। प्रयागराज महाकुंभ 2025 में सनातनी धर्माबलम्बीयों की बड़ी संख्या में स्नान पर्व पर आगमन को देखते हुए, उज्जैन सिंहस्थ 2028 की कार्य योजना अधिक विस्तृत एवं सुरक्षित हो, जिससे अखाड़े के साधु संत और आम जनता की सुरक्षा प्राथमिकता में होनी चाहिए, जो कि प्रस्तावित योजना में निहित है। आगामी सिंहस्थ 2028 में उज्जैन में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पंहुचने का अनुमान है। इसके लिए व्यवस्था बनाना जरूरी है। हमने प्रशासन को आग्रह किया है कि चौड़े रोड़, पार्किंग, स्नान की व्यवस्था, पण्डालों की विशेष व्यवस्था, पीने का पानी, शौचालय, कचरा प्रबंधन एवं सुगम यातायात के लिए कार्य योजना बनाए। सिंहस्थ 2028 में स्थाई प्रकृति के निर्माण कार्यों को करने के लिए जरूरी है कि इनका निर्माण कार्य वर्तमान समय से ही शुरू कराया जाएं, जिससे दिसम्बर 2027 में सभी कार्य पूर्ण हो सके। साथ ही जिन कृषकों की कृषि भूमि योजना में सम्मिलित की जायेगी उन्हे उचित मुआवजा दिलवाया जाए। उल्लेखनीय है कि नासिक महा महाकुंभ मेले के बाद सभी अखाड़े अपने-अपने देवताओं के साथ उज्जैन की ओर कुच कर जायेंगे।

एम्बुलेंस में डोडाचूरा की तस्करी,कजांर्डा पुलिस को मिली सफलता दो तस्कर गिफ्तार, 291 किलो डोडाचूरा बरामद

नीमच। बीते एक मार्च को कजार्डा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि पुरानी चौकी के सामने मनासा रोड पर टेवरा एम्बुलेंस क्रमांक- आरजे 01 पीए 4534 से डोडाचूरा की तस्करी जा रही है। एम्बुलेंस की आड़ में डोडाचूरा भरकर ले जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए चौकी प्रभारी नीलेश सोलंकी ने वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त कर एम्बुलेंस को रोका और उसमें 291 किलो 180 ग्राम डोडाचूरा बरामद कर लिया। मौके से आरोपी बबलू उर्फ अजय पिता घनश्याम खटिक निवासी केकडी राजस्थान और कल्याण पिता किशन गुर्जर निवासी सारणा जिला अजमेर राजस्थान को गिफ्तार किया है।

पकड़ा गया डोडाचूरा 14 लाख का

एम्बुलेंस की आड़ में दो क्विंटल 91 किलो 180 ग्राम डोडाचूरा 11 प्लास्टिक कट्टों में भरकर राजस्थान ले जा रहा था, जिसकी कीमत करीब 14 लाख रुपए थी। पुलिस टीम ने डोडाचूरा बरामद कर 6 लाख रुपए की टवेरा एम्बुलेंस को भी जब्त किया है।

प्रदेश की 7 स्मार्ट सिटी में सुशासन के लिये कंट्रोल सेंटर और ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम

भोपाल । प्रदेश में 7 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर एवं सतना का चयन स्मार्ट सिटी के रूप में किया गया है। चिन्हित शहरों में सुशासन और नागरिक सेवाओं को सशक्त बनाने के लिये आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन चयनित शहरों में इंटीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और इंटेलिजेंट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) को लागू किया गया है। नगरीय सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिये अब एआई तकनीक का भी उपयोग किया जायेगा। आईसीसीसी तकनीक से स्मार्ट सिटीज शहरों में नागरिक सेवाओं के क्रियान्वयन पर सतत् निगरानी का कार्य किया जा रहा है। नागरिक सेवाओं में डेटा संचालन और निर्णय लेने में भी यह बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे है। आईसीसीसी और आईटीएमएस प्रणाली के संचालन के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा एजेंसी का चयन किया गया है। इन दोनों प्रणालियों में रियलटाइम में डेटा एकत्र कर त्वरित कार्यवाही करने की क्षमता है। इन प्रणालियों के जरिये स्मार्ट सिटी में जल आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन, स्ट्रीट लाइटिंग और सार्वजनिक सुरक्षा जैसी शहर की सेवाओं की लगातार निगरानी की जाना संभव हुआ है। नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन केन्द्र सरकार ने नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन (एनडीयूएम) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को शामिल करने का निर्णय लिया है। एआई तकनीक से नागरिक सेवाओं को को और बेहतर किया जा सकेगा। आईसीसीसी तकनीक स्मार्ट सिटी में अपशिष्ट संग्रह वाहनों की वास्तविक समय की ट्रेकिंग को सक्षम बना रहा है, जिससे समय पर कचरा निपटान और सफाई सुनिश्चित हो रही है। भविष्य में इन केन्द्रों को स्वचलित अलर्ट स्वच्छता संबंधी मुद्दों को तुरंत निराकृत करने में सक्षम किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्मार्ट सिटी में जल वितरण और रिसाव का पता लगाने वाली प्रणालियों को कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी में रखा जा सकेगा। इससे पानी के अपव्यय को काफी हद तक कम करने और शहर में पानी की समान रूप से आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। इसी के साथ आईसीसीसी के माध्यम से स्मार्टग्रिड और स्ट्रीटलाइट ऑटोमेशन ऊर्जा की खपत को कम करने और विद्युत वितरण व्यवस्था को और दक्ष बनाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। कुशल यातायात और परिवहन प्रबंधन वर्तमान में 7 स्मार्टसिटीज में आईसीसीसी के साथ एकीकृत निगरानी प्रणाली अपराध की रोकथाम और यातायात प्रबंधन में मदद कर रही है। कोविड-19 के दौरान समस्त स्मार्ट सिटी के कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर ने स्टेट वार रूम के रूप में सेवा देकर सराहनीय कार्य किया है। प्रदेश की 7 स्मार्ट सिटी में आईटीएमएस द्वारा भीड़-भाड़ को कम करने, दुर्घटनाओं को कम करने और शहरी गतिशीलता को बेहतर बनाने के लिये लगातार काम किये जा रहे हैं। इस प्रणाली के माध्यम से ट्रैफिक सिग्नल और रियल टाइम ट्रैफिक का विश्लेषण भी किया जा रहा है। सातों स्मार्टसिटीज में 303 स्थानों पर 2301 कैमरे लगाये गये हैं। पिछले 3 वर्षों में इस प्रणाली के माध्यम से करीब 27 लाख 25 हजार ई-चालान की कार्रवाईयां की गई हैं। स्मार्ट सिटी शहरों में नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिये विभिन्न तकनीकों का एकीकरण किये जाने के भी लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

कुकडेश्वर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

खेत में अवैध रुप से उगाये हुये अफीम के पौधे मय डोडे, गांजें के पौधे कुल 424.5 कि.ग्रा. वजनी एवं 1 किलो 600 ग्राम अवैध अफीम जप्त, 01 आरोपी गिरफ्तार

कुकडेश्वर माननीय मुख्यमंत्री महोदय मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक महोदय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्व सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री नवलसिंह सिसोदिया एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा श्री विमलेश उइके के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कुकडेंश्वर निरीक्षक सौरभ शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुध्द प्रभावी कार्यवाही करते हुये ग्राम शिवपुरिया के जंगल में एक किसान द्वारा उसके रायडे की फसल के बीच में अवैध रुप से बोयी हुई अफीम एवं गांजा की फसल कुल गिला एवं सुखा गांजा के पौधे 144 किलो ग्राम एवं सुखे एवं गिले अफीम डोडा 280.5 किलोग्राम तथा 1 किलो 600 ग्राम अवैध अफीम जप्त की जाकर 01 आरोपी रोडीलाल पिता सोजी बंजारा उम्र 50 साल निवासी शिवपुरिया चक्की वाला थाना कुकडेश्वर को गिरफ्तार कर पुलिस थाना कुकडेंश्वर पर धारा 8/15, 8/18, 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण - घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना प्रभारी निरीक्षक श्री सौरभ शर्मा के नेतृत्व में उनि मोहनसिंह चौहान कि सूचना पर पुलिस टीम कुकडेश्वर द्वारा दिनांक 02.03.2025 को मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए गावं शिवपुरिया चक्कीवाला के मार (जंगल) में मुखबीर द्वारा बताये स्थान पर एक किसान से 01 किलो 600 ग्राम अफीम व उसके खेत मे रायडे कि फसल के बिच मे उगा रखी अफीम व गांजे कि फसल को पंचानो के समक्ष पौधो के पास जाकर देखते रायडे के खेत के बीच में ऊगे हरे गांजा व अफीम के पोधे एवं डोडा गिला एवं सुखा गांजा के पोधे 144 किलो ग्राम एवं सुखे एवं गिले अफीम डोडा 280.5 किलोग्राम के जप्त किये गये तथा आरोपी के कब्जे से 1 किलो 600 ग्राम अफीम जप्त कि गयी, लाखो रुपयो का माल मौके से जप्त किये गया। आरोपी रोडीलाल पिता सोजी निवासी शिवपुरिया चक्की वाला थाना कुकडेश्वर का कृत्य धारा 8/15, 8/18, 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत आने से आरोपी के विरुध्द अपराध पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

सराहनीय कार्य - उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुकडेश्वर निरीक्षक सौरभ शर्मा , पुलिस टीम कुकडेश्वर एवं जंगल कि सर्चिंग हेतु अतिरिक्त बल थाना मनासा, थाना रामपुरा का सहयोग लिया गया समस्त टीम कि सराहनीय भूमिका रही।

क्रमांक	मादक पदार्थ का नाम	मादक पदार्थ की मात्रा
01	अफीम मय स्टील के टिपीन	1 किलो 600 ग्राम
02	गीले डोडे टुटे हुए	55 किलो 500 ग्राम
03	अफीम के गीले पोधे मय डोडे	228 किलो 200 ग्राम
04	गांजे के गीले पोधे तने सहित	127 किलो 800 ग्राम
05	गांजा नमी युक्त	16 किलो 200 ग्राम

पिपलियामंडी पुलिस ने काम्बिंग गश्त के दौरान 10000/- रुपये के दो ईनामी बदमाशों को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार ईनामी सजायाफ्ता वारंटीयों के कब्जे से अवैध धारदार तलवार भी जप्त की गयी

मंदसौर। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय मंदसौर श्री अभिषेक आनन्द द्वारा काम्बिंग गश्त के दौरान सभी थानों को अधिक से अधिक वारंट तामिलि कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री गौतम सौलंकी व अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ़ श्री नरेन्द्र सौलंकी के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी निरी. विक्रम सिंह इवने के कुशल नेतृत्व में पिपलियामंडी पुलिस टीम द्वारा काम्बिंग गश्त के दौरान प्राप्त मुखबीर सुचना पर कार्यवाही करते हुये ग्राम बोतलगंज में माननीय सत्र न्यायाधीश महोदय सत्र न्यायालय शाहपुर जिला बुरहानपुर के प्रकरण क्रमांक 15/2018 थाना शाहपुर के अप. क्रमांक 79/18 में 10000/- रुपये के ईनामी सजायाफ्ता गिरफ्तारी वारंटीयों मोहसीन पिता जाकीर धारी उम्र 20 साल एवं मुख्तियार पिता शब्बीर उम्र 28 साल निवासीयान बोतलगंज थाना पिपलियामंडी जिला मंदसौर को अवैध धारदार तलवार के साथ गिरफ्तार किया गया व थाना पिपलियामंडी पर आरोपीयों के विरुध्द अप. क्रमांक 62/25 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबध्द किया जाकर आरोपीयों को माननीय न्यायालय पेश किया गया, जो माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीयो को जेल भेजने के आदेश जारी किये गये।

गिरफ्तार सजायाफ्ता ईनामी वारण्टी-

1.मोहसीन पिता जाकीर धारी उम्र 20 साल निवासी बोतलगंज थाना पिपलियामंडी जिला मंदसौर
2.मुख्तियार पिता शब्बीर उम्र 28 साल निवासीयान बोतलगंज थाना पिपलियामंडी जिला मंदसौर

पुलिस टीमः- उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विक्रम सिंह इवने, उनि. सत्येन्द्र सैनी, सउनि शिवदत्त यादव, प्रआर. रामनारायण नागदा, प्रआर. हरदेश वर्मा, आर शैलेन्द्र सिंह, आर. पवन पाटीदार, आर. जुगल किशोर, आर. लोकेन्द्र सिंह, आर. अविनाश जैन, आर(चा.) धनपाल सिंह की सराहनिय भूमिका रही ।

विक्रम सीमेंट फैक्ट्री-खनन कर बंद कर दिये आम रास्ते

बिना एनओसी खुदाई, लाखों का टैक्स बकाया, जनता हो रही परेशान

जावद। खोर स्थित विक्रम सीमेंट फैक्ट्री द्वारा नगर पंचायत नयागांव क्षेत्र की करीब 700 बीघा भूमि पर बिना एनओसी के अवैध रूप से चूना पत्थर का उत्खनन किया जा रहा है। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा खुदाई के दौरान ग्रामीणों के खेतों पर जाने वाले आम रास्ते भी बंद कर दिए गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद नयागांव द्वारा कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद फैक्ट्री द्वारा न तो टैक्स का भुगतान किया गया है और न ही अवैध उत्खनन पर रोक लगाई गई है।

बिना एनओसी के हो रही खुदाई, लाखों का राजस्व नुकसान

नगर परिषद नयागांव के सीएमओ अमरदास सेनानी ने बताया कि विक्रम सीमेंट फैक्ट्री द्वारा खनन से पहले अनिवार्य एनओसी नहीं ली गई है, जो नियमों के विरुद्ध है। इसके चलते शासन को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। विक्रम सीमेंट पर नगर पंचायत का लगभग अभी तक का 63 लाख रूपये का टैक्स बकाया है, जिसकी वसूली के लिए कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसको लेकर नगर परिषद से विक्रम सीमेंट के प्रबंधक को पत्र लिखा है

इनका कहना है...

"नगर परिषद क्षेत्र में बिना एनओसी के उत्खनन किया जाना अवैध है। हमने फैक्ट्री को कई बार नोटिस जारी किए हैं, लेकिन टैक्स जमा नहीं किया गया है। पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराई गई है।"

***अमरदास सेनानी**, सीएमओ नगर परिषद नयागांव*

"विक्रम सीमेंट ने आम रास्ते को बंद कर दिया है। हमारी मांग है कि रास्ता तत्काल खुलवाया जाए और टैक्स जमा करने के बाद ही खनन कार्य शुरू किया जाए। अन्यथा बड़ा आंदोलन क्षेत्रवासी करेंगे।"

***मुकेश जाट,** नगर परिषद अध्यक्ष, नयागांव*

"मौका निरीक्षण कर खनिज विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। अवैध रूप से बंद किए गए रास्ते को खुलवाया जाएगा।"

***प्रीति संघवी नाहर,** एसडीएम जावद*

ग्रामीणों के रास्ते बंद, विरोध पर भी नहीं हो रही सुनवाई

नगर परिषद ने अपनी शिकायत में उल्लेख किया है कि सर्वे नंबर 1142 में विक्रम सीमेंट द्वारा अवैध खुदाई की जा रही है, जिससे नयागांव-बोरखेड़ी मार्ग बंद हो गया है। विक्रम सीमेंट के एमल 5 माइनिंग लीज के तहत पिट नंबर 5 में खनन कार्य जारी है। इसी क्षेत्र से होकर ग्राम बोरखेड़ी का एक प्रमुख आम रास्ता गुजरता है, जो माइनिंग लीज के बाहर स्थित है। कंपनी द्वारा खनन कार्य के दौरान उक्त रास्ते को खुर्द-बुर्द कर दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग ग्रामीणों के खेतों तक पहुंचने के लिए उपयोग किया जाता है और यह शासकीय रास्ता है। इसको लेकर ग्रामीणों ने पहले भी इसका विरोध किया था, लेकिन फैक्ट्री प्रबंधन के प्रभाव के चलते उनकी सुनवाई नहीं हुई। कागजी खानापूर्ति कर रहा फैक्ट्री प्रबंधन विक्रम सीमेंट फैक्ट्री द्वारा अवैध खुदाई को छिपाने के लिए कागजी खानापूर्ति की जा रही है। फैक्ट्री प्रबंधन ने पुलिस चौकी में कई आवेदन देकर अज्ञात लोगों द्वारा उत्खनन करने की शिकायत दर्ज कराई है, जबकि खुद ही बड़े पैमाने पर अवैध खुदाई कर रहा है। इसको लेकर विक्रम सीमेंट के एचआर हेड भूपेन्द्रसिंह से संपर्क किया तो उन्होने मीटिंग मे हूँ, यह कहकर फोन काट दिया।

नगर पंचायत की मांग- रास्ता खोले, टैक्स चुकाए और एनओसी ले

नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश जाट ने कहा कि जब तक फैक्ट्री प्रबंधन टैक्स जमा नहीं कर देता और एनओसी प्राप्त नहीं करता, तब तक खनन कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही आम रास्ता फिर से बहाल किया जाए।

प्रशासन करेगा मौका निरीक्षण

एसडीएम प्रीति संघवी नाहर ने कहा कि जल्द ही मौके का निरीक्षण किया जाएगा और खनिज विभाग को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही बंद किए गए रास्ते को खुलवाया जाएगा।

जनता में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि विक्रम सीमेंट फैक्ट्री पर अविलंब अर्थदंड लगाया जाए और अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए।

जावद से भोपाल के बीच बनेगी 313 किलोमीटर लंबी नई सड़क

जावद से भोपाल के लिए सीधे नई सड़क बनने जा रही है। 313 किलोमीटर लंबी इस सड़क से महज चार घंटे में भोपाल पहुंच सकेंगे। इस सड़क के निर्माण के लिए जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा प्रयासरत है। उन्होंने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

जावद से भोपाल तक एक नई सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। इस संबंध में मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने शनिवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात में जावद से भोपाल नई सड़क बनाने संबंधी चर्चा की गई। 313 किलोमीटर लंबी इस सड़क के बनने से जावद और भोपाल के बीच नई कनेक्विटी जुड़ जाएगी और प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रो का फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने विधायक सखलेचा के इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। विधायक ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव और गृह मंत्री अमित शाह को भी प्रस्ताव भेजा है।

नयागांव से शुरू होगी- भोपाल पहुंचेगी

नयागांव से शुरू होकर यह नई सड़क यह जावी, झारड़ा, नाहरगढ़, कल्याणपुरा, तितरोद, आगर, सारंगपुर और श्यामपुर होते हुए भोपाल तक जाएगी। इस मार्ग की कुल लंबाई 313 किलोमीटर होगी। वर्तमान में नीमच-मंदसौर-जावरा-उज्जैन-देवास-भोपाल मार्ग की दूरी 430 किलोमीटर है।

महज चार घंटे में पहुंचेंगे भोपाल

जावद से भोपाल तक नई सड़क जहां दूरी कम होगी और वही समय की भी बच होगी। वर्तमान उज्जैन-देवास रोड से 7 घंटे में भोपाल पहुंच जाते हैं। इस सड़क के बनने के बाद महज चार घंटे में भोपाल पहुंच जाएंगे।

कई धर्मस्थल से सीधे जुड़ाव

विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने बताया कि सरकार बजट को देखते हुए 313 किलोमीटर के इस मार्ग को मंजूरी दे सकती है। इस नई सड़क से क्षेत्र के धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मां बगलामुखी, पशुपतिनाथ, भादवा माता, सुखानंद धाम, मोहनखेड़ा तीर्थ, नागेश्वर तीर्थ और सांवरिया सेठ जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी।

आगरा-मुंबई सड़क से भी जुडेगा

यह मार्ग पांच अंतरराज्यीय मार्गों से जुड़ेगा और आगरा-मुंबई सड़क से भी कनेक्ट होगा। इससे उज्जैन सिंहस्थ के दौरान राजस्थान से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारी यातायात से राहत मिलेगी।

आगरा-मुंबई सड़क से भी होगा कनेक्ट

यह मार्ग पांच अंतरराज्यीय मार्गों से जुड़ेगा और आगरा-मुंबई सड़क से भी कनेक्ट होगा। इससे उज्जैन सिंहस्थ के दौरान राजस्थान से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारी यातायात से राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने विधायक सखलेचा के इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। विधायक ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव और गृह मंत्री अमित शाह को भी प्रस्ताव भेजा है।

कान खोलकर सुन ले टीआई, कितने दिन रहेगी वर्दी', छिंदवाड़ा पुलिस को कमलनाथ का चैलेंज

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ शनिवार को छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा के हरई पहुंचे. जहां उन्होंने मंच से छिंदवाड़ा जिले के थाना प्रभारी को इतनी खरी-खोटी सुनाई कि उसकी चर्चा अब सोशल मीडिया की सुर्खियां बन गई है. आखिर क्यों कमलनाथ को मंच से टीआई को संविधान की याद दिलानी पड़ी और उन्होंने वर्दी की इज्जत करने की नसीहत तक दे डाली. जानिए

TI से कहा- वर्दी की इज्जत करते हुए करो काम

कमलनाथ छिंदवाड़ा के हरई में जनसभा को संबोधित कर रहे थे. इसी दौरान उन्होंने मंच से कहा कि, ''जब मैं आया तो यहां के कार्यकर्ता और लोगों ने बताया कि पुलिस कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को बेवजह परेशान कर रही है.'' उन्होंने कहा कि, ''पुलिस को अपनी वर्दी की इज्जत करनी चाहिए. टीआई कहां है, सुना है कि वह बेवजह परेशान करता है. टीआई कान खोलकर सुन लो, मैं चुनौती देता हूं कि अगर वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आए तो उनको बता दूं कि हमारा भी समय आएगा और वह अपनी वर्दी संभालकर रखें।

बीजेपी का बिल्ला लगाकर काम कर रहे अधिकारी-कर्मचारी

कमलनाथ ने कहा कि, ''अधिकारी और कर्मचारी जनता के कामों के लिए नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन छिंदवाड़ा सहित पूरे मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार का यह आलम है कि कर्मचारी और अधिकारी अब बीजेपी का बिल्ला लगाकर काम कर रहे हैं. अधिकारी कर्मचारी निष्पक्षता से नहीं बल्कि पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं. लेकिन उन्हें भी सोचना चाहिए कि संविधान में सरकारें आती हैं और जाती हैं।

कमलनाथ की चक्की धीमी चलती है लेकिन बारीक पीसती है

कमलनाथ ने मंच से कहा कि, ''बेवजह अगर कांग्रेस के कार्यकर्ता और जनता को परेशान किया गया तो वह किसी भी अधिकारी को नहीं छोड़ेंगे उन्होंने अपने पुराने अंदाज में फिर कहा कि, ''समय सबका आता है हमारा भी आएगा.

किसानों को अब पांच रुपये में मिलेगा बिजली का स्थाई कनेक्शन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

तीन साल में किसानों को 30 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे
किसानों द्वारा सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली नगद खरीदी जाएगी

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को अब 5 रुपये में बिजली का स्थाई कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। मध्य क्षेत्र को यह व्यवस्था तत्काल आरंभ करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चरणबद्ध रूप से पूरे प्रदेश में किसानों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह किसानों की सरकार है। उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए हर संभव कार्य किए जाएंगे। राज्य सरकार सोलर पंप के माध्यम से किसानों को बिजली उत्पादन में भी आत्म-निर्भर बनाएगी। अगले तीन वर्ष में किसानों को 30 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराकर, किसानों को बिजली बिल से मुक्ति दिलाएगी। प्रतिवर्ष 10-10 लाख कनेक्शन दिए जाएंगे। किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही किसानों द्वारा सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली खरीद कर उन्हें नगद भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान आभार सम्मेलन में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे किसानों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के प्रत्येक अंचल से आए किसानों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कृषकों ने साफा, गज माला, शॉल-श्रीफल और प्रतीक-चिन्ह के रूप में बैलगाड़ी एवं हल की प्रतिकृति भेंट कर अभिनंदन किया। कृषकों की ओर से होशंगाबाद सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने समस्त अतिथिगण को स्मृति चिन्ह के रूप में राम दरबार भेंट किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार सदैव किसानों के साथ है और उनके हित में निरंतर कार्य कर रही है। हम 2 हजार 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीद रहे हैं, इसमें 175 रुपये बोनस राशि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2003-04 में प्रदेश में गेहूँ खरीदी का सरकारी दाम मात्र 447 रुपए था जो राज्य सरकार ने बढ़ा कर 2 हजार 600 प्रति क्विंटल किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार वर्ष 2024 के लिये धान उपार्जन पर 4 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सोलर पंप के माध्यम से किसानों को स्थाई कनेक्शन भी दिए जाएंगे। हाल ही में अस्थाई कनेक्शन वाले डेढ़ लाख किसानों को स्थाई कनेक्शन दिलवाए गए हैं और इसकी राशि भी कम की गई है। तीन हॉर्स पॉवर वालों को सोलर पंप की 5% राशि, 5 से 7.50 हॉर्स पॉवर के लिए 10% राशि देना होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार का किसानों के प्रति प्रेम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर गरीब, जरूरतमंद के लिए मुफ्त अनाज की व्यवस्था की है। दो लाख करोड़ रुपए के व्यय से 100 करोड़ से अधिक लोगों को वर्ष 2028 तक अन्न देने की व्यवस्था की गई है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रत्येक गरीब का जीवन बेहतर बनाने के भाव का प्रकटीकरण और राम राज्य की अवधारणा को साकार करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री मोदी किसानों को उनका हक दिला रहे हैं। यह हमारी सरकार की उदात्त भावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषकों से फसल चक्र में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धान के बदले में मूंगफली और प्राकृतिक फसलों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जैविक खेती से मध्यप्रदेश अपनी अलग पहचान स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जीआईएस भोपाल में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश में उत्पादित कपास से क्रांति आने वाली है। किसान परिवार के व्यक्ति को रोजगार देने वाली टेक्सटाइल मिलों को 5 हजार रुपये का बोनस दिया जाएगा। कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं। गेहूँ और धान पर दिए जा रहे प्रोत्साहन के समान ही दुग्ध उत्पादन पर भी प्रोत्साहन स्वरूप बोनस प्रदान किया जाएगा। दस से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान दिया जाएगा। गांव-गांव में गोपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। गौ-शाला चलाने वालों को प्रति गाय 20 रुपये के स्थान पर 40 रुपये का अनुदान देकर गौ-शालाओं को सक्षम बनाया जाएगा। गौ-माता परमात्मा की हम पर असीम कृपा है। गौ-माता प्रकृति और परमात्मा के बीच संबंध का सूत्र है। बेसहारा, अशक्त और वृद्ध गौ-माताओं के आश्रय के लिए भोपाल सहित सभी बड़ी नगर निगमों में 10 हजार क्षमता की गौ-शालाएं बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में उन्नत कृषि यंत्र, उन्नत बीज और कृषि व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला स्तर पर कृषि मेले लगाए जाएंगे। वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार वैश्विक स्तर पर उपलब्ध श्रेष्ठतम बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रदेश में सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत एक लाख करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना और 70 हजार करोड़ से चंबल-काली सिंध-पार्वती लिंक परियोजना का क्रियान्वयन जारी है। इसी के साथ ही महाराष्ट्र के सहयोग से ताप्ती नदी पर तीसरी नदी जोड़ो परियोजना आरंभ होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सर्वाधिक महत्व कृषकों को दिया है। कृषक अन्नदाता ही नहीं, अपितु जीवन दाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ग्रामीण भारत के विकास को गति प्रदान की। महात्मा गांधी कहते थे कि भारत को समझना है तो गांव को समझना होगा। भारत में विकास को गति देने के लिए किसानों के जीवन को समृद्ध और सशक्त बनाना होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए ही किसान, गरीब, महिला और युवा पर ध्यान केंद्रित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह किसानों की सरकार है। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त करने के लिए किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेती की व्यवस्था बेहतर करने, नवीन तकनीक अपनाने, शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने और अपने बच्चों का भविष्य बेहतर करने के लिए हर संभव प्रयास करने का किसानों को संकल्प दिलाया। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि किसान भारतीय अर्थ व्यवस्था की बैकबोन हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में किसानों को मिल रही सुविधाओं से राज्य पुनः कृषि में देश में सिरमोर बनेगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूँ और धान के बारे में घोषणा कर किसानों की मेहनत को सम्मान दिया है। खजुराहो सांसद श्री वी.डी .शर्मा ने कहा कि किसान मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव आभार व्यक्त करने का निर्णय सराहनीय है। इस ऐतिहासिक फैसले से किसान परिवारों में प्रसन्नता का संचार हुआ। किसान मोर्चा के अध्यक्ष तथा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किसान हित में लिए गए निर्णयों के लिए प्रदेश के किसानों की ओर से आभार माना। मुख्यमंत्री निवास में किसान आभार सम्मेलन के अवसर पर ऊर्जा, उद्यानिकी, खाद्य नागरिक आपूर्ति, किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में खेल, युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, नगर निगम भोपाल अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सभी शासकीय स्कूलों में आयोजित करें नेत्र परीक्षण शिविर

खरीफ फसल उपार्जन के लंबित भुगतान शीघ्र करें - संभागायुक्त श्री सिंह समय - सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

भोपाल। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने निर्देश दिए कि सभी शासकीय स्कूलों में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कराया जाए। श्री सिंह ने शिक्षा एवं स्वास्थ विभाग को समन्वय कर सम्बन्धित अधिकारियों की ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने खरीफ उपार्जन के लंबित भुगतान को शीघ्र करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव, राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में समय-सीमा अंकित पत्रों का निराकरण् करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री सिंह ने आगामी समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए चिन्हित सीएम हेल्पलाइन विषयों पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश।

संभागायुक्त श्री सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों निर्माण कार्यों के भौतिक

सत्यापन एवं समय-सीमा में निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल एवं उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ सभी को प्रदान करने एवं प्रगति की निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए।संभागायुक्त श्री सिंह ने किसान एवं कृषि कल्याण विभाग अधिकारी को 31 मार्च तक रबी फसल के पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया को साथ साथ करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं सहकारिता विभाग के केसीसी के लक्ष्य एवं उपलब्धि की समीक्षा की एवं निर्देश दिए कि बैंक से समन्वय कर लक्षित संख्या में केसीसी बनाए जाए।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु वर्ष 2024-25 के नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन भरने की अंतिम तिथि 31 मार्च

भोपाल। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी अनिल सोनी ने बताया कि शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों एवं विश्व विद्यालयों में नियमित रूप से अध्ययनरत पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लंबित आवेदन एमपीटास पोर्टल पर 20 मार्च 2025 तक अनिवार्य रूप से भर दे इसके बाद 2023- 24 की लिंक बंद हो जाएगी। इसी प्रकार वर्तमान सत्र 2024- 25 की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित है। विद्यार्थियों से अपील की है कि वे समय - सीमा की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र ऑनलाइन आवेदन करें। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या आने या आवेदन में कोई भी असुविधा होने पर कार्यालय कलेक्टर सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण भोपाल में कार्यालयीन समय में संपर्क अथवा adbmwbho@mp.gov.in पर मेल कर सकते हैं।

हिट एन्ड रन केस- नीमच शनि मंदिर के समीप तेजगति से आ रही स्कार्पियो कार ने झुग्गी झोपड़ी में सो रहे लोगों को रौंदा

नीमच। नीमच में एक घटनाक्रम हुआ जहां कलेक्टर चौराहे के समीप शनि मंदिर के सामने एक तेज गति से आती हुई स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित हो गई और सड़क के डिवाइडर की तरफ चढ़कर झुग्गी झोपड़ी में घुस गई। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार ड्राइवर और उसके साथी नशे की हालत में थे। ऐसे में स्कॉर्पियो कार असंतुलित होकर साइड के डिवाइडर पर चढ़ गयी और उसके एयरबैग भी खुल गए और कार क्षतिग्रस्त हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो क्रमांक एमपी 44 जेड बी 7704 के चालक ने लापरवाही पूर्वक कर चला कर गाड़ी को डिवाइडर पर चढ़ा दिया ऐसे में सड़क किनारे डिवाइडर के समीप बनी झुग्गी झोपड़ी में सो रहे कुछ लोगों को चोटे आई। हलाकि मोके से कार चालक और उसके साथी फरार हो गए थे। सुचना पर केंट पुलिस मोके पर पहुँची और कार को जप्त करते हुए घायल परिवार को जिला चिकित्सालय भेजा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की

ऊर्जस एप से भी उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति संबंधी मदद

मप्र के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश एवं पश्चिम विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में उपभोक्ता सेवाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा हैं। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का ऊर्जस एप भी प्रतिदिन सैकड़ों बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति बहाली में मदद कर रहा हैं। वाट्सएप, सोशल मीडिया, ऊर्जस एप, केंद्रीयकृत कॉल सेंटर 1912, जोन वितरण केंद्रों के लोकल कॉल सेंटर इत्यादि माध्यमों से उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय पर समाधान हो रहा है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान ने उपभोक्ता सुविधाओं, शिकायत निवारण प्रकिया की दैनिक समीक्षा की जाती है। श्री चौहान ने बताया कि आपूर्ति संबंधी शिकायतों का निराकरण भी समय सीमा में किया जा रहा है। वाट्सएप, सोशल मीडिया, ऊर्जस एप, कॉल सेंटर 1912 के साथ ही जोन, वितरण केंद्रों के नंबर पर या इन स्थानों पर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने वालें प्रकरणों में भी तुरंत संज्ञान लिया जा रहा हैं। आपूर्ति संबंधी शिकायतों का समय पर समाधान कर प्रत्येक शिकायत कर्ता को निराकरण की पुष्टि के लिए फोन भी लगाया जाता है, ताकि संतुष्टि का स्तर अधिकतम बना रहे। श्री चौहान ने बताया कि कॉल सेंटर के अलावा पिछले चौबीस घंटों में वाट्स एप के माध्यम से 3, ऊर्जस एप से 327, सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स के माध्यम से 5 उपभोक्ताओं की आपूर्ति संबंधी शिकायतों के समाधान किया गया हैं। ऊर्जस एप से आपूर्ति संबंधित मदद पाने वालों में इंदौर शहर के सबसे ज्यादा 263 उपभोक्ता शामिल हैं।

भारत निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से करेगा बातचीत

आयोग ने राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय राजनीतिक दलों से अनिराकृत मुद्दों के लिए 30 अप्रैल 2025 तक मांगे सुझाव

भारत निर्वाचन आयोग ने कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया है कि आयोग ने सभी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय राजनीतिक दलों से ईआरओ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी स्तर पर अनिराकृत मुद्दों के लिए 30 अप्रैल, 2025 तक सुझाव भी मांगा है। आयोग ने इस संबंध में राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत रूप से पत्र भी जारी किया है।उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक सम्मेलन किया गया था। जिसमें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने सभी प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ, डीईओ और ईआरओ को राजनीतिक दलों के साथ नियमित तौर पर बातचीत करने, ऐसी बैठकों में प्राप्त किसी भी सुझाव को सख्ती से कानूनी दायरे के भीतर हल करने के निर्देश दिए थे। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का आग्रह भी किया है।राजनीतिक दल, 28 हितधारकों में से एक है, जिन्हें संविधान और वैधानिक ढांचे के तहत चुनावी प्रक्रियाओं से जुड़े सभी पहलुओं में आयोग द्वारा मान्यता दी गई है। आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को जारी किए गए पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, निर्वाचन संचालन नियम, 1961, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक (ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेंद्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।

एनडीपीएस एक्ट में फरार 10 हजार रुपयें का इनामी आरोपी गिरफ्तार

सायबर सेल नीमच एवं पुलिस चौकी नयागांव की संयुक्त कार्यवाही

अविनाश जाजपुरा| नीमच

श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच श्री अंकित जायसवाल द्वारा अपराध समीक्षा बैठकों के दौरान जिलें के समस्त थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुष लगाने एवं मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरणों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देष दिये गये है। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री नवलसिंह सिसौदिया, सुश्री निकिता सिंह प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जावद के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जावद निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा एवं उप निरीक्षक मंगल सिंह राठौर चौकी प्रभारी नयागांव तथा प्रभारी सायबर सेल प्रभारी प्रआर प्रदीप शिन्दें के नेतृत्व में सायबर सेल एवं पुलिस चौकी नयागांव पुलिस टीम द्वारा पुलिस थाना जावद के अपराध क्रमांक 14/2025 धारा 8/15 , 29 एनडीपीएस एक्ट में 10 हजार रूपयें के फरार ईनामी आरोपी को गिरफ्तार करनें में सफलता प्राप्त की गई है। घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 09.01.2025 को नयागांव पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए पायलेट रतनसिंह पिता प्रताप सिंह रावत उम्र 52 साल निवासी सेगवा हाउसिंग बोर्ड 3 जी थाना सदर जिला चित्तौड़गढ़ व अवैध मादक पदार्थ से भी पिकपअ के क्लीनर पवन पिता रतनलाल खटीक उम्र 23 साल निवासी ग्राम नेतावल तहसील बस्सी जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान तथा फरार चालक रतनलाल उर्फ कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता कालूराम माली निवासी जनकपुर थाना रतनगढ जिला नीमच के कब्जे वाली पिकअप क्रमांक एमपी 44 जेडसी 4362 से अवैध मदाक पदार्थ 05 क्विंटल 20 किलोग्राम डोडाचुरा जप्त कर आरोपियों के विरूद्व थाना जावद पर अपराध क्रमांक 14/2025 धारा 8/15, 29 एनडीपीएस एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया था। उक्त प्रकरण में फरार आरोपी रतनलाल उर्फ कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता कालूराम माली निवासी जनकपुर थाना रतनगढ जिला नीमच की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा रूपयें 10 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। एस.पी. महोदय श्री अंकित जायसवाल द्वारा प्रकरण में फरार आरोपी रतनलाल उर्फ कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता कालूराम माली की गिरफ्तारी हेतु प्रआर. प्रदीप शिन्दें (प्रभारी सायबर सेल) के नेतृत्व में सायबर सेल को टास्क दिया जाकर फरार आरोपी की गिरफ्तारी सुनिष्चित करने हेतु निर्देष दिये गये थें प्रकरण में दिनांक 01.03.2025 को सायबर सेल की सूचना पर पुलिस चौकी नयागांव टीम द्वारा तत्परतापूर्वक कार्यवाही करते हुए घटना दिनांक 09.01.2025 को मोके से फरार आरोपी रतनलाल उर्फ कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता कालूराम माली निवासी जनकपुर थाना रतनगढ जिला नीमच को मंदसौर शहर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी से अन्य आरोपीगणों के संबंध में पूछताछ व अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण - रतनलाल उर्फ कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता कालूराम माली निवासी जनकपुर थाना रतनगढ जिला नीमच सराहनीय कार्यः- उक्त सराहनीय कार्य में उप निरीक्षक मंगल सिंह राठौर, प्रआर. प्रदीप शिन्दें (सायबर सेल), प्रआर रघुनाथ सिंह परिहार, आर. लखन प्रताप सिंह (सायबर सेल), आर तेजसिंह, आर विवेक धनगर, एवं आर कुलदीप सिंह (सायबर सेल), आर बलराम पाटीदार एवं सैनिक जयपाल सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

जल जीवन मिशनः नीमच में क्लस्टर स्तर पर विशेष कार्यशाला

44 गांवों की जल समितियों को लेखा प्रशिक्षण, सरपंच-सचिव समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे

अविनाश जाजपुरा| नीमच

मध्य प्रदेश जल निगम की गांधी सागर द्वारा नीमच में जल जीवन मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विकासखंड नीमच में गांधी सागर-2 समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। चीताखेड़ा और जीरन में 10 मार्च 2025 को ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति के लिए एक दिवसीय लेखा संधारण प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। पीआईयू नीमच के जनसहभागिता प्रबंधक दिनेश उपाध्याय ने समिति के उद्देश्यों और कार्यों की जानकारी दी।आईएसए के परियोजना प्रबंधक मृदुल खरे ने समितियों की मासिक बैठकों में अधिक भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम में 44 गांवों से सरपंच, सचिव, समिति अध्यक्ष और पंच शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने सरस्वती पूजन और माल्यार्पण किया। रिसोर्स पर्सन दीपेश जैन ने समितियों को रिकॉर्ड कीपिंग का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने परियोजना के बेहतर संचालन और रखरखाव के लिए सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में आईएसए के परियोजना समन्वयक और सभी गांवों के कम्युनिटी मोबिलाइजर भी उपस्थित रहे।

मंदसौर लोक निर्माण विभाग का "धाकड़" भ्रष्टाचार!

▮ 2 करोड़ 9 लाख 44 हजार का घोटाला ! जनता से छलावा या सिस्टम की मिलीभगत ? ▮ क्या इसी भ्रष्टाचार के खुलासे के डर से नहीं लड़े प्रधानमंत्री मोदी तक जान-पहचान रखने वाले पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ पुनः चुनाव?

मंदसौर लोक निर्माण विभाग का "धाकड़" भ्रष्टाचार !2 करोड़ 9 लाख 44 हजार का घोटाला ! जनता से छलावा या सिस्टम की मिलीभगत ?क्या इसी भ्रष्टाचार के खुलासे के डर से नहीं लड़े प्रधानमंत्री मोदी तक जान-पहचान रखने वाले पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ पुनः चुनाव ?

खोजी रिपोर्टः- सचिन राजोरिया

मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में लोक निर्माण विभाग (PWD) से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसमें करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इसी घोटाले के कारण पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने दोबारा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया? भानपुरा की विवादित सड़क—टेंडर में भारी गड़बड़ी !वर्ष 2021 में लोक निर्माण विभाग ने भानपुरा बस स्टैंड से म्यूजियम छत्री तक 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया। लेकिन चौंकाने वाली बात यह थी कि यह सड़क पहले से ही नगर परिषद भानपुरा द्वारा बनाई जा चुकी थी ! इसके बावजूद इस सड़क के लिए दोबारा टेंडर निकाला गया, जिसमें विद्युतपोल शिफ्टिंग को भी शामिल किया गया।टेंडर निकाला गया – 2.09 करोड़ एसओआर हुआ – 1.52 करोड़ टेंडर दिया गया – संजय वर्मा को लेकिन असली खेल क्या था? 1. सड़क पहले से बनी हुई थी, फिर टेंडर क्यों जारी किया गया? 2. जिसे टेंडर मिला, उसे कोई वास्तविक निर्माण कार्य करना ही नहीं था। 3. विद्युत पोल शिफ्टिंग भी पहले ही हो चुकी थी, फिर इसे टेंडर में क्यों शामिल किया गया? जनता से धोखा—कागजों में बनी सड़क, हकीकत में कुछ और !टेंडर पास होने के बावजूद, उस समय सड़क का कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ। लेकिन जब इस गड़बड़ी की खबर सामने आने लगी, तो देवीलाल धाकड़ ने इसे अधूरी सड़क बताकर किसी और स्थान पर नया निर्माण कार्य शुरू करवा दिया, जो कि राज्यमार्ग की श्रेणी में भी नहीं आता था। 1. सड़क की लंबाई तय मानकों के अनुसार नहीं थी। 2. चौड़ाई भी सही नहीं थी। 3. गुणवत्ता खराब थी, और विद्युत पोल शिफ्टिंग का काम तो किया ही नहीं गया ! 2 करोड़ 9 लाख 44 हजार का भ्रष्टाचार—जनता से छलावा !लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों से हुई बातचीत में इस गड़बड़ी की पूरी जिम्मेदारी तत्कालीन विधायक देवीलाल धाकड़ पर डाल दी गई।टेंडर के कागजों में कोई बदलाव नहीं किया गया।देवीलाल धाकड़ का कोई लिखित पत्र भी टेंडर अनुबंध में नहीं मिला। फर्जी निर्माण कार्य के नाम पर पूरे 2.09 करोड़ का भ्रष्टाचार किया गया।क्या ठेकेदार भी घोटाले में शामिल था? टेंडर जीतने वाले संजय वर्मा ने 27% कम एसओआर टेंडर में डालकर इसे हासिल किया था, जो अपने आप में शक के घेरे में आता है।कौन है असली गुनहगार? 1. टेंडर पास होने के बावजूद सड़क का निर्माण समय पर क्यों नहीं हुआ? 2. जब नगर परिषद भानपुरा पहले ही सड़क बना चुकी थी, तो दोबारा टेंडर क्यों निकला? 3. क्या विभागीय अधिकारियों ने भी इस घोटाले में भूमिका निभाई? 4. इस भ्रष्टाचार की जांच क्यों नहीं हुई, और अगर हुई, तो दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई?5. टेंडर पाने वाले संजय वर्मा पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई?देवीलाल धाकड़ की सफाई—ईमानदारी या चालाकी?जब इस विषय पर देवीलाल धाकड़ से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा,"मैं ईमानदार हूं, मुझे पता है कहां काम करवाना है और कहां नहीं।"लेकिन हकीकत यह है कि: उनके कार्यकाल में खराब सड़कों के कारण कई दुर्घटनाएं हुईं।लोगों की जान खतरे में पड़ी। नए वाहनों की दुर्गति हुई।फिर भी इन सड़कों की मरम्मत तकनहीं करवाई गई।अब बड़ा सवाल यह उठता है—क्या देवीलाल धाकड़ को इस घोटाले के उजागर होने का डर था, इसलिए उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा?या फिर पूरी योजना बनाकर जनता को धोखे में रखा गया?

जनता को चाहिए जवाब!

इस पूरे मामले में लोक निर्माण विभाग, जनप्रतिनिधियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की बू आ रही है।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का त्रिवार्षिक दो दिवसीय महाअधिवेशन अब 26-27 मार्च को मुरैना में

मुख्यमंत्री मोहन यादव ओर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के हाथों होगा महाअधिवेशन का शुभारंभ

अविनाश जाजपुरा| नीमच

सिंगोली। प्रदेश में पत्रकारो के सबसे बड़े रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का त्रिवार्षिक दो दिवसीय महाअधिवेशन 22-23 मार्च की जगह 26-27 मार्च को मुरैना में आयोजित होगा। उपरोक्त विषय में जानकारी देते हुए संगठन के नीमच जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि संगठन के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार यह महाअधिवेशन दिनांक 22-23 मार्च के बजाय अब दिनांक 26- 27 मार्च को मुरैना में आयोजित होगा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में आयोजन समिति के साथी ओर पुरे प्रदेश में संगठन के पदाधिकारी मुख्यमंत्री मोहन यादव को जहां भी प्रवास पर जाते वहां इस महाअधिवेशन में पधारने के लिए निमंत्रण पत्र देकर पुरजोर तरीके से संगठन के कार्यक्रम में आने का आग्रह किया निरन्तर संगठन के आग्रह एवं स्नेह को देखते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कल भोपाल विधानसभा कार्यालय में मिले आयोजन समिति के पदाधिकारियों को अपनी स्वीकृति महाअधिवेशन में आने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। हांलांकि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने कार्यक्रमो की व्यस्तता के कारण दिनांक 26 मार्च को मुरैना पहुंचने की स्वीकृति प्रदान की। इस पर संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों एवं आयोजन समिति के साथीयों ने त्वरित निर्णय लेकर आयोजन की तिथि में परिवर्तन करते हुए इसे अब 26-27 मार्च को आयोजित करने का तय किया है। जैन ने बताया कि आयोजन समिति एवं संगठन के पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 26 मार्च प्रातः 11 बजे महाअधिवेशन का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के हाथों होगा महाअधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया करेंगे। उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रदेशभर से पत्रकार साथी मुरैना पहुंचेंगे। जैन ने बताया कि नीमच जिले से भी लगभग 30 पत्रकार साथी मुरैना में आयोजित महाअधिवेशन में भाग लेने हेतु पहुंचेंगे।

सीसीआई फैक्ट्री के कबाड़ नीलामी के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

अविनाश जाजपुरा| नीमच

नयागांव स्थित सीसीआई फैक्ट्री के कबाड़ बेचने को लेकर कांग्रेस का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। आज, भारत माता चौराहा पर बड़ी संख्या में कांग्रेस जन एकत्रित हुए और धरने पर बैठ गए। इस विरोध में केवल कांग्रेस नेता ही नहीं, बल्कि सीसीआई फैक्ट्री के पूर्व मजदूर भी शामिल हुए और जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेता तरुण बाहेती ने बताया कि कांग्रेस का यह धरना पहलाद पटेल के बयान और नयागांव स्थित सीसीआई फैक्ट्री के नीलामी के संदर्भ में आयोजित किया गया है। उनका कहना था कि पहले सीसीआई फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों को उनकी मजदूरी अब तक नहीं मिली है, जिसे लेकर कांग्रेस पार्टी ने सरकार से उनकी मांग की है कि मजदूरों को उनका हक और मजदूरी मिलनी चाहिए।तरुण बहती ने कहा की सीमेंट फैक्ट्री तो नीलाम कर दी गई, लेकिन अब इन मजदूरों का क्या होगा इन मजदूरों को पैसा कौन देगा, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। अगर इन मजदूरों को मजदूरी नहीं मिलती है, तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी |

पटवारी पद पर भर्ती के नाम पर 12 लाख रूपये लेने वाले आरोपी को 03-03 वर्ष का सश्रम कारावास

अविनाश जाजपुरा| नीमच

नीमच। श्रीमती पुष्पा तिलगांम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच के द्वारा पटवारी परीक्षा के परीक्षार्थीयों से पटवारी की नौकरी दिलाने के नाम पर झांसा देकर 06 आवेदकगण से प्रत्येक से 02-02 लाख रूपये, इस प्रकार कुल 12 लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी कर अमानत में खयानत करने वाले आरोपी रमेशचन्द्र बैरागी को भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 420 में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं धारा 406 में 03 वर्ष के सश्रम कारावास से एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाली एडीपीओं श्री पारस मित्तल द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदकगण नितेश माली, अशोक किलोरिया, जय पाटीदार, नवीन माली, सुनीता धाकड़ व टीना धाकड़ ने ग्राम जावी निवासी रमेशचन्द्र पिता भगवतीदास बैरागी के विरूद्ध एक आवेदन पत्र पुलिस अधीक्षक नीमच को दिया था कि वे वर्ष 2023 में पटवारी परीक्षा की तैयारी कर रहें थे, तभी दिनांक 07.01.2023 से दिनांक 27.09.2023 के मध्य अनावेदक रमेशचन्द्र बैरागी उनसे मिला और कहा कि वह कलेक्टर

कार्यालय नीमच से सेवानिवृत्त हैं और उसकी सभी विभागों में अच्छी पुँहुच हैं। पटवारी परीक्षा के लिये फार्म भरों वह उन्हें नौकरी में लगवा देगा और कहा कि इसके लिये तुम प्रत्येक को 02-02 लाख रूपये देने होंगे। आवेदकगण ने यह भी बताया कि आरोपी रमेश ने उन्हें अन्य बड़े-बड़े अधिकारियों के साथ फोटो दिखाकर भरोसे में लिया और प्रत्येक आवेदकगण से पटवारी पद पर नियुक्ति हेतु 02-02 लाख रूपयें, इस प्रकार कुल 12 लाख रूपये प्राप्त किये। आवेदकगण ने पटवारी भर्ती परीक्षा दी किन्तु आवेदकगण की नियुक्ति नहीं होने पर उनके द्वारा आरोपी से रूपये की मांग करने पर आरोपी ने उन्हें कहा कि अधिकारियों ने किन्ही अन्य को नौकरी दे दी हैं और रूपये वापस करने के टालमटोल करता रहा, इस प्रकार आरोपी रमेश ने धोखाधड़ी कर आपराधिक न्यासभंग का अपराध किया। आवेदकगण के आवेदन पर जाँच उपरांत थाना नीमच सिटी पर आरोपी के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 420 व 406 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने एक पेन ड्राईव भी जप्त की जिसमें आवेदक एवं आरोपी के मध्य उक्त परीक्षा एवं रूपयों को लेकर बातचीत हुई थी और आरोपी के कब्जे से आवेदकगण के दस्तावेजों की छायाप्रतियां भी जप्त की गई और अनुसंधान उपरांत अभियोग-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में आवेदकगण, विवेचक व पंचसाक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपी रमेश बैरागी को उसके कृत्ये के लिये कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 के अपराध में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 2000 रू अर्थदण्ड व धारा 406 के अपराध में 03 वर्ष के सश्रम कारावास व 2000 रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी पारस मित्तल, एडीपीओ द्वारा की गई।

मार्च माह में अवकाश के दिनों में बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 8 मार्च शनिवार, 9 मार्च रविवार, 14 मार्च होली, 15 मार्च शनिवार, 16 मार्च रविवार, 19 मार्च रंगपंचमी, 22 मार्च शनिवार, 23 मार्च रविवार तथा 31 मार्च ईद-उल-फितर को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे।भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में पीओएस (pos) मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन माध्यम से भी बिल भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।

ऑनलाइन भुगतान करें और पाएं छूट

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल portal.mpcz.in (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

श्री खाटू श्याम मित्र मंडल के 29वें रंग रंगीले फाग महोत्सव का आयोजन किया

नीमच में सोमवार शाम श्री खाटू श्याम मित्र मंडल के 29वें रंग रंगीले फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। शाही ठाठ-बाट के साथ खाटू नरेश बाबा श्याम की शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा की शुरुआत घंटाघर के पास स्थित नृसिंह मंदिर से हुई। खाटू नरेश की पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस नृसिंह मंदिर पहुंची। यहां महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस साल शोभायात्रा में 4 राज्यों की झांकियां और नृत्य दल शामिल हुए। महाराष्ट्र से आई 35 युवतियों की लेडीज डमरू पार्टी और झाबुआ का आदिवासी नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। दिल्ली की झांकियों के साथ राजस्थान के मलखंभ दल ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। शोभायात्रा में भोलेनाथ की बारात, अघोरी नृत्य, श्री कृष्ण लीला, पंचमुखी भोलेनाथ और नृसिंह अवतार की झांकियां भी शामिल थीं। श्रीकृष्ण का विराट स्वरूप दर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। मालवा और मेवाड़ के 4 बैंड, 21 ढोल वादक और घुड़सवार भी शोभायात्रा का हिस्सा बने। कार्यक्रम के दौरान तोप से फूल बरसाए गए और भक्तों ने फूलों की होली खेली। साथ ही इत्र वर्षा का भी आयोजन किया गया। भक्तों ने रस्सियों की मदद से हाथों से रथ को खींचा, जिस पर खाटू नरेश विराजमान थे।

मनासा के 61 गांवों की जल समितियों का लेखा प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, नीमच जिले के मनासा में जल निगम की परियोजना क्रियान्वयन इकाई नीमच ने कम्युनिटी एक्शन थ्रू मोटिवेशन शिविर के माध्यम से गांधी सागर-2 समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।विकासखंड मनासा के देवरी खवासा और सांडिया में 6 मार्च 2025 को ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति के लिए एक दिवसीय लेखा संधारण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। पीआईयू नीमच के जनसहभागिता प्रबंधक श्री दिनेश उपाध्याय ने समिति के उद्देश्य और कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। परियोजना प्रबंधक श्री मृदुल खरे ने समितियों की मासिक बैठकों में सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में 61 गांवों के सरपंच, सचिव, समिति अध्यक्ष और पंच उपस्थित रहे। रिसोर्स पर्सन श्री गोपाल परिहार ने समितियों को रिकॉर्ड कीपिंग का प्रशिक्षण दिया। साथ ही परियोजना के भविष्य में बेहतर संचालन और रखरखाव के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

आईजी उमेश जोगा पहुंचे नीमच और अधिकारियों की ली बैठक

उज्जैन रेंज के पुलिस महानिरीक्षक उमेश जोगा सोमवार शाम को नीमच का दौरा किया और शहर के पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों की बैठक ली । इस बैठक में आगामी होली और ईद के त्योहारों को लेकर शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह तय किया गया कि पुलिस प्रशासन संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखेगा, ताकि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। आईजी उमेश ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शहर में शांति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं और यातायात व्यवस्था को भी सुगम बनाने के लिए जरूरी उपाय करें। इसके अलावा, बैठक में एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

सोशल मीडिया पर पुलिस की कड़ी नजर -

आईजी उमेश जोगा ने कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य शहर में शांति और व्यवस्था बनाए रखना है, आगामी त्योहारों पर सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वाले लोगों पर पुलिस कड़ी नजर रखेगी और कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दे कि पुलिस सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रख रही है । कोई भी यूजर अगर विवादित पोस्ट अपलोड करता है तो पुलिस उस पर सख्त कार्रवाई करेगी।

जावद क्षेत्र में वाटरशेड यात्रा अभियान का समापन समारोह संपन्न

नीमच भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय भूमि संसाधन विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई वाटरशेड विकास योजना (PMKSY 2.0) के तहत जनपद पंचायत जावद में वाटरशेड यात्रा अभियान का समापन श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा मांगलिक भवन जाट रोड रतनगढ़ में संपन्न हुआ इस मौके पर बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।। इस अवसर पर विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान,जिला पंचायत उपाध्यक्षश्रीमती जानीबाई-शंभुलाल धाकड़,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गोपाल चारण, श्री अशोक विक्रम सोनी, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रवण पाटीदार,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मंजूबाई-मांगीलाल भील, श्री जसवंत बंजारा, राधेश्याम मेघवंशी, जनपद सीईओ, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद सदस्यगण,कृषि विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।अतिथियों ने वाटरशेड योजना से लाभान्वित जल योद्धाओ को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

पुलिस की प्रेरणा का दिखा असर बाछड़ा समाज के एक ही गांव के 3 युवा पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में चयनित

अविनाश जाजपुरा| नीमच

मनासा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के मंशानुरूप समाज के पिछड़े वर्ग को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं जिसके तहत सन् 2017 के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक नीमच मनोज कुमार सिंह वर्तमान पुलिस उप महानिरीक्षक रतलाम रेंज द्वारा नीमच जिले के पिछड़े वर्ग के लोगों को जागरूक करने एवं निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने रक्षित केंद्र नीमच में निशुल्क कोचिंग की शुरुआत की गई थी एवं पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल द्वारा भी इस हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे है जिसके फलस्वरूप नीमच जिले के बाछडा समुदाय के कई युवा प्रेरित होकर पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई निशुल्क कोचिंग का लाभ लेते हुए एवं ऑनलाइन कोचिंग की सहायता से पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2024 में भाग लेकर लिखित, शारीरिक एवं साक्षात्कार उत्तीर्ण कर थाना मानसा क्षेत्र के हाड़ी पीपलिया गांव के 3 युवाओं ने आरक्षक परीक्षा उत्तीर्ण की गई जिनमे दो सगे भाई 1. पिंकेश पिता मुकेश मालवीय जाती बाछडा, 2. हर्ष पिता मुकेश मालवीय जाति बाछडा एवं 3.अंशुल पिता रामपाल मालवीय जाति बाछडा जिनके द्वारा कड़ी मेहनत एवं लगन से परीक्षा की तैयारी कर आरक्षक पद पर चयनित हुए । तीनों नौ जवानों के हौसला अफजाई एवं अन्य युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए SDOP मनासा श्री विमलेश उइके एवं TI मनासा शिव रघुवंशी द्वारा चयनित छात्रों का थाना मनासा पर माला पहनाकर मुंह मीठा कराया जाकर उत्साहवर्धन किया गया।

पटवारी पद पर भर्ती के नाम पर 12 लाख रूपये लेने वाले आरोपी को 03-03 वर्ष का सश्रम कारावास

अविनाश जाजपुरा| नीमच

नीमच। श्रीमती पुष्पा तिलगांम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच के द्वारा पटवारी परीक्षा के परीक्षार्थीयों से पटवारी की नौकरी दिलाने के नाम पर झांसा देकर 06 आवेदकगण से प्रत्येक से 02-02 लाख रूपये, इस प्रकार कुल 12 लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी कर अमानत में खयानत करने वाले आरोपी रमेशचन्द्र बैरागी को भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 420 में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं धारा 406 में 03 वर्ष के सश्रम कारावास से एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाली एडीपीओं श्री पारस मित्तल द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदकगण नितेश माली, अशोक किलोरिया, जय पाटीदार, नवीन माली, सुनीता धाकड़ व टीना धाकड़ ने ग्राम जावी निवासी रमेशचन्द्र पिता भगवतीदास बैरागी के विरूद्ध एक आवेदन पत्र पुलिस अधीक्षक नीमच को दिया था कि वे वर्ष 2023 में पटवारी परीक्षा की तैयारी कर रहें थे, तभी दिनांक 07.01.2023 से दिनांक 27.09.2023 के मध्य अनावेदक रमेशचन्द्र बैरागी उनसे मिला और कहा कि वह कलेक्टर कार्यालय नीमच से सेवानिवृत्त हैं और उसकी सभी विभागों में अच्छी पँहुच हैं। पटवारी परीक्षा के लिये फार्म भरों वह उन्हें नौकरी में लगवा देगा और कहा कि इसके लिये तुम प्रत्येक को 02-02 लाख रूपये देने होंगे। आवेदकगण ने यह भी बताया कि आरोपी रमेश ने उन्हें अन्य बड़े-बड़े अधिकारियों के साथ फोटो दिखाकर भरोसे में लिया और प्रत्येक आवेदकगण से पटवारी पद पर नियुक्ति हेतु 02-02 लाख रूपयें, इस प्रकार कुल 12 लाख रूपये प्राप्त किये। आवेदकगण ने पटवारी भर्ती परीक्षा दी किन्तु आवेदकगण की नियुक्ति नहीं होने पर उनके द्वारा आरोपी से रूपये की मांग करने पर आरोपी ने उन्हें कहा कि अधिकारियों ने किन्ही अन्य को नौकरी दे दी हैं और रूपये वापस करने के टालमटोल करता रहा, इस प्रकार आरोपी रमेश ने धोखाधड़ी कर आपराधिक न्यासभंग का अपराध किया। आवेदकगण के आवेदन पर जाँच उपरांत थाना नीमच सिटी पर आरोपी के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 420 व 406 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने एक पेन ड्राईव भी जप्त की जिसमें आवेदक एवं आरोपी के मध्य उक्त परीक्षा एवं रूपयों को लेकर बातचीत हुई थी और आरोपी के कब्जे से आवेदकगण के दस्तावेजों की छायाप्रतियां भी जप्त की गई और अनुसंधान उपरांत अभियोग-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में आवेदकगण, विवेचक व पंचसाक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपी रमेश बैरागी को उसके कृत्ये के लिये कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 के अपराध में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 2000 रू अर्थदण्ड व धारा 406 के अपराध में 03 वर्ष के सश्रम कारावास व 2000 रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी पारस मित्तल, एडीपीओ द्वारा की गई।

मिट्टी एवं मुरूम का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए 8 डम्पर, एक जे.सी.बी.जप्त

अविनाश जाजपुरा| नीमच

नीमच| खनिज विभाग द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी है।गत रात्रि सिंगोली क्षेत्र के ग्राम बाणदा में तहसीलदार श्री बी.के. मकवाना भूमि व्यवस्थापन संबंधी कार्य के लिए जब पहुचे, तो उन्हें वहां जे.सी.बी.द्वारा काली मिट्टी का उत्खनन करते हुए दिखा, जिसका परिवहन डम्परों के माध्यम से राजस्थान में किया जा रहा था। जिसकी सूचना उनके द्वारा तत्काल खनिज अधिकारी श्री आरिफ खान को दी। खनि अधिकारी तत्काल अपने अमले के साथ मौके पर पहुचे। मौके पर पाया गया कि राकेश धाकड़ नामक व्यक्ति द्वारा उस ग्राम में काली मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा था। जिसको डम्परों के माध्यम से राजस्थान भेजा जा रहा था। मौके पर एक जेसीबी एवं पांच डम्पर जप्त किये गये। सूचना प्राप्त होने पर विभाग की टीम ग्राम जेतालिया की झोपड़ी में पहुची जहां पर मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए तीन डम्पर जप्त किये गये। डम्पर किसी मदनसिंह नामक व्यक्ति के थे। जिसके द्वारा बताया गया, कि वह पंचायत के कार्यो के लिए यह मुरूम ले जायी जा रही है। किन्तु डम्पर के चालक ने बताया कि मुरूम का उपयोग उसकी निजी भूमि में डालने के लिए किया जा रहा है। मौके पर तीन डम्परों को जप्त किया गया। इस प्रकार कुल 8 डम्पर एवं एक जेसीबी को पुलिस चौकी डिकेन की अभिरक्षा में रखा गया। संपूर्ण कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह डावर, तहसीलदार श्री बी.के. मकवाना, श्री सुनिल जाधव खनि सर्वेयर एवं होमगार्ड सैनिक क्र. एस.के.151 श्री मुकेश, एस.के. 61 श्री जितेन्द्रसिंह, एस.के. 127 श्री बलवंतसिंह शामिल थें।खनिज अधिकारी श्री खान ने बताया, कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध सतत् कार्यवाही जारी रहेगी।

मंदसौर पुलिस ने चोरी करने वाली अंतरर्राज्यीय गैंग का किया पर्दाफाश

04 राज्यों में चोरी करने वाली गैंग के 04 आरोपियों सहित 20 लाख की मश्रुका जप्त

अविनाश जाजपुरा| नीमच

मंदसौर पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधित अपराधियो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अभिषेक आनंद पुलिस अधीक्षक मंदसौर द्वारा दिये गये निर्देशो के तारतम्य में गौतम सोलंकी अति. पुलिस अधीक्षक मंदसौर एवं सतनामसिंह नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नईआबादी वरुण तिवारी व उनकी टीम द्वारा चोरो की गैंग को गिरफ्तार किया गया। जानकारी अनुसार दिनांक 11.03.2025 को थाना नई आबादी पर उनि महेन्द्रसिंह यादव द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए सीतामउ फाटक ब्रीज के नीचे चोरी करने वाली गैंग के 04 व्यक्तियो को घेराबंदी कर पकडा, आरोपीयो के कब्जे से एक ईको कार, एक मोटरसाईकल एवं अन्य चोरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले औजार जप्त किए गए, आरोपीयो को गिरफ्तार किया गया तथा थाना नईआबादी मंदसौर पर अपराध क्रमांक 47/25 धारा 313 बीएनएस का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है ।

आरोपीगणो द्वारा निम्नलिखित स्थानो पर चोरी करना स्वीकार किया है

01. ग्राम निपानिया मेघराज 02. ग्राम मैनपुरिया 03. पद्मिनि विहार कॉलोनी दलौदा 04. जय मानक कॉलोनी संजीत रोड मंदसौर 05.श्रीजी कॉलोनी संजीत रोड मंदसौर 06. नवकार गोल्ड कॉलोनी संजीत रोड मंदसौर07. गांधीनगर मंदसौर 08. डीगांव थाना अफजलपुर 09. नारायणगढ थाना क्षैत्र 10. गुना, 11. शिवपुरी12. पिछोर 13.धुलिया महाराष्ट्र 14. मालेगांव महाराष्ट्र 15. डीसा (गुजरात) 16. पावमपुर (गुजरात) 17.कोटा (राजस्थान) 18. छोटी सादडी राजस्थान 19. जावरा जिला रतलाम 20. कित्तुखेडी (नारायणगढ)

गिरफ्तार आरोपी :–

1.सोनु पिता जगदीश मालवीय जाति बाछडा उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम चडोली थाना नीमच सीटी 2.रमेश पिता पन्नालाल जाति कंजर उम्र 42 वर्ष निवासी सारंग का खेडा थाना माण्डलगढ जिला भीलवाडा राजस्थानहामु ग्राम चडोली थाना नीमच सीटी जिला नीमच 3.विशाल पिता बाबुराम हिरावत जाति बाछडा उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम चडोली थाना नीमच सीटी 4.रवि पिता रमेश जाति कंजर उम्र 19 वर्ष निवासी सारंग का खेडा थाना माण्डलगढ जिला भीलवाडा राजस्थान हामु ग्राम चडोली थाना नीमच सीटी जिला नीमच

जप्तशुदा मश्रुका :-

01. एक ईको कार क्र आज जे 06 सीएफ 1367, 2. एक टीव्हीएस स्पोट्स बिना नंबर मोटर सायकल इंजन नंबर एवं चेचिस नंबर घीसे हुवे । 3.सोनेचांदीकेआभुषण,कुलकिमती20लाखरुपये

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नई आबादी निरीक्षक वरुण तिवारी थाना प्रभारी वाय डी नगर निरीक्षक संदीप सिंह मंगोलिया, उनि कपिल सोराष्ट्रीय थाना वायडीनगर उनि महेन्द्रसिंह यादव थाना नईआबादी प्रआर रमीज राजा, प्रआर दशरथ मालवीय, प्रआर गगन राठोर थाना नईआबादी प्रआर कोशलप्रतापसिंह (वायडीनगर), आर भानुप्रतापसिंह ,आर राहुल यादव(थाना नईआबादी), आर दीपक मीणा, आर भुपेन्द्र (वायडीनगर) तथा सायबर सैल प्रआर आशीष बैरागी एवं आर मनीष बघेल का सराहनीय योगदान रहा है।

हादसे में बच्चे का पैर हुआ चकनाचूर, इलाज के दौरान मौत

अविनाश जाजपुरा| नीमच

नीमच। रिलायंस पेट्रोल पंप के पास एक गंभीर हादसा हुआ। ग्वाला बस (एमपी 14 पीए 1260) ने बाइक सवार 14 वर्षीय नाबालिग आयुष मालवीय को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के दौरान बस का टायर मासूम बच्चे के पैर पर चढ़ गया जिससे पैर पूरी तरह चकनाचूर हो गया | घायल को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गयी | कैंट थाना पुलिस के मुताबिक, हाडी पीपलिया निवासी आयुष अपनी बाइक से हिंगोरिया गांव जा रहा था। वह अपने मौसा आनंद मालवीय के साथ था, जो दूसरी बाइक पर उसके पीछे चल रहे थे। दोनों हिंगोरिया में खाना खाने जा रहे थे, तभी पीछे से आ रही बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद बस चालक और कंडक्टर बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गए ।

चंद्रशेखर आजाद पर हमले के विरोध में नीमच में प्रदर्शन

नीमच । भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। डिप्टी कलेक्टर चंदन सिंह धारवे को दिए गए ज्ञापन में 8 सूत्री मांगें रखी गईं। कार्यकर्ताओं ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मथुरा और उड़ीसा के भुवनेश्वर में भीम आर्मी संस्थापक और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद पर ABVP कार्यकर्ताओं की ओर से हमले का षड्यंत्र रचा गया। भीम आर्मी और भारत एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह भी इस हमले के निशाने पर थे। प्रमुख मांगों में चंद्रशेखर आजाद और विनय रतन सिंह पर हुए हमलों की CBI जांच शामिल है। साथ ही दोषियों की गिरफ्तारी और उन पर रासुका लगाने की मांग की गई। दोनों नेताओं की सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की गई है।

बिहार के बोधगया मंदिर और परिसर को बौद्ध समाज को सौंपने और वहां अन्य धार्मिक कर्मकांड पर रोक लगाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश कंडारा, पूर्व प्रभारी गोविंद वाल्मीकि, विशाल मेघवाल और महेश मेघवाल समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

दोबारा फैशन में आ रहा पुराना स्टाइल, जानें 2025 में कैसा रहेगा ट्रेंड

साल बदलता है। फैशन बदलता है। कभी 70-80 का फैशन दोबारा ट्रेंड में आ जाता है तो कभी कुछ नया ही देखने को मिलता है। 2025 का यह साल भी फैशन में बहुत कुछ नया तो कुछ पुराना लेकर आया है। इसमें परंपरा का साथ है तो आधुनिकता का स्टाइल भी। ऐसे में कई फैशन लवर्स के मन में सवाल होगा कि ये कौन से नए फैशन ट्रेंड्स हैं, जो इस साल राज करने वाले हैं।

वेस्टर्न ड्रेसेस

इस साल वेस्टर्न ड्रेसेस में कुछ प्रमुख ट्रेंड्स देखने को मिल सकते हैं, जिनमें सस्टेनेबल फैब्रिक और इको-फ्रेंडली डिजाइन की मांग बढ़ेगी। मिनिमलिस्टिक स्टाइल के साथ क्लासिक, सदाबाहर और सिंपल कट्स ट्रेंड में रहेंगे। यह साल आरामदायक फैशन का होगा। साथ ही तकनीक और फैशन का मिश्रण, जैसे कि स्मार्ट फैब्रिक्स खासे पसंद किए जाएंगे। इसके साथ ही मिनी स्कर्ट का ट्रेंड भी खूब देखा जाएगा, जिसे लड़कियां इस सर्दी के मौसम में गरम स्टॉकिंग्स के साथ पहन रही हैं।

फ्यूजन फिर भाएगा

पायजामे के साथ कुर्ता, क्रॉप टॉप के साथ साड़ी और ट्यूनिक्स के साथ पहना जाने वाला प्लाजो फ्यूजन के कुछ उदाहरण हैं, जो इस साल खूब चलन में रहेंगे। इसमें परंपरागत परिधानों के साथ पश्चिमी परिधानों का तड़का इन्हें ग्लैमरस लुक देगा। सबसे लोकप्रिय और हॉट फ्यूजन ट्रेंड में एथनिक जंप सूट शामिल है। यह भारतीय पैटर्न और कपड़ों के साथ संयुक्त रूप से बनाए जाएंगे, जो आधुनिक महिलाओं को एक स्टाइलिश और अनूठा लुक देंगे।

कलर, जो शालीनता लाएं

लहंगों से लेकर सलवार-कमीज तक बोल्ड रंग पहनावे को जीवंत बनाएंगे। बेज, ऑलिव और पेस्टल पिंक जैसे न्यूट्रल शेड्स भी उन

महिलाओं के लिए स्टाइल में हैं, जो पहनावे में शालीनता और सुंदरता पसंद करती हैं। कई अन्य रंग, जैसे-चेरी रेड, सेलेस्टियल येलो, ऑलिव ग्रीन, लैवेंडर और सॉफ्ट पिंक भी चलन में रहेंगे।

स्लीव्स में खास

आस्तीन में इस साल डिजाइनर बेल, पफ और फ्लेयर्ड डिजाइन ट्रेंड में रहेंगे। ये स्लीव्स कपड़ों में वॉल्यूम और स्टाइल जोड़ते हुए एथनिक ड्रेस को एक स्टाइलिश लुक देती हैं। पफ स्लीव्स सलवार-कमीज सेट को एक क्यूट लुक देती हैं। स्टेटमेंट स्लीव्स उन महिलाओं के लिए आदर्श हैं, जो अपनी एथनिक ड्रेस को खास लुक देना चाहती हैं और कुछ नया प्रयोग करना चाहती हैं।

सोने-चांदी की चमक

चाहे परिधान शादी के लिए हो या किसी विशेष उत्सव के लिए, धातु के धागे से बनीं सुंदर आकृतियां ड्रेस को खास बना देती हैं। जब आप ऐसे परिधान को किसी उत्सव में पहनती हैं तो ये अलग ही चमक देती हैं। इस साल साड़ियों, लहंगों और कुर्तों पर धातु की कढ़ाई की वापसी होगी। इसके अलावा पारंपरिक परिधानों में नाजुक कढ़ाई और सूक्ष्म विवरण लोकप्रिय रहेंगे। रेशम के सादे कुर्ते सेट या साड़ी पर कम कढ़ाई वाले बॉर्डर पर फ्लोरल एंब्रॉयडरी उन महिलाओं के लिए आदर्श है, जो साधारण डिजाइन पसंद करती हैं।

भा जाएंगे प्रिंट

पैस्ले, मोर और कमल के फूलों जैसे क्लासिक प्रिंट इस साल एक नए और आधुनिक रूप के साथ फिर से चलन में रहेंगे। ये प्रिंट युवा पीढ़ी को आकर्षित करते हुए विरासत को भी संजोते हैं। आप बोल्ड, बड़े प्रिंट या धातु के धागों में बनी डिजाइन वाली साड़ियों और कुर्तों से खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

आरामदायक फुटवियर

यह साल आरामदायक फुटवियर को अपनाने का होगा। अधिकतर महिलाएं जूतियां, कोल्हापुरी और स्लाइडर का चुनाव करेंगी। पारंपरिक जूतियां और कोल्हापुरी विभिन्न रंगों, डिजाइनों और आरामदायक विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगी।

साल 2025 में नौकरियों की भरमार! इस सेक्टर में आएंगी सबसे ज्यादा जॉब्स, बेरोजगारी पर लग सकती है लगाम!

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र यानी आईटी सेक्टर में जॉब चाहने वालों के लिए अच्छी खबर है। इस साल आईटी सेक्टर में नोकरियों में आई गिरावट के बाद अब नए साल में फ्यूचर अच्छा दिखाई दे रहा है। स्पेसिफिक स्किल खासतौर पर एआई और डेटा साइंस पर फोकस इस सेक्टर में बदलाव का संकेत है। भारत में साल 2024 में आईटी सेक्टर में भर्तियों में गिरावट देखी गई। अब 2025 के लिए संभावनाएं आशाजनक दिखाई दे रही हैं। आर्थिक स्थितियों तथा टेक्नोलॉजी में डेवलपमेंट में जॉब मार्केट में सुधार की उम्मीद है। एडेको इंडिया के'कंट्री मैनेजर'सुनील चेम्मनकोटिल ने कहा,'' ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) से भर्तियों को बढ़ावा मिला, जिससे टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स के लिए 52.6 प्रतिशत नौकरियां पैदा हुईं, लेकिन वे आईटी सर्विस सेक्टर में आई भारी गिरावट की पूरी तरह भरपाई नहीं कर सके।''

एआई और मशीन लर्निंग में जॉब की बढ़ रही डिमांड

एडेको रिसर्च के अनुसार, कृत्रिम मेधा (AI) और मशीन लर्निंग (ML) में विभिन्न भूमिकाओं की डिमांड में 39 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो अधिक विशिष्ट कौशल ढ़ांचे की ओर बदलाव को दर्शाता है, क्योंकि संगठनों ने इन प्रौद्योगिकियों को प्राथमिकता दी है। टीमलीज एडटेक के मुख्य संचालक अधिकारी (COO) एवं एम्प्लॉयबिलिटी बिजनेस के प्रमुख जयदीप केवलरमानी ने कहा कि 2024 में नए प्रोफेशनल्स (फ्रेशर्स) की भर्ती सामान्य रूप से धीमी रही, साथ ही कई कंपनियों ने अपनी'कैंपस हायरिंग'में विलंब किया।

2025 के लिये अच्छे हैं अनुमान

जैसे-जैसे वृहद आर्थिक चुनौतियां धीमी पड़ती जाएंगी, संगठन आर्थिक परिदृश्य के बारे में आश्वस्त होंगे और पूंजी निवेश पर कुछ दांव लगाना शुरू करेंगे, जिससे 2025 की शुरुआत में इसके बढ़ने में मदद मिलेगी। विप्रो की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) संध्या अरुण ने कहा कि उद्यम महत्वपूर्ण व्यावसायिक मूल्य प्राप्त करने के लिए एआई और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण में तेजी लाने के लिए तैयार हैं। अरुण ने कहा,''वर्ष 2025 तीव्र गति से टेक्नोलॉजी में बदलाव का वर्ष होगा, जो नए अवसर प्रदान करेगा और अभूतपूर्व चुनौतियां भी प्रस्तुत करेगा। भविष्य उन उद्यमों का है, जो टेक्नोलॉजी और बदलाव को अपनाते हैं।

आईटी क्षेत्र में 2025 में 15% तक बढ़ोतरी होने का अनुमान है जो ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) और मल्टी-कलाउड अपनाने से प्रेरित होगा. खुदरा क्षेत्र में 12% की वृद्धि का अनुमान है, जो पारंपरिक और तकनीकी-समर्थित भूमिकाओं की बढ़ती मांग को दर्शाता है. खुदरा क्षेत्र की वृद्धि का मुख्य कारण अनुभवात्मक ब्रिक-एंड-मॉर्टार स्टोर्स की वापसी और टियर-2 और टियर-3 शहरों में बढ़ते उपभोक्ता खर्च हैं. दूरसंचार क्षेत्र में 11% की वृद्धि का अनुमान है जो AI, 5G और IoT में प्रगति से प्रेरित है, और इसमें एज कंप्यूटिंग, SDN (सॉफ़्टवेयर-डिफाइंड नेटवर्किंग), NFV (नेटवर्क फ़ंक्शन वर्चुअलाइजेशन) और साइबर सुरक्षा में कौशल की मांग होगी. आईटी क्षेत्र में 2025 में 15% तक बढ़ोतरी होने का अनुमान है जो ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) और मल्टी-कलाउड अपनाने से प्रेरित होगा. खुदरा क्षेत्र में 12% की वृद्धि का अनुमान है, जो पारंपरिक और तकनीकी-समर्थित भूमिकाओं की बढ़ती मांग को दर्शाता है. खुदरा क्षेत्र की वृद्धि का मुख्य कारण अनुभवात्मक ब्रिक-एंड-मॉर्टार स्टोर्स की वापसी और टियर-2 और टियर-3 शहरों में बढ़ते उपभोक्ता खर्च हैं. दूरसंचार क्षेत्र में 11% की वृद्धि का अनुमान है जो AI, 5G और IoT में प्रगति से प्रेरित है, और इसमें एज कंप्यूटिंग, SDN (सॉफ़्टवेयर-डिफाइंड नेटवर्किंग), NFV (नेटवर्क फ़ंक्शन वर्चुअलाइजेशन) और साइबर सुरक्षा में कौशल की मांग होगी.

बेंगलुरु (10%) और कोयंबटूर (9%) में 2025 में नौकरी के अवसरों में सबसे ज्यादा वृद्धि होने का अनुमान है इसके बाद हैदराबाद (8%) और चेन्नई (6%) हैं. कार्य क्षेत्र के अनुसार, वित्त और लेखा में 8% वृद्धि की संभावना है, विशेष रूप से रणनीतिक भूमिकाओं के लिए, जो डिजिटल उपकरणों, अनुपालन विशेषज्ञता और स्थिरता मापदंडों के ज्ञान को प्राथमिकता देती हैं. एचआर और प्रशासन में 7% की वृद्धि का अनुमान है, जो DEI (विविधता, समानता और समावेशन) पहलों, कर्मचारी अनुभव और एचआर तकनीक पर केंद्रित है. आईटी क्षेत्र में 6% वृद्धि का अनुमान है जिसमें क्लाउड विशेषज्ञों, एआई/एमएल विशेषज्ञों और साइबर सुरक्षा पेशेवरों की मांग होगी.

2024 में भारत के जॉब मार्केट में 2023 के मुकाबले बढ़ोतरी देखी गई. प्रमुख उद्योग जैसे निर्माण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और रियल एस्टेट ने इस वृद्धि में योगदान दिया, जो औद्योगिक गतिविधियों, डिजिटल अपनाने और शहरीकरण के बढ़ने से प्रेरित था. इस बीच कोयंबटूर और जयपुर जैसे शहरों ने क्षेत्रीय विकास में बाजी मारी.

अप्रैल से जून तक कंपनियां करेंगी बंपर भर्ती, इन सेक्टर में निकलेंगी सबसे अधिक नौकरियां

नौकरी ढूंढ रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। देश की कंपनियां अप्रैल से जून तक बंपर भर्ती की तैयारी में है। एक सर्वे रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मैनपावरग्रुप के सर्वे के मुताबिक, भारत 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए वैश्विक रोजगार परिदृश्य (43 प्रतिशत) में अग्रणी बना हुआ है। यह वैश्विक औसत से 18 अंक अधिक है। यह सर्वे 42 देशों के 40,413 नियोक्ताओं से मिली सूचनाओं पर आधारित है। जनवरी में कराए गए सर्वे में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 3,000 कंपनियां शामिल थे। इससे पता चला है कि 55 प्रतिशत कंपनियां अगली तिमाही में भर्ती करने की तैयारी में है, जबकि 12 प्रतिशत नियोक्ताओं को कटौती की आशंका है। वही 29 प्रतिशत नियोक्ताओं को अपने कार्यबल में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है।

किन सेक्टर में निकलेंगी नौकरियां

जनवरी-मार्च, 2025 की तुलना में अप्रैल-जून तिमाही में इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (55 प्रतिशत), औद्योगिक और सामग्री (48 प्रतिशत), हेल्थ केयर और लाइफ साइंसेज (42 प्रतिशत), परिवहन और लॉजिस्टिक्स और ऑटो सेक्टर (40 प्रतिशत) तथा संचार सेवाएं (38 प्रतिशत) क्षेत्रों ने भर्ती जमकर नई भर्तियां होंगी। वहीं, वित्तीय और रियल एस्टेट (43 प्रतिशत), ऊर्जा और उपयोगिता (32 प्रतिशत) और उपभोक्ता वस्तुएं और सर्विस सेक्टर (32 प्रतिशत) में पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः एक, छह अंक और आठ अंक की गिरावट है। मैनपावरग्रुप के प्रबंध निदेशक (भारत एवं पश्चिम एशिया) संदीप गुलाटी ने कहा कि यह सर्वेक्षण भारत में एक लचीले और बढ़ते नौकरी बाजार को दर्शाता है। भर्ती की धारणा मजबूत हुई है, जो एक विकसित आर्थिक परिदृश्य में भारतीय कंपनियों के आत्मविश्वास को दर्शाती है।

रोजगार बाजार में 41 प्रतिशत का उछाल

नए लोगों (फ्रेशर्स) की भर्ती के कारण देश के रोजगार बाजार में फरवरी माह में सालाना आधार पर 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। फाउंडिट (पूर्व में मॉन्स्टर एपीएसी और एमई) के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में नए लोगों की नियुक्तियों में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह अपना करियर शुरू करने वाले प्रतिभाशाली कर्मियों के लिए नियोक्ताओं की निरंतर मांग को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी, 2025 में नियुक्तियों में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी नए लोगों की भर्तियों में उछाल के कारण हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में आईटी - हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर फ्रेशर भर्ती मामले में अग्रणी बना रहा।

मध्य प्रदेश की वो 5 जगह जिनकी खूबसूरती देख चकरा जाएगा सिर, किसी स्वर्ग से कम नहीं ये प्लेस

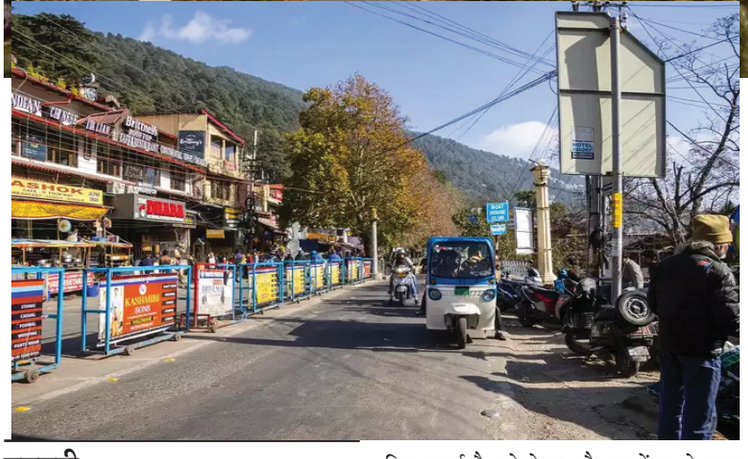

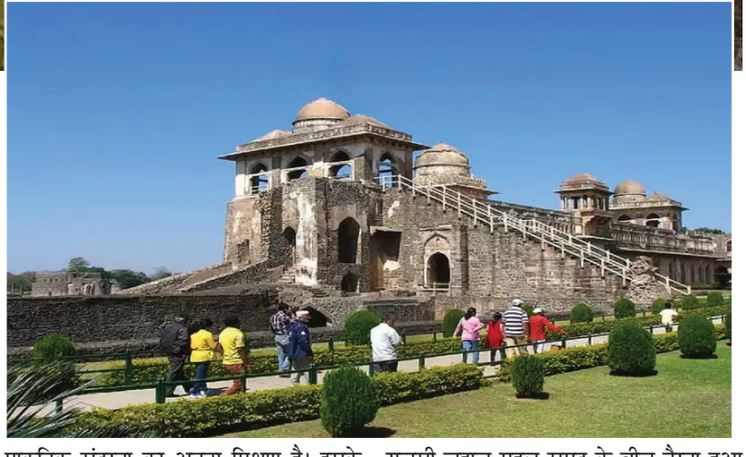

पचमढ़ी

पचमढ़ी मध्यप्रदेश का सबसे खूबसूरत और मशहूर हिल स्टेशन है। इसे सतपुड़ा की रानी भी कहते हैं। सतपुड़ा रेंज के भीतर बसा ये अनोखा शहर झरने, हरे-भरे जंगलों और प्राचीन गुफाओं से भरा है। ट्रेकिंग के शौकीन लोग धूपगढ़ की ओर जाने वाले रास्तों पर चलकर ट्रेकिंग का मजा ले सकते हैं। इतनी ऊंचाई से आसपास का नजारा बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। पचमढ़ी में जटाशंकर और बी-फॉल्स को एक्सप्लोर करना न भूलें। यहां हरे-भरे जंगलों में ऊंचाई से गिरती पानी की तेज धार पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

तामिया

प्रकृति की गोद में बसा, तामिया मध्यप्रदेश का छिपा हुआ रत्न है। ये जगह उन लोगों के लिए स्वर्ग है, जो नेचर और एडवेंचर से प्यार करते हैं। 1,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, यह अनोखा हिल स्टेशन शहरी जीवन की हलचल से दूर आपको शांति और सुकून देता है। यहां चट्टानों के किनारों पर ब्रिटिश काल के कुछ घर बने हुए हैं। यहां आकर आप सतपुड़ा रेंज के घने जंगलों के बीच ट्रेकिंग का मजा ले सकते हैं। यहां का तामिया वॉटरफॉल देखने लायक है। इस झरने को 100 मीटर की ऊंचाई से गिरता देख मन बेहद खुश हो जाता है। अगर आप मध्यप्रदेश में छुट्टियां मनाने की सोच रहे हैं, तो तामिया जाकर आप प्रकृति से जुड़ सकते हैं।

चंदेरी

मध्यप्रदेश के जिक्र में अक्सर लोग चंदेरी को भूल जाते हैं। लेकिन यह शहर अपने ऐतिहासिक मूहत्व के लिए जाना जाता है। 656 मीटर की ऊंची पहाड़ी पर बसा चंदेरी विरासत और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा मिश्रण है। इसके अलावा यह शहर चंदेरी की साड़ी और सूटों के लिए भी बहुत मशहूर है। आपको याद हो, तो बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और वरुण धवन की फिल्म सुई धागा की शूटिंग चंदेरी में ही हुई थी। यह शहर चंदेरी साड़ी और सूटों के लिए पूरे भारत में मशहूर है। यहां आने पर चंदेरी किला जरूर देखना चाहिए। इसके अलावा आप प्राचीन स्मारकों और महलों से घिरी घुमावदार गलियों में घूमकर शहर की समृद्ध सांस्कृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

मांडू

मांडू मध्यप्रदेश का एक अन्य ऑफबीट डेस्टिनेशन है। हर साल हजारों लोग छुट्टियों में यहां आते हैं। विंध्य पर्वत श्रृंखला पर बसा मांडू छठी शताब्दी के वास्तुशिल्प से सजा है। मांडू का किला बीते युग की कहानियां सुनाता है। वहीं राजसी जहाज महल समुद्र के बीच तैरता हुआ लगता है और रूपमती का मंडप नर्मदा घाटी का मनोरम दृश्य पेश करता है। यहां आने पर सनसेट पॉइंट से आप सूर्यास्त का अद्भुत नजारा भी देख सकते हैं।

अमरकंटक

मैकाल पहाड़ियों की हरी-भरी हरियाली के बीच स्थित, अमरकंटक एक शांत हिल स्टेशन है। इसे मध्यप्रदेश का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल भी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह पवित्र नदियों नर्मदा, सोन और जोहिला का सोर्स है, जिससे इसका आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। यहां नर्मदा मंदिर और प्राचीन कपिलधारा झरना देखने लायक जगह है। बताया जाता है कि इन्हें ऋषि कपिला द्वारा पवित्र किया गया था। सेल्फ डिस्कवरी के शौकीन लोगों को एक बार यहां जरूर आना चाहिए।

दक्षिण भारत में घूमने वाले प्रमुख पर्यटन स्थल

कोच्चि, केरल

दक्षिण भारत के प्रसिद्ध स्थानों में शामिल पर्यटन स्थल भारत के केरल राज्य में द्वीपों की एक लंबी श्रृंखला देखी जा सकती है। ये शहर दक्षिण भारत में अकेले घूमने के साथ-साथ दक्षिण भारत में एक लोकप्रिय पारिवारिक डेस्टिनेशन के रूप में भी सूचीबद्ध है। इसके अलावा यहां केरल के स्वादिष्ट व्यंजनों को भी जरूर चखें। फोर्ट कोच्चि, चेराई बीच, मट्टनचेरी पैलेस, सेंट फ्रांसिस सीएसआई चर्च, परदेसी सिनेगॉग आदि यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। आप यहां अक्टूबर से फरवरी के बीच घूमने के लिए जा सकते हैं।

हैदराबाद, तेलंगाना -

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद, एक खूबसूरत शहर के दृश्य के साथ निज़ामों के समृद्ध इतिहास को भी दिखाता है। यहां की रामोजी फिल्म सिटी भी पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। हैदराबाद बिरयानी और चारमीनार के लिए ज्यादा प्रसिद्ध है। गोलकुंडा किला, सालार जंग संग्रहालय, हुसैन सागर झील, चौमहल्ला पैलेस, रामोजी फिल्म सिटी आदि यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। यहां घूमने के लिए अक्टूबर से फरवरी बेस्ट टाइम है।

कूर्ग, कर्नाटक

घने पहाड़ों और धुंध से घिरा कूर्ग प्रकृति प्रेमी के लिए स्वर्ग है। कर्नाटक का यह छोटा सा शहर अपने विविध वनस्पतियों और जीवों और सुगंधित मसालों और कॉफी के बागानों के लिए जाना जाता है। झरने और ट्रैकिंग मार्गों से लेकर किलों और मंदिरों तक, कुर्ग में घूमने के लिए बहुत कुछ है। यहां कई तिब्बती बस्तियां भी देखी जा सकती है। कूर्ग के दर्शनीय स्थलों में घूमने के अलावा, संस्कृति, स्वादिष्ट भोजन आदि का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। कूर्ग में घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच है। अभय जलप्रपात, इरुप्पु जलप्रपात, तडियांदामोल शिखर, नामद्रोलिंग मठ, नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान आदि यहां के प्रमुख आकर्षण हैं।

हम्पी, कर्नाटक

हम्पी दक्षिण भारत में घूमने के लिए शीर्ष स्थानों में से एक है। विश्व धरोहर स्थल अपने शानदार खंडहरों के साथ पर्यटकों को 15वीं और 16वीं शताब्दी के इतिहास में ले जाता है। विरुपाक्ष मंदिर, मतंगा हिल, हेमकुटा हिल मंदिर, विजया विट्ठल मंदिर, हम्पी वास्तुकला के खंडहर, अच्युतराय मंदिर, कदलेकलु गणेश आदि यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। हम्पी जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी के बीच है।

बैंगलोर, कर्नाटक

झीलों, बगीचों, आईटी और स्टार्टअप्स का शहर बैंगलोर में घूमने के लिए बहुत कुछ है। दिन के दौरान, आप यहां खूबसूरत महल, बगीचे और खरीदारी करने के लिए बाजार जा सकते हैं। मॉडर्न सिटी होने के साथ यह शहर की प्राचीन विरासत और वास्तुकला को भी प्रदर्शित करता है। रात में आप यहां बियर कैफे, रेस्टोरेंट आदि में मस्ती करने के लिए जा सकते हैं। बैंगलोर पैलेस, कब्बन पार्क, लालबाग बॉटनिकल गार्डन, बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क, टीपू सुल्तान का समर पैलेस यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। यहां आप अक्टूबर से फरवरी के बीच घूम सकते हैं।

मैसूर, कर्नाटक

अपनी शाही जीवन शैली के लिए जाना जाने वाला मैसूर एक मनमोहक शहर है। यह अपने शानदार स्मारकों और प्राचीन भवनों से भरपूर है। मैसूर पैलेस, भारत में दूसरा सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल माना जाता है। मैसूर की समृद्ध परंपराएं और मसाला बाजार भारत और दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। मैसूर पैलेस, मैसूर चिड़ियाघर, किष्किंधा मूलिका बोनसाई गार्डन, वेणुगोपाल स्वामी मंदिर, जगनमोहन पैलेस आदि यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। जुलाई से फरवरी यहां घूमने का सबसे अच्छा समय है।

इलेक्ट्रिक वाहनों का भारत में भविष्य?

EVs को लेकर A to Z जानकारी

EVs पर्यावरण के लिए जरूरी

इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से पर्यावरण पर बुरा प्रभाव कम होता है. इनमें इंटरनल कंबस्शन इंजन की तरह धुएं या शोर नहीं होता है, जिससे वायु प्रदूषण का स्तर नियंत्रित रहता है. साथ ही, इन्हें बिजली द्वारा चालित किया जाता है, जो यथार्थवादी ऊर्जा स्रोतों के साथ जुड़ा होने पर, पर्यावरण को अधिक हानि पहुंचाते हुए भी, उत्पन्न होने वाले विषाणुक की मात्रा कम कर सकता है. विश्वभर में सरकारें इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में जुटी हुई हैं. ऐसे कई देश आर्थिक इंसेंटिव्स, छूट, और अन्य योजनाएं शुरू कर रहे हैं जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उत्पादन और खरीद पर कार्रवाई करने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित कर रहे हैं.

भारत सरकार EVs को लेकर दे रहा प्रोत्साहन

भारत में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिल रहा है. विभिन्न ऑटोमोबाइल कंपनियाँ और सरकारी नीतियों के प्रोत्साहन से इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग लोगों के बीच बढ़ रहा है. बढ़ते पर्यावरण संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है ताकि उनसे जुड़े लोगों को इनके उपयोग से होने वाले लाभ का अनुभव हो सके. इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के फायदे न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं, बल्कि व्यक्तियों के वाहन चलाने के खर्चों में भी कमी लाते हैं. इलेक्ट्रिक वाहन उपायोगिता में बेहतर होने से उनके चालन और रखरखाव के खर्चों में कमी होती है, जिससे उपयोगकर्ता को लाभ होता है.

EVs को लेकर कुछ महत्वपूर्ण जानकारी

1. वायु प्रदूषण कम करना: इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग विद्युत शक्ति स्रोतों पर आधारित होता है, जो कि विद्युतीकरण के बदले जलाने वाले इंजन के बारे में कम गुस्सा करते हैं. इससे नागरिकों के निकट बसे इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर कम होता है, जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य भी सुधारता है.

2. ऊर्जा खर्च कम: इलेक्ट्रिक वाहनों के चालन और रखरखाव के खर्च अधिकतर अनुभवते हैं कि विभिन्न विद्युतीकरण के खर्चों से कम होते हैं. सामान्यतः इन वाहनों का चार्जिंग घरेलू विद्युतीकरण से होता है जो कि बिजली के खर्च को उचित बनाता है.

3. सुचारु रखरखाव: इलेक्ट्रिक वाहनों में इंटरनल कंबस्शन इंजन की तुलना में कम चलने और गरम होने वाले हिस्सों की आवश्यकता नहीं होती है. इससे यातायात और रखरखाव के खर्चों में कमी होती है और वाहनों का दुर्बलता स्तर भी कम होता है.

4. खुदरा ऊर्जा स्वतंत्रता: इलेक्ट्रिक वाहन विद्युतीकरण के जरिए चलते हैं, जिससे पेट्रोल या डीजल जैसी खुदरा ऊर्जा की आवश्यकता नहीं होती है. इससे एक राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा स्वतंत्रता की स्थिति पैदा हो सकती है और देश

को ऊर्जा संबंधी नियंत्रण में आने वाली खतरों से बचाया जा सकता है.

5. बैटरी प्रौद्योगिकी में सुधार: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में होने वाले सुधारों से इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में भी सुधार हो रहा है. बैटरी प्रौद्योगिकी में होने वाले नए विकसित और प्रदर्शन को बेहतर बनाने से इन वाहनों की दूरी और चार्जिंग का समय भी बढ़ रहा है. इस प्रकार, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से संबंधित विभिन्न लाभ हैं जो पर्यावरण, आर्थिक, और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं. यदि लोग इन वाहनों के उपयोग के प्रति अधिक सक्रिय ह आप बिलकुल सही हैं, इलेक्ट्रिक वाहनों के संबंध में और भी कई रोचक तथ्य हैं. नीचे कुछ और जानकारी दी गई है:

6. स्वच्छ और शांत चालन: इलेक्ट्रिक वाहनों में इंटरनल कंबस्शन इंजन की तुलना में कोई बिजली वाला इंजन नहीं होता है, जिससे वे चुपचाप और शांतिपूर्वक चलते हैं. ये शांतता के साथ स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करने का मतलब है.

7. बढ़ते बैटरी लाइफ: बैटरी प्रौद्योगिकी में होने वाले सुधारों से इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी लाइफ भी बढ़ रही है. यह बैटरी तकनीक ने इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को अधिक सुचारु और विश्वसनीय बना दिया है.

8. वित्तीय लाभ: इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए कुछ देशों में आर्थिक इंसेंटिव्स और सब्सिडी प्रदान की जाती है. इससे लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीद पर आकर्षित किया जा रहा है और इससे इन वाहनों के प्रचार-प्रसार में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है.

9. टेक्नोलॉजी के संबंध में सुधार: इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के साथ-साथ टेक्नोलॉजी में भी सुधार हो रहे हैं. स्वचालित गाड़ियों (autonomous vehicles) के विकसित होने से यातायात का नियंत्रण और सुरक्षा बेहतर हो रहा है.

10. नौकरियों की सृजनशीलता: इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन, बिक्री, और सेवा क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं. नई टेक्नोलॉजी और विद्युतीकरण के साथ संबंधित नौकरियों का उदय होने से लोगों को नए करियर के माध्यम से आर्थिक समृद्धि का मौका मिल रहा है.

11. कम परिचालन लागत: पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों की परिचालन लागत कम होती है. उन्हें कम रखरखाव की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके चलने वाले हिस्से कम होते हैं और तेल बदलने की आवश्यकता नहीं होती है. इसके परिणामस्वरूप वाहन मालिकों को समय के साथ महत्वपूर्ण बचत हो सकती है.

12. ध्वनि प्रदूषण में कमी: इलेक्ट्रिक वाहन अपने पारंपरिक समकक्षों की तुलना में अधिक शांत होते हैं, जो शहरी क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण को कम करने में योगदान करते हैं. इससे पैदल चलने वालों और ड्राइवरों दोनों के लिए अधिक शांतिपूर्ण और सुखद वातावरण बन सकता है.

13. रेंज में सुधार: बैटरी प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, इलेक्ट्रिक वाहनों की रेंज लगातार बढ़ रही है. आधुनिक इलेक्ट्रिक कारें अब एक बार चार्ज करने पर लंबी दूरी तय कर सकती हैं, जिससे वे रोजमर्रा के उपयोग और यहां तक कि लंबी दूरी की यात्राओं के लिए भी अधिक व्यावहारिक हो गई हैं.

14. चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार: दुनिया भर में सरकारें और निजी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या का समर्थन करने के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार में निवेश कर रही हैं. चार्जिंग स्टेशनों का यह नेटवर्क इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए महत्वपूर्ण है.

15. हरित अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन: इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बदलाव से हरित अर्थव्यवस्था में नई नौकरियों का सृजन हुआ है. विनिर्माण और अनुसंधान से लेकर चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना और रखरखाव तक, इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है.

16. उन्नत ऊर्जा दक्षता: इलेक्ट्रिक वाहन आंतरिक दहन इंजन वाहनों की तुलना में अधिक ऊर्जा-कुशल होते हैं, क्योंकि वे ग्रिड से ऊर्जा के उच्च प्रतिशत को पहियों पर बिजली में परिवर्तित करते हैं. इस बेहतर दक्षता से ऊर्जा की बर्बादी कम होती है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आती है.

17. सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव: हानिकारक टेलपाइप उत्सर्जन को कम करके, इलेक्ट्रिक वाहन बेहतर वायु गुणवत्ता में योगदान करते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. वायु प्रदूषकों का निम्न स्तर श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे समुदायों की समग्र भलाई को लाभ होगा.

18. ड्राइविंग अनुभव: इलेक्ट्रिक वाहन तत्काल टॉर्क और स्मूथ एक्सेलेरेशन प्रदान करते हैं, जिससे एक अनोखा और सुखद ड्राइविंग अनुभव मिलता है. कई इलेक्ट्रिक कार मालिक इन वाहनों की शांत और प्रतिक्रियाशील प्रकृति की सराहना करते हैं.

19. चार्जिंग विकल्प: इलेक्ट्रिक वाहनों को विभिन्न तरीकों का उपयोग करके चार्ज किया जा सकता है, जैसे घरेलू चार्जिंग स्टेशन, सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन और यहां तक कि सौर ऊर्जा से चलने वाले चार्जर भी. यह लचीलापन वाहन मालिकों को उनकी जरूरतों के आधार पर अपनी कारों को चार्ज करने की सुविधा और विकल्प प्रदान करता है.

20. नवीकरणीय ऊर्जा के लिए समर्थन: इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास के साथ-साथ चलता है. जैसे-जैसे अधिक इलेक्ट्रिक वाहन सड़कों पर उतर रहे हैं, स्वच्छ ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, जिससे स्थायी ऊर्जा भविष्य में परिवर्तन को बढ़ावा मिल रहा है.

भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार

वर्तमान समय में भारत में लगभग 1.23 बिलियन इलेक्ट्रिक वाहन है, तथा 0.2 बिलियन चार्जिंग स्टेशन हैं.भारत के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का आकार 2030 तक 152.21 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है.2021 से 2030 तक बाजार में 94.4% की सीएजीआर से विस्तार होने की उम्मीद है (पीआर न्यूज़ वॉयर के सर्वेक्षण के अनुसार) .इस प्रकार यह भारत के सर्वाधिक तीव्र वृद्धि वाले क्षेत्रकों में से एक है.अमेज़न, स्विगी और ज़ोमैटो जैसी कंपनियाँ अपने डिलीवरी कार्यों के लिये इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का प्रयोग कर रहीं वहीं भारत के बड़े उद्योगपति समूह महिंद्रा एवं टाटा इलेक्ट्रिक व्हीकल में अपने कदम बढ़ा रहे हैं.सरकार द्वारा निरंतर पर्यावरणीय क्षेत्र में किया जाने वाला सुधार भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स हेतु एक अच्छा अवसर उत्पन्न कर रहा है.सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ाने हेतु किये जा रहे प्रयास भारत उन गिने-चुने देशों में से है जो वैश्विक EV30@30 अभियान का समर्थन करते हैं, जिसका लक्ष्य 2030 तक नए वाहनों की बिक्री में कम से कम 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यरत हैं.भारत सरकार द्वारा उत्पादन के लिए 10,000 करोड़ रुपये की लागत वाली रीमॉडेल्ड फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (FAME II) योजना चलाई जा रही है. हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माताओं के लिए ऑटो और ऑटोमोटिव घटकों के लिए 25,938 करोड़ रु के लागत वाली पीएलआई योजना आरम्भ की गई है.

ऑनलाइन शॉपिंग बनाम इन-स्टोर शॉपिंग: फायदे और नुकसान

आज के समय ऑनलाइन शॉपिंग काफी चलन मे है क्योंकि ये आसान और सरल है जो वस्तु हमें मार्केट मे 10 चक्कर लगाने के बावजूद नहीं मिलती वो ऑनलाइन कुछ मिनट मे मिल जाती है ।ऑनलाइन शॉपिंगउन बाजारों में भीड़ को कम कर रही है जो आमतौर पर पहले देखे जाते थे। यह विभिन्न विकल्पों की पेशकश के साथ, ग्राहक के पैसे और समय दोनों को बचाता है।ऑनलाइन खरीदारी हमारे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकले बिना वस्तुओं का चुनाव करने का सबसे बेहतर तरीका है। आज ऑनलाइन शॉपिंग के माध्यम से कोई भी वस्तु खरीद सकते है यहां सभी चीजों के भंडार है लेकिन जिस प्रकार किसी भी वस्तु के फायदे और नुकसान दो नियम होते है। ठीक उसी तरह ऑनलाइन शॉपिंग के भी दो रूप है एक नुकसान और एक फायदा

ऑनलाइन शॉपिंग करने के फायदे

ऑनलाइन शॉपिंग है सुविधाजनक

ऑनलाइन शॉपिंग ये काफी सरल और सुविधाजनक है व्यक्ति घर मे बैठे-बैठे अपने कंप्यूटर या मोबाइल से अपनी पसंद की चीज मिनटों मे आर्डर कर सकते है। आर्डर करने के बाद ना तो आपको सड़क के जाम मे फंसने का डर रहेगा ना मौसम की चिंता करनी है जो वस्तु आपने आर्डर की है उस कंपनी का डिलीवरी बॉय आपके घर पर सुरक्षित आपको आपका आर्डर दे कर जायेगा.

भारी डिस्काउंट व कैशबैक

आज ऑनलाइन शॉपिंग की इंटरनेट पर काफी वेबसाइट है इस कारण सभी मे प्रतिस्पर्धा बनी रहती है और इसका सीधा फायदा कस्टमर को होता है। सभी ऑनलाइन साइट्स ग्राहक को अपनी और खींचने के लिए अपने प्रोडक्ट पर भारी छूट देती है और समय समय पर प्रोडक्ट पर कैशबैक ऑफर दे कर भी ग्राहकों को लुभाती है। इन ऑफर का फायदा आप त्योहारों के समय ज्यादा उठा सकते है.

क्या है ऑनलाइन शॉपिंग के फायदे व नुकसान

हर तरह की वस्तु की उपलब्ता

कई बार ऐसा होता है की हमें मार्केट मे हमारी पसंद की वस्तु नहीं मिल पाती और वो ऑनलाइन आसानी से मिल जाती है। ऑनलाइन आप एक ही साइट्स से कई प्रकार के सामान खरीद सकते है। आपको जो वस्तुलेनी है वो आप उसे अच्छे से जांच सकते है और फिर उसे आर्डर कर सकते है.

पुराने सामान खरीदने व बेचने की सुविधा

हमारे घर मे ऐसी कई वस्तुएं है जो सालो से एक कोने मे पड़ी है इन्हें हम ऑनलाइन भी बेच सकते है आज इंटरनेट पर ऐसी कई वेबसाइट है जो पुराना सामान खरीदती है । उसके एवज मे आपको उचित पैसे भी देती है।

मार्केट मे ना मिलने वाली वस्तुओं का मिलना

कई बार ऐसा होता है की हमें कोई प्रोडक्ट अपने आस पास की दुकानों पर नहीं मिल पाता और मिलता भी है तो काफी महंगा दे रहा हो वो वस्तु आप ऑनलाइन आसानी से मिल जाती है वो भी उचित दाम मे आज ऑनलाइन शॉपिंग मे कई बड़ी कंपनिया काम कर रही है कुछ वेबसाइट है जो हम आपके साथ शेयर कर रहे है - Amazon , Flipkart, Snapdeal , Myntra.

ऑनलाइन शॉपिंग करने के नुकसान

शिपिंग चार्जवसूलना

जब हम ऑनलाइन सामान खरीदते है तब उस समय कंपनी उस वस्तु पर शिपिंग चार्ज लगा देती है और हमसे एक्स्ट्रा पैसा वसूल लेती है। आज ऑनलाइन बाजार का लूटने का एक तरीका है वहीं वस्तु ख़रीदे जिस पर शिपिंग चार्ज नहीं लग रहा हो.

ऑनलाइन वस्तु की पूरी तरह ना जांच ना कर पाना

अगर हम कोई भी वस्तु ऑनलाइन शॉपिंग करते है तब हम केवल फोन मे उसकी फोटोज देख सकते है। ऑनलाइन शॉपिंग मे व्यक्ति उस वस्तु की गुणवत्ता और मात्रा का अंदाज नहीं लगा सकता इसी वजह से कई बार ग्राहक को ज्यादा पैसे खर्च करने के बावजूद उसके मूल्य की वस्तु नहीं मिल पाती ऑनलाइन शॉपिंग मे व्यक्ति अपने आर्डर को पैसे देकर ही छू सकता है और उसकी जांच कर सकता है.

दुकान की बिक्री बढ़ाने के 5 आसान उपाय -

3. ऑनलाइन शॉपिंग में धोखाधड़ी

जब हम ऑनलाइन शॉपिंग करते है तब इंटरनेट का उपयोग करते है। लेकिन कुछ ही वेबसाइट होती है जो ऑनलाइन कस्टमर को सही प्रोडक्ट देती है कई ऐसी फेक वेब साइट्स होती है जिसे हम पहचान नहीं पाते जो अपने प्रोडक्ट की रेट काफी कम दिखाती है और कस्टमर को अपनी और आकर्षित करती है कम रेट के लालच मे मे हम उसे खरीद लेते है और हम ठगी का शिकार हो जाते है.

प्रोडक्ट का समय पर नहीं पहुंचना

ऑनलाइन शॉपिंग मे ये सबसे बड़ी प्रॉब्लम है जिस वस्तु की आपको आज जरुरत है वो ऑनलाइन तरीके से आज नहीं मिल पाती वो आपको 3 से 4 दिन बाद मिलती है और कई बार जो व्यक्ति कुरियर देने आता है उसको कई बार उसे आपका एड्रेस ही नहीं मिल पाता कई बार हम काम से कही चले जाते है डिलीवरी बॉयघर आता है इसमें हमें काफी प्रॉब्लम होती है.

Cold Drinks का व्यवसाय कैसे करे? Soft Drinks से कमाए लाखो रुपये

आज हमारे देश भारत मे ही नहीं बल्कि विदेश मे भी सभी जगह लोग Cold Drinks को ज्यादा पसंद करते है। आज एक छोटे बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्ग तक सभी Cold Drinks लेते है। हमारे देश मे कही विदेशी कंपनीयो की Cold Drinks मिलती थी लेकिन बॉयकोट चाइना के मुद्दे के कारण अब लोग विदेशी से ज्यादा स्वदेशी कोल्ड ड्रिंक को पसंद करने लगे है। आज लोग सिर्फ गर्मियों के सीजन मे ही नहीं बल्कि 12 साल कोल्ड ड्रिंक का इस्तेमाल करते है। यही बात ध्यान मे रखते हुए यदि आप Cold Drinks का व्यवसाय शुरू कर लेते है तो काफी अच्छी कमाई कर सकते है।

यह व्यवसाय को आप दो तरीके से कर सकते है। (1) Cold Drinks की दुकान खोलकर (2) Cold Drinks बनाकर. तो आज हम इस लेख मे कोल्ड ड्रिंक बनाकर बेचने तक की पूरी जानकारी प्रदान करेंगे। वो भी अपने घर बैठे ! तो इस लेख को ध्यान से पढे और Soft Drinks से लाखो रुपये कैसे कमाए जाते है इसे समझे।

घर बैठे Cold Drinks का व्यवसाय कैसे शुरू करे?

घर बैठे Cold Drinks का व्यापार करना बहुत सरल है। लेकिन इस व्यवसाय को स्टार्ट करने के लिए कही बातों का ध्यान रखना पड़ता है। जैसे की कानूनी तौर पर व्यवसाय का रजिस्ट्रेशन, मिनरल पानी का इस्तेमाल, कोल्ड ड्रिंक्स बनाने के लिए खरीदा गया पाउडर की गुणवत्ता, योग्य बोतल पेकिंग आदि। यह व्यवसाय मे सफलता प्राप्त करने के लिए बाकी व्यवसायो की तरह अच्छी प्लानिंग करनी होगी। इसमे ब्रांड का नाम, इनवेस्टमेंट, मार्केटिंग और बिक्री को शामिल कर सकते है। लेकिन कैसे करे प्लानिंग? इस सवाल का जवाब जानने के लिए नीचे दिये गए कदमो का पालन करे।

Cold Drinks की बाजार मे मांग को खोजे

कोल्ड ड्रिंक्स का व्यापार करने के लिए सर्व प्रथम आपको अपने इलाके मे जाकर कोल्ड ड्रिंक्स की मांग को समझना है। गर्मियों की सीजन मे लोग कोल्ड ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद करते है। अनुसंधान करना है की कोनसा कोल्ड ड्रिंक लोग ज्यादा पसंद कर रहे है। इसके साथ यह भी जानना है की कोनसे सॉफ्ट ड्रिंक मे ज्यादा मुनाफा मिलता है। इसके अलावा आप नजदीकी पार्टियो, शादियो जैसे प्रसंगो मे जाकर भी cold drinks की मांग को समझ सकते है। इससे आपको अंदाजा लग जाएगा की किन ड्रिंक्स की मांग ज्यादा है, मुनाफा ज्यादा है और किस समय किस ड्रिंक की मांग ज्यादा रहने वाली है।

Cold Drinks Business के लिए लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन

अपने ग्राहको का विश्वास टिकाने के लिए और कानूनी कार्यवाही को पूर्ण करने के लिए अपने बिजनेस का रजिस्ट्रेशन करवाना अति आवश्यक है। इसके बिना आप कोल्ड ड्रिंक्स का व्यापार नहीं कर सकते। यदि शुरूकर भी देते है तो भविष्य मे आप और आपके व्यापार पर प्रोब्लेम खड़ी हो सकती है। कही किस्सो मे आपको जेल भी हो सकती है। रजिस्ट्रेशन करवाना और लाइसेंस लेना बड़ी बात नहीं है। इसके लिए आप घर बैठे राज्यश्रम विभाग की ओफिशियल वैबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते है। कुछ आवश्यक डॉकयुमेंट जैसे की पैन कार्ड, एड्रैस प्रूफ, फोटो कॉपी की जरूरत पड़ सकती है।

कोल्ड ड्रिंक खाद उत्पाद मे आता है इसलिए आपके पास FSSAI का लाइसेस होना जरूरी है। इसके अलावा सरकार के नियम अनुसार GST का रजिस्ट्रेशन करवाना भी जरूरी है। इसके लिए भी आप घर बैठे ऑनलाइन अप्लाई कर सकते है।

Cold Drinks Business शुरू करने के लिए इनवेस्टमेंट कितना होगा?

आपने रजिस्ट्रेशन करवा लिया, लाइसेस मिल गया तो अब आप बेफिकर से व्यवसाय स्टार्ट कर सकते है। व्यवसाय स्टार्ट करने के लिए अब बात आती है इनवेस्टमेंट की। यह एक नकद पैसे कमाने का व्यवसाय है। इसलिए यह व्यवसाय मे आप बेशक इनवेस्टमेंट कर सकते है। कोल्ड ड्रिंक्स बनाने के लिए मिक्सर मशीन की अवश्यकता होगी जिसकी कीमत 25 से 55 हजार तक हो सकती है। बोटल पेकेजिंग मशीन की जरूरत होगी इसकी कीमत 2 से 3 लाख तक की हो सकती है। इसके अलावा कोल्ड ड्रिंक्स बनाने के लिए सामग्री, कामदारो की सैलरी, बिजली बिल इन सबको मिलाकर 5 से 7 लाख रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ सकता है। बाकीकोल्ड ड्रिंक व्यवसाय मे इनवेस्टमेंट आपके बजट पर आधारित है।

Cold Drinks बनाने के लिए रॉ-मटेरियल

कोल्ड ड्रिंक्स बनाना काफी सरल है। इसे बनाने के लिए सामग्री भी मार्केट मे आसानी से सस्ते दाम मे मिल जाती है।

1। स्वाद के लिए प्रीमिक्स
2। मिठाश लाने के लिए चीनी
3। मिनरल पानी
4। सोडा
5। कोल्ड ड्रिंक पेकिंग के लिए बोतल
6। refrigerator

Cold Drinks के लिए मशीनरी

कोल्ड ड्रिंक के उत्पाद मे दो मशीनरी की आवश्यकता होती है।

मिक्सर मशीन : कोल्ड ड्रिंक का सिरप बनाने के लिए या मशीन काम आता है।

पेकेजिंग मशीन : कोल्ड ड्रिंक्स बनाने के बाद बाजार मे बिकने के लिए बोटल मे पेकिंग करके सील करना पड़ता है। इसके लिए यह मशीन की जरूरत पड़ती है। यह मशीन थोड़ा महंगा आता है लेकिन यह खुद कोल्ड ड्रिंक को बोटल मे भरकर सील लगा देता है। यह पूर्ण तरीके से आटोमेटिक मशीन है।

फ्रीजर : बोटल मे भरे हुए या फिर बनाया हुआ सिरफ की सुरक्षा के लिए फ्रीजर होना जरूरी है। कोल्ड ड्रिंक्स को फ्रीजर मे रखने से जल्दी खराब नहीं होता।

मशीनरी कहासे खरीदे?

कोल्ड ड्रिंक बनाने के लिए मशीनरी आपको इंडिया मार्ट जैसी ऑनलाइन वैबसाइट पर भी मिल जाएगी। वहा आपको रियल प्राइस मे मिल जाएगी। यदि आप ऑफलाइन तरीके से खरीदना चाहते है तो आप नजदीकी मार्केट मे डिस्ट्रीब्यूटर को ढूंढ सकते है और इसके पास मशीनरी खरीद सकते है। कृपया ध्यान रखे की पेकेजिंग मशीन 2 से 3 लाख मे आता है। मिक्सर मशीन 25 से 50 हजार के बिचमे आता है। फ्रीज भी आपको 50000 से 1 लाख रुपये मे पड़ सकता है। इसलिए बिना सोचे समझे ऑनलाइन पेमेंट न करे आपके साथ धोखा भी हो सकता है।

मशीनरी डिस्ट्रीब्यूटर के पास खरीदे तब भी मशीन चेक करके वारंटी के साथ खरीदे।

कोल्ड ड्रिंक्स बनाने के लिए सबसे पहले आपको चीनी की आवश्यकता होगी और सिरप बनवाना होगा।

एक बाल्टी मे चीनी और अलग अलग फ्लेवर वाले प्रीमिक्स पाउडर को मिक्स करना है। लेकिन ध्यान रहे सभी फ्लेवर एक साथ नहीं मिक्स करना। यदि तुम ऑरेंज फ्लेवर का उपयोग कर रहे है तो अलग से सिरप बनवाना होगा। इस तरह जलजीरा, लेमन, मेंगों जैसे फ्लेवर के लिए अलग अलग सिरप तैयार करना होगा।

चीनी और फ्लेवर मिक्स करने के बाद थोड़ा थोड़ा इस मे मिनरल पानी डाले। टेस्ट के अनुसार मिश्रण तैयार करे।

तैयार मिश्रण को मिक्सर मशीन मे डाले और अच्छी तरह मिक्स होने दे और बने हुए सिरप को छान ले।

इस तरह तुम्हारा कोल्ड ड्रिंक्स तैयार हो जाएगा ।

Cold Drinks की पेकिंग कैसे करे?

अब आपके पास कोल्ड ड्रिंक्स बॉकि रेडी है। अब इसे बोटल मे भरने और सील करने का समय आ गया है।

सबसे पहले आपको कोल्ड ड्रिंक्स की जार को आटोमेटिक पेकेजिंग मशीन के साथ जोड़ना है।

इसके बाद इस मशीन मे सोडा भी डालना है।

जिस बोटल मे कोल्ड ड्रिंक भरना है उस बोटल को मशीन मे रखना है।

आधुनिक मशीन के जरिये सोडा डालने के बाद बोटल मे सिरप भी भर जाएगा और पेकिंग ब्लॉक मे बोटल चली जाएगी।

बोटल सील होने के बाद आप उस पर अपनी ब्रांड का लेबल लगा सकते है।

उसके बाद बोटल को फ्रीजर मे रखे ताकि खराब न हो।

पेकिंग और सील होने के बाद आप cold Drinks को बाजार मे बेच सकते है।

Cold Drinks की बिक्री कहा और कैसे करे?

कोल्ड ड्रिंक की बिक्री आप कही प्रकार से कर सकते है। जैसे की घरबैठे व्यापारी बनकर, दुकान खोलकर या फिर कोल्ड ड्रिंक्स डिस्ट्रिब्यूटर बनकर। यदि आप इस व्यापार को घर बैठे करना चाहते है तो अन्य लागतो से बच जाओगे। यह व्यापार को आप शहर मे या किसी मार्केट मे करना चाहते है तो आपको दुकान लेने की जरूरत पड़ सकती है। शुरुआत मे यह व्यवसाय मे थोड़ी मंदी रहेगी क्योकि मार्केट मे पहले से ही कही ब्रांड मौजूद होगी। लेकिन थोड़े महीने के बाद आपका भी व्यवसाय चलना शुरू हो जाएगा। नजदीकी इलाको मे अपने कोल्ड ड्रिंक व्यापार के बारे मे बताकर बिक्री की शुरुआत कर सकते है। गर्मियों की सीजन मे एक किराना दुकान वाला भी कोल्ड ड्रिंक का व्यापार करने लगता है। ऐसे लोगो से आप संपर्क करके बिक्री कर सकते है।

स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ (SSI) रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, सुविधाएँ और

स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ (SSI) ऐसे व्यवसाय हैं जो छोटे स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग, उत्पादन और सेवाएं प्रदान करती हैं। स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ में मशीनरी उद्योगों में अधिकतम निवेश 1 करोड़ रु. से अधिक नहीं हो सकता है। स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ को भारत सरकार के दिशानिर्देशों के तहत आना चाहिए। SSI को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। SSI रोज़गार के अवसरों को बढ़ाने में भी मदद करते हैं क्योंकि अधिकांश SSI श्रम आधारित होते हैं।

स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ (SSI) रजिस्ट्रेशन

स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ मंत्रालय की सहायता से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSMEs) स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की सुविधा प्रदान करता है। कई सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए SSI रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना आवश्यक है। रजिस्ट्रेशन नम्बर प्राप्त करने के लिए SSI रजिस्ट्रेशन फॉर्म ऑनलाइन उपलब्ध है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास मंत्रालय (MSMED) अधिनियम, 2006 के अनुसार, MSME को दो प्रकारों में बाँटा गया है:

मैन्यूफैक्चरिंग
सर्विस

भारत में स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

स्टेप 1: सभी आवश्यक जानकारी प्रदान करके रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें और निर्देशों का पालन करें (जैसा कि होम पेज पर एप्लीकेशन फॉर्म को पूरा करने के लिए उल्लेख किया गया है)

स्टेप 2: फॉर्म भरने के बाद, आवेदन जमा करने और रजिस्ट्रेशन शुल्क का भुगतान करने के लिए 'Validate and Pay' पर क्लिक करें

स्टेप 3: भुगतान और फ़ॉर्म जमा होने के बाद, एक ऐजेंट आपके आवेदन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा

स्टेप 4: आवेदन स्वीकृत होने के बाद, आपको ईमेल के माध्यम से ऑनलाइन SSI रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्राप्त होगा

नोट: SSI रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट की वैलिडीटी लाइफटाइम होती है

रजिस्ट्रेशन फॉर्म में 21 चीज़े ऑनलाइन भरी जाती हैं, जिसमें आवेदक का आधार कार्ड नंबर, नाम, सामाजिक श्रेणी, जेंडर, शारीरिक रूप से विकलांग, व्यवसाय का नाम, संगठन का प्रकार और पैन न०। इसके अलावा प्लांट का स्थान, कार्यालय का पता, आवेदक का मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी, व्यवसाय की शुरुआत की तारीख, बैंक खाता न०, IFSC कोड, व्यावसायिक गतिविधि, एनआईसी 2 अंकों का कोड, व्यापार के बारे में अतिरिक्त विवरण, कर्मचारियों की संख्या, निवेश शामिल हैं। संयंत्र और मशीनरी में राशि और अंत में आवेदक का आधार कार्ड अटैच किया जाता है।

SSI रजिस्ट्रेशन के लाभ

SSI रजिस्ट्रेशन के बाद फंड प्राप्त करने में आसानी होती है

SSI रजिस्ट्रेशन के बाद SSI विभिन्न टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं

SSI इकाइयों को 15 वर्ष तक के न्यूनतम वैकल्पिक टैक्स (MAT) के लिए लोन देने की अनुमति दी गई है

केवल SSI को कुछ सरकारी टेंडर्स की अनुमति है

एक बार एक स्थायी रजिस्ट्रेशन प्राप्त करने के बाद सरकारी लाइसेंस और सर्टिफिकेट हासिल करना आसान हो जाता है

चूंकि कई रियायतें और छूट उपलब्ध हैं, इसलिए उद्योग स्थापित करने की लागत कम हो जाती है

स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ (SSI) की विशेषताएं

स्वामित्व: आमतौर पर छोटे पैमाने के निर्माण उद्योगों में एक एकल स्वामित्व होता है या यदि आवश्यक हो, तो कुछ व्यक्तियों के साथ पार्टनरशिप

नियंत्रण: उद्योग का नियंत्रण स्वयं मालिक के पास होता है, जो नियमित व्यावसायिक गतिविधियों में मालिक की सक्रिय भागीदारी के लिए मुख्य होता है

श्रम का अधिक उपयोग: SSI में टेक्नोलॉजी का उपयोग नाममात्र होता है। उत्पादन गतिविधियों के लिए श्रम का अधिक उपयोग होता है।

शॉर्ट रीच: छोटे स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग में ऑपरेशन्स बड़े पैमाने पर नहीं होता है। इसलिए, वे केवल क्षेत्रीय मांग को पूरा करने में सक्षम होते हैं।

बदलाव संभव: चूंकि यूनिट आकार में तुलनात्मक रूप से छोटी होती हैं, इसलिए गतिशील वातावरण के अनुसार बदलना उनके लिए अधिक संभव है।

संसाधन: स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ उन स्थानों पर स्थित हैं जहाँ संसाधन आसानी से उपलब्ध हैं। यह निर्माता के लिए परिवहन लागत को कम करता है और संसाधनों का उपयोग भी कुशल है।

भारत में स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ (SSI) की लिस्ट

यहां, हम कुछ स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ों की लिस्ट पर एक नज़र डालते हैं जिन्हें आप कम निवेश के साथ काम कर सकते हैं:

बेसिक मेटल इंडस्ट्रीज
पेय पदार्थ, तम्बाकू और तम्बाकू उत्पाद
रासायनिक उत्पाद
सूती कपड़ा
इलेक्ट्रिकल मशीनरी और पार्ट्स
फूड प्रोडक्ट्स
होज़री और गारमेंट्स –
जूट, हेम्प और मेस्ता कपड़ा
चमड़ा उत्पाद
इलेक्ट्रिकल सामानों को छोड़कर मशीनरी और पार्ट्स
धातु उत्पाद
विविध विनिर्माण उद्योग
गैर-धातु खनिज उत्पाद
कागज़ उत्पाद और प्रिंटिंग
मरम्मत सेवाएँ
रबड़ और प्लास्टिक
परिवहन उपकरण और पार्ट्स
ऊन, रेशम, सिंथेटिक फाइबर कपड़ा

SSI निम्नलिखित प्रोडक्ट्स के सप्लायर होते हैं:

घरेलू बर्तन
होज़री का सामान, शीट मेटल का सामान
चमड़ा और चमड़े का सामान
पेंट और वार्निश
प्लास्टिक और रबड़ का सामान
संरक्षित खाद्य पदार्थ और सब्जियां
रेडीमेड कपड़े
माचिस
स्टेशनरी आइटम – साबुन और डिटर्जेंट
टूथपेस्ट और टूथपाउडर
लकड़ी और स्टील फर्नीचर

स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़ (SSI) में क्या समस्याएं होती हैं?

अपर्याप्त फाइनेंस
मार्केटिंग सहायता का अभाव
टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन में कमी
कच्चे माल की कमी
क्षमता का आंकलन
आयात और निर्यात में कठिनाई
मैनेजमेंट की समस्याएं
इंफ्रास्ट्रक्चर

संबंधित सवाल

प्रश्न.SSI रजिस्ट्रेशन का प्राथमिक उपयोग क्या है?

उत्तर: SSI रजिस्ट्रेशन का उपयोग सरकार से रियायतें और छूट प्राप्त करने में किया जा सकता है।

प्रश्न.SSI द्वारा कितना अधिकतम निवेश किया जा सकता है?

उत्तर: SSI के लिए 1 करोड़ रु. की अधिकतम निवेश की अनुमति है।

प्रश्न.क्या मैं SSI को ऑनलाइन रजिस्टर कर सकता हूं?

उत्तर: हाँ, आप ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर और आवेदन फॉर्म भर के व जमा कर के SSI ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

प्रश्न.क्या SSI रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है?

उत्तर: MSME प्रावधानों के दायरे में आने वाली व्यावसायिक इकाई को SSI के तहत रजिस्ट्रेशन करने के लिए अनिवार्य नहीं किया गया है। रजिस्ट्रेशन स्वैच्छिक होता है।

बिज़नेस लोन

बैंक और NBFC स्व-रोज़गार व्यक्तियों, MSME उधारकर्ताओं, सेल्फ एंप्लॉएड पेशेवरों आदि को अपने बिज़नेस या उससे संबंधित गतिविधियों को फाइनेंस करने के लिए सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड बिज़नेस लोन प्रदान करते हैं। वहीं पैसाबाज़ार के माध्यम से आवेदक टॉप लेंडर्स द्वारा ऑफर की जाने वाली बिज़नेस लोन की विशेषताओं और ब्याज दरों की तुलना कर सकते हैं। साथ ही, आवेदक अपनी क्रेडिट प्रोफाइल के आधार पर बेस्ट बिज़नेस लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बिज़नेस लोन क्या है?

बिज़नेस लोन एक ऐसी क्रेडिट फैसिलिटी है, जो स्व-रोज़गार व्यक्तियों, स्व-स्वरोज़गार पेशेवरों, निजी कंपनियों और पार्टनरशिप फर्मों, MSME आदि को उनकी वर्किंग कैपिटल की ज़रूरतों, कैपिटल एक्सपेंडिचर और अन्य बिज़नेस संबंधित गतिविधियों को पूरा करने के लिए दी जाती है।

बिज़नेस लोन की ब्याज दरें

बिज़नेस लोन की ब्याज दरें आवेदक की क्रेडिट प्रोफाइल, बिज़नेस के प्रकार, आवेदक द्वारा ली गई लोन सुविधा और आवेदक द्वारा गिरवी रखे गए कोलैटरल/सिक्योरिटी के प्रकार के आधार पर एक बैंक/NBFC से दूसरे में अलग हो सकती हैं।

बिज़नेस लोन EMI कैलकुलेटर

आवेदक बिज़नेस लोन ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल कर अपने बिज़नेस लोन की ईएमआई और कुल ब्याज लागत का पता लगा सकते हैं। इसके लिए नीचे दिए गए कैलकुलेटर में उन्हें बिज़नेस लोन की ब्याज दरें, लोन राशि और लोन अवधि जैसी जानकारी दर्ज करनी होगी।

ऑनलाइन बिज़नेस लोन कैसे मिलेगा?

व्यक्ति, समूह और संस्थाएँ बैंकों और NBFC की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बिज़नेस लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। ध्यान रहे, बिज़नेस लोन की ब्याज दरें, लोन राशि, मार्जिन, कोलैटरल रिक्वायरमेंट्स, गारंटर रिक्वायरमेंट्स, फीस और चार्जेस, योग्यता शर्तें और अन्य सुविधाएं एक बैंक/NBFC से दूसरे में अलग हो सकती हैं।

इसलिए, आवेदकों को Paisabazaar जैसे ऑनलाइन फाइनेंशियल मार्केटप्लेस में जाकर विभिन्न लेंडर्स द्वारा दी जाने वाली ब्याज दरों, लोन राशि और अन्य सुविधाओं की तुलना करनी चाहिए और अपनी योग्यता के अनुरूप बेस्ट लेंडर को चुनना चाहिए।

बिज़नेस लोन प्रदान करने वाले लेंडर्स आमतौर पर कस्टमर्स से प्रोसेसिंग फीस, प्रीपेमेंट चार्जेस, कमिटमेंट चार्जेस, इंस्पेक्शन चार्जेस, अकाउंट सर्विस चार्जेस, पीनल इंटरेस्ट और डॉक्यूमेंटेशन चार्जेस लेते हैं।

मध्यप्रदेश के किसानों को एक लीटर दूध पर मिलेगा पांच रुपये बोनस, जानें किन किसानों को होगा फायदा?

मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए एक और बड़ी सौगात दी है. दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने दुग्ध उत्पादकों को एक लीटर दूध पर 5 रुपये बोनस देने की घोषणा की है. इस कदम से न केवल प्रदेश के डेयरी उद्योग को मजबूती मिलेगी, बल्कि पशुपालकों की आमदनी में भी इजाफा होगा.

कौन होगा इस योजना का लाभार्थी?

मुख्यमंत्री डेयरी विकास योजना के तहत सरकार ने 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है, जिससे राज्यभर के दुग्ध उत्पादक लाभान्वित होंगे. खासतौर पर वे किसान जो संगठित डेयरी समितियों से जुड़े हैं, उन्हें इस योजना का सीधा फायदा मिलेगा. इस प्रोत्साहन राशि का उद्देश्य दूध उत्पादन और कलेक्शन में बढ़ोतरी करना है, जिससे राज्य में दुग्ध उत्पादकता में सुधार हो सके.

मध्यप्रदेश बना डेयरी किसानों का नया हब

सरकार का मानना है कि इस कदम से प्रदेश के किसानों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिलेगी और दूध उत्पादन में तेजी आएगी. इससे प्रदेश के "सांची" ब्रांड सहित स्थानीय दुग्ध

सहकारी समितियों को भी मजबूती मिलेगी.

कृषि और पशुपालन को मिलेगा नया आयाम

राज्य सरकार कृषि और पशुपालन को एक साथ आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है. गौशालाओं में रहने वाले गौवंश के लिए प्रति पशु आहार अनुदान को 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दिया गया है, जिससे गौशालाओं में पशुपालन बेहतर हो सके.

यह योजना उन किसानों के लिए बेहतर अवसर साबित होगी, जो पारंपरिक खेती के साथ-साथ पशुपालन भी करते हैं. इससे उनकी आमदनी में इजाफा होगा और मध्यप्रदेश दूध उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा.

किसानों को मिल रही प्रोत्साहन राशि

झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और असम में पहले से किसानों को पांच रुपये प्रति माह प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। हालांकि, सरकार की इस योजना से प्रदेश के लगभग 15 प्रतिशत दुग्ध उत्पादकों को ही लाभ मिल पाएगा। कारण, इतने ही किसान दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जुड़े हैं।

छह सहकारी दुग्ध संघों में पहुंचता है

पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध संग्रहीत किया जाता है, जिस पर सहायता दी जाएगी। यही दूध प्रदेश के छह सहकारी दुग्ध संघों में पहुंचता है जहां से बिक्री के लिए भेजा जाता है।

सीएम मोहन ने देखा था अमूल मॉडल

दरअसल, राज्य सरकार वर्तमान वर्ष को गोरक्षा वर्ष के रूप में मना रही है। इसी कड़ी में गोपालकों के लिए यह सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसी वर्ष जनवरी में अहमदाबाद में अमूल का मॉडल देखा था। इसके अनुरूप उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा ने बताया कि किसानों को सहायता देने में प्रतिवर्ष लगभग दो सौ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। एक से दो माह में कैबिनेट के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।

किसानों को बोनस से सब्सिड़ी तक का ऐलान! अन्नदाताओं को मोहन सरकार ने दी ये सौगातें

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा में 4 लाख करोड़ से अधिक का बजट पेश किया इस बजट में किसानों के लिए 58 हजार 257 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है. जो बीते साल 2024-25 के 13 हजार 409 करोड़ अधिक है. मध्यप्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने बड़ा फैसला लिया है, दुग्ध उत्पादकों को दूध का उत्पादन और कलेक्शन बढ़ाने के लिए दुग्ध संकलन पर 5 रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी. इसके लिये मुख्यमंत्री डेयरी विकास योजना के अंतर्गत रुपये 50 करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है.

कृषि विकास और किसान कल्याण के लिए क्या है?

वित्त मंत्री ने कहा कि पिछला वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया गया था. हमारी सरकार ने इसे आगे बढ़ाते हुये "मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन" के माध्यम से "श्रीअन्न" के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना" लागू की है. मध्यप्रदेश सरकार कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु कृत संकल्पित है. वर्तमान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अन्तर्गत सभी किसान परिवारों को रुपये 6 हजार प्रतिवर्ष की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है. इसके अतिरिक्त, हमारी सरकार द्वारा भी कृषकों को राशि रुपये 6 हजार प्रतिवर्ष का लाभ दिया जा रहा है.

नई योजना मुख्यमंत्री कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत परम्परागत रूप से एक या दो फ़सलें ले रहे किसानों को सहायक फ़सलें लेने पर राज्य सरकार विशेष प्रोत्साहन राशि देगी विधानसभा में वित्त मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अन्तर्गत सभी किसान परिवारों को 6 हजार प्रतिवर्ष की आर्थिक सहायता दी जा रही है. इसके साथ ही मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों को 6 हजार हर साल दे रही है.

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में इस साल 5 हजार 220 करोड़ का प्रावधान किया गया है. किसानों को बिजली बिल में दी जा रही है जिससे लगभग 37 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं. इसके लिये 19 हजार 208 करोड़ का प्रावधान है. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 2 करोड़ 42 लाख प्रकरणों में रुपये 29 हजार 555 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है. बजट में इस बार 2 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है.

कृषि मंत्री ने क्या कहा?

कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों को सोलर पंप दिये जाने की योजना भी सरकार ने बनाई है. प्रदेश में गौशालाएँ स्थापित करने के लिये नीति तैयार की जा रही है,प्रदेश में संचालित लगभग 2 हजार 200 गौशालाओं में 3 लाख 45 हजार से अधिक गौवंश का पालन हो रहा है. गौशालाओं में पशु आहार के लिए प्रति गौवंश प्रतिदिन रुपये 20 को दोगुना कर रुपये 40 किया जा रहा है. "गाँ संवर्धन एवं पशुओं का संवर्धन योजना" में रुपये 505 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है.

कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तथा कीट प्रबंधन जैसे विषयों पर नवीन अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर तथा राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के लिए कुल रुपये 40 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है. "नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑइल एण्ड ऑइलसीड" में रुपये 183 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है जो गत वर्ष के प्रावधान की अपेक्षा दो गुना से भी अधिक है.

बजट में ये भी बताया गया

कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत बिल में दी जा रही राहत को निरन्तर रखा गया है, जिससे लगभग 37 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं. इस मद में रुपये 19 हजार 208 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 2 करोड़ 42 लाख प्रकरणों में रुपये 29 हजार 555 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है. इस हेतु वर्ष 2025-26 में रुपये 2 हजार करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है. प्रदेश के किसानों को सिंचाई हेतु कृषि पम्प विद्युत कनेक्शन की वर्तमान व्यवस्था के स्थान पर सौर ऊर्जा पंप उपलब्ध कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है. उत्पादित सौर ऊर्जा का उपयोग करने पर विद्युत व्यय में कमी होगी, साथ ही अतिशेष सौर ऊर्जा को ग्रिड में स्थानान्तरित करने से किसान "अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता" भी बनेंगे. इस हेतु नवीन योजना "प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना" प्रारंभ की गई है जिसमें वर्ष 2025-26 में रुपये 447 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है.प्रदेश के किसानों को फ़सलों के समर्थन मूल्य का लाभ उपलब्ध कराने हेतु रबी विपणन वर्ष 2024-25 में 6 लाख 13 हजार किसानों से 48 लाख 38 हजार मेट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर, रुपये 11 हजार 6 सौ करोड़ का भुगतान, किसानों के बैंक खातों में किया गया. इसके अतिरिक्त रुपये 624 करोड़ 92 लाख का बोनस भुगतान भी किया गया है.खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 6 लाख 69 हजार किसानों से 43 लाख 52 हजार मेट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जिसकी राशि रुपये 10 हजार 11 करोड़ का भुगतान किसानों के खातों में किया गया है. इसके अतिरिक्त, धान उपार्जन अंतर्गत किसानों को रुपये 4 हजार प्रति हेक्टेयर के मान से प्रोत्साहन राशि दी जा रही है. धान उपार्जन पर प्रोत्साहन हेतु रुपये 850 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है.प्रदेश में फल, फूल एवं सब्जी के उत्पादन के लिए नवीनतम प्रणालियाँ तथा इन उत्पादों के बेहतर विपणन व मूल्य के लिए खाद्य प्रसंस्करण प्रोत्साहित किया जा रहा है. "प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना" के अंतर्गत 4 हजार 416 इकाईयों को लाभान्वित किया गया है."पर ड्रॉप मोर क्रॉप" योजना अंतर्गत कृषकों को प्रदत्त सिंचाई उपकरणों के माध्यम से पानी के अपव्यय को रोका गया है, साथ ही उत्पादन तथा उत्पादों की गुणवत्ता में भी वृद्धि हुई है. राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन में रुपये 100 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है.प्रदेश की अर्थव्यवस्था तथा आर्थिक एवं सामाजिक विकास में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है.

जैविक खेती को मिलेगा MSP! चन्नी की अगुवाई वाली संसदीय समिति की सिफारिशें

देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए संसद की कृषि संबंधी स्थायी समिति ने केंद्र सरकार से जैविक उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) तय करने की सिफारिश की है। चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता वाली इस समिति ने 2025-26 के अनुदान की मांग पर अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश की।

पुरानी सिफारिशों पर अमल क्यों नहीं हुआ? समिति ने उठाए सवाल

समिति ने सरकार को याद दिलाया कि उसने पहले भी किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी की सिफारिश की थी, लेकिन अब तक इन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। समिति ने सरकार से जल्द से जल्द इन मुद्दों पर कार्रवाई करने की मांग की, ताकि किसानों को राहत मिल सके और कृषि क्षेत्र में स्थिरता आए।

समिति ने पराली जलाने की समस्या को हल करने के लिए एक नई योजना का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत, धान की कटाई के बाद बची पराली को संभालने के लिए किसानों को प्रति क्विंटल 100 रुपये की वित्तीय सहायता देने की बात कही गई है। इसके अलावा, पराली को बाजार में बेचने का एक बेहतर तंत्र विकसित करने की भी जरूरत बताई गई, जिससे किसानों को इसका आर्थिक लाभ मिल सके।

छोटे किसानों को मुफ्त फसल बीमा देने की मांग

छोटे किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समिति ने मुफ्त और अनिवार्य फसल बीमा योजना लागू करने की सिफारिश की है। इससे किसानों को मौसम और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा, जिससे ग्रामीण इलाकों में संकट कम होगा और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी।

खेतों में काम करने वाले मजदूरों की अहमियत को स्वीकारते हुए समिति ने सरकार से "कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय" का नाम बदलकर "कृषि, किसान और खेतिहर मजदूर कल्याण मंत्रालय" करने की सिफारिश की है।

समिति ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को गांवों में सुपरमार्केट के रूप में विकसित करने की सिफारिश की है। इसे प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (PMKSK) योजना के तहत बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) को 500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने और त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (TSU) को जल्द स्थापित करने की मांग की गई है, ताकि सहकारी क्षेत्र को मजबूती मिल सके।

समिति ने बाजार हस्तक्षेप योजना (MIS) के तहत फसलों की खरीदी सीमा को 25% से बढ़ाकर 50% करने की सिफारिश की है। इससे अधिक किसानों को फायदा मिलेगा और उन्हें अपनी उपज के लिए बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) में पारदर्शिता लाने के लिए समिति ने CAG द्वारा वार्षिक ऑडिट करवाने की सिफारिश की है। साथ ही, किसानों की समस्याओं को हल करने और सरकारी योजनाओं की निगरानी के लिए AI-सक्षम वेब पोर्टल और शिकायत निवारण तंत्र विकसित करने का सुझाव दिया गया है।

सरकार की डेयरी विकास योजना 'श्वेत क्रांति 2.0' की सराहना करते हुए समिति ने सुझाव दिया है कि 1,000 बहुउद्देशीय कृषि सहकारी समितियों (MPACS) को वित्तीय सहायता दी जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन और सहकारी डेयरी उद्योग को मजबूती मिल सके।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना: बीमा कंपनियों पर उठे सवाल, दावे अटके, मुआवजा लटका!

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) को 2025-26 तक बढ़ाने की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए सरकार ने 69,515.71 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। हालांकि, किसानों के लिए राहत देने वाली इस योजना में बीमा दावों के निपटारे में देरी और कंपनियों की जवाबदेही जैसे कई सवाल अब भी बने हुए हैं। यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2016 से लागू है और सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिए उपलब्ध है। हालांकि, यह राज्यों के लिए अनिवार्य नहीं है। वे अपनी वित्तीय स्थिति और जोखिम को देखते हुए इसमें भाग लेने या इससे बाहर होने का फैसला कर सकते हैं। अब तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इसे किसी न किसी सीजन में अपनाया है, जबकि फिलहाल 23 राज्य इस योजना को लागू कर रहे हैं।

बीमा दावा निपटाने में देरी क्यों हो रही है?

यह योजना राज्य सरकारों और बीमा कंपनियों के सहयोग से चलाई जा रही है। बीमा कंपनियों का चयन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जबकि फसल हानि का आकलन राज्य सरकार और बीमा कंपनियों की संयुक्त समिति द्वारा किया जाता है। राज्य सरकारें बीमा कंपनियों का चयन, किसानों का नामांकन और फसल हानि का आकलन करने जैसे कार्य देखती हैं। लेकिन इसके बावजूद किसानों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। कई बार बीमा कंपनियां तय समय पर दावों का निपटारा नहीं करतीं, तो कभी राज्य सरकार की ओर से धनराशि जारी करने में देरी हो जाती है।इसके अलावा, बैंकों द्वारा गलत बीमा प्रस्ताव भेजने, उपज के आंकड़ों में गड़बड़ी, बीमा कंपनियों और सरकार के बीच विवाद जैसी समस्याएं भी हैं। कई जगह बीमा कंपनियों के पास पर्याप्त स्टाफ नहीं है, जिससे किसानों के दावे अटक जाते हैं।

शिकायतों के निपटारे के लिए क्या इंतजाम?

योजना से जुड़े विवादों को कम करने के लिए सरकार ने जिला और राज्य स्तर पर शिकायत निवारण समितियों (DGRC और SGRC) का गठन किया है। इन समितियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि वे किसानों की शिकायतें सुनकर तय प्रक्रिया के तहत हल कर सकें। इसके अलावा, 'कृषि रक्षक पोर्टल' और टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 शुरू किया गया है, जहां किसान अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इन शिकायतों के समाधान के लिए एक निश्चित समयसीमा भी तय की गई है।

बीमा कंपनियों की जवाबदेही पर सवाल?

सरकार का कहना है कि बीमा दावों के जल्द निपटारे और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव किया गया है। बीमा कंपनियों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंस, व्यक्तिगत बैठकें और राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन भी किए जा रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि किसानों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। प्रशासनिक अड़चनों और कंपनियों की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते किसान योजना का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे। ऐसे में देखना होगा कि सरकार के सुधार कितने असरदार साबित होते हैं

रोहित शर्मा ने निकाल लिया जुगाड़! अब वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक खेलना तय?

पिछले दिनों भारतीय क्रिकेट टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल जीता. इसके बाद रोहित शर्मा ने साफ कर दिया कि वह वनडे फॉर्मेट में खेलते रहेंगे. फिलहाल, इस फॉर्मेट को अलविदा कहने का इरादा नहीं है. दरअसल, इससे पहले ऐसा माना जा रहा था कि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद रोहित शर्मा वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन उन्होंने अपने संन्यास के तमाम कयासों को खारिज कर दिया. अब सवाल है कि रोहित शर्मा वनडे फॉर्मेट में कब तक खेलेंगे? बहरहाल, इससे जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है.

वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए रोहित शर्मा?

रोहित शर्मा तकरीबन 38 साल के हो चुके हैं. इसके अलावा खराब फिटनेस पर लगातार सवाल उठते रहे हैं. लेकिन अब भारतीय कप्तान ने अपनी फिटनेस को दुरूस्त करने का तरीका ढूंढ़ लिया है. दरअसल, रोहित शर्मा अपनी फिटनेस को बेहतर बनाने पर काम करेंगे. इस मिशन में रोहित शर्मा का साथ टीम इंडिया के अस्सिसटेंट कोच अभिषेक नायर देंगे. अभिषेक नायर की मदद से रोहित शर्मा अपनी फिटनेस को नई ऊचांइयों पर पहुंचना के लिए तैयार हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि वनडे वर्ल्ड कप 2027 पर रोहित शर्मा की निगाहें हैं. इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा खेलने के लिए काफी उत्सुक हैं.

ऐसा रहा है रोहित शर्मा का करियर

बताते चलें कि रोहित शर्मा ने 67 टेस्ट मैचों के अलावा 273 वनडे और 159 टी20 मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया है. इसके अलावा आईपीएल के 159 मुकाबले खेल चुके हैं. टेस्ट फॉर्मेट में रोहित शर्मा ने 40.58 की एवरेज से 4302 रन बनाए. वहीं, वनडे फॉर्मेट में रोहित शर्मा ने 92.81 की स्ट्राइक रेट और 48.77 की एवरेज से 11168 रन बनाए हैं. भारत के लिए टी20 मैचों में रोहित शर्मा ने 140.90 की स्ट्राइक रेट और 31.34 की एवरेज से 4231 रन बनाए हैं.

टीम इंडिया के पास साल 2025 में एक और ICC ट्रॉफी जीतने का मौका, भारत करेगा मेजबानी

ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का 9 मार्च को टीम इंडिया के चैंपियन बनने के साथ ही समापन हो गया। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया लगातार 2 साल में 2 ICC ट्रॉफी जीतने में सफल रही। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी अब थोड़ा आराम फरमा रहे हैं। साथ ही IPL 2025 की तैयारी में भी जुटे हैं, जिसका 22 मार्च से आगाज होगा। लगभग 2 महीने T20 क्रिकेट खेलने के बाद ही टीम इंडिया के खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करेंगे।

भारत के निशाने पर एक और ICC ट्रॉफी

अब सवाल उठता है कि भारतीय टीम अब अगली कौन सी सीरीज और फिर ICC टूर्नामेंट खेलेगी। दरअसल, टीम इंडिया अब सीधा जून में इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसका 20 जून से आगाज होगा। हालांकि, भारतीय मेन्स टीम को ICC ट्रॉफी खेलने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। टीम इंडिया अगले साल ही ICC ट्रॉफी में शिरकत करेगी। ये टूर्नामेंट ICC T20 वर्ल्ड कप 2026 होगा, जिसमें टीम इंडिया अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। T20 वर्ल्ड कप 2026 फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। हालांकि, इस टूर्नामेंट से कुछ महीने पहले भी भारतीय सरजमीं पर एक ICC टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसमें भारतीय मेन्स टीम नहीं बल्कि वूमेन्स टीम शिरकत करती नजर आएगी।

भारतीय टीम के पास गोल्डन चांस

भारतीय वूमेन्स टीम इस साल ICC वनडे वर्ल्ड कप खेलने उतरेगी। भारत इस वर्ल्ड कप का मेजबान है और इस टूर्नामेंट के अक्टूबर में आयोजित होने की उम्मीद है। अभी तक वूमेन्स वर्ल्ड कप 2025 के शेड्यूल का ऐलान नहीं हुआ है। अगले कुछ महीनों में फुल शेड्यूल जारी होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट में भारतीय वूमेन्स टीम का लक्ष्य पहली ICC ट्रॉफी जीतना होगा। बता दें, भारतीय वूमेन्स सीनियर टीम अभी तक एक भी ICC ट्रॉफी नहीं जीत सकी है। टीम इंडिया 2 बार 50 ओवर के वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचने में सफल रही, लेकिन एक बार भी खिताब अपने नाम नहीं कर सकी। इस बार टीम की कोशिश खिताबी सूखे को खत्म करने की होगी। हालांकि, उसके लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से लोहा लेना होगा।

नए घर में गृह प्रवेश के बाद सुख-शांति के लिए करें ये उपाय

जब लोग अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई से बने नए घर में प्रवेश करते हैं तो उस घर को लेकर हमारे मन में नई उम्मीदें होती हैं और नए सपने जुड़े होते हैं। हम ये सोचते हैं कि आने वाला वक्त हमारे लिए नए अवसर लेकर आएगा और नए घर में हम अपने परिवार के साथ सुख शांति और सुकून से रहेंगे, लेकिन कई बार हमारी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं और नए घर में रोजाना नई-नई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह होती है वास्तुदोष। आइए जानते हैं वास्तुदोष दूर करने के उपाय।मनुष्य घर बनवाता है, सुख-शांति और सुकून से रहने के लिए लेकिन जब नए घर में जाते ही कार्यों में अड़चनें आनी शुरू जाती हैं और धीरे-धीरे सुकून गायब होने लगता है, जिसके कारण व्यक्ति सोचता है कि इससे तो अच्छा किराए का पुराना मकान था। अगर नए मकान में प्रवेश करते ही रोजगार में गिरावट, परिवार के लोग अस्वस्थ, सबका अचानक चिड़चिड़ा स्वभाव, बरकत में कमी, अपने ही पराए हो जाएं तो समझ लीजिए कि अवश्य ही आपके नए मकान में कुछ न कुछ वास्तुदोष जरूर है।वास्तुशास्त्र के अनुसार, वास्तुदोष निवारण के लिए नए भवन में प्रवेश से पूर्व निम्नलिखित उपाय अवश्य करने चाहिएअगर नये मकान में आते ही परिवार में कोई बीमार रहने लगे, तो खाने के बाद गुड़ का प्रयोग करना चाहिए।नये घर में आते ही, सब गड़बड़ हो रहा हो, तो पूरे भवन में पीले रंग के पर्दे का प्रयोग करें तथा सारे मकान में हल्दी के घोल के छींटें मारें, जिससे नवग्रहों में सर्वाधिक शुभ ग्रह बृहस्पति के आर्शीवाद से घर-परिवार फलने-फूलने लगे।

अगर मकान में हवा का आगमन सुचारू रूप से नहीं हो रहा है, कमरों के अन्दर घुटन सी लगती है, तो यह भी एक वास्तु-दोष है। इसके निवारण हेतु सफेद वस्तुओं का दान करें, जैसे, सफेद चावल, कपूर आदि।सुबह के समय सूर्य की रोशनी/ किरणें मकान में आना अति आवश्यक है। अगर मकान में अंधेरा सा रहता है, तो यह भी दोष की श्रेणी में आकर दुर्भाग्य, रोग-शोक का सृजन करता है। निवारण हेतु रात को लाल मसूर की दाल को मकान में चारो तरफ फैला दें, तथा सुबह उठकर उसे बाहर फेंक दें।अगर बार-बार मकान में सीलन आदि की राकथाम कराने के बाद भी सीलन न जाए और रहने वाले लोगों को सांस की बीमारी, अस्थमा आदि की समस्या लम्बे समय तक हो तो ऐसे में प्रत्येक सोमवार को खीर का भोग भगवान को लगाऐं, तथा उसे स्वयं खाने के साथ-साथ अपने रिश्तेदारों, तथा प्रिय लोगों को भी खिलायें।अगर आप के बच्चे आपका कहना नहीं मानते, पढ़ते नहीं है, तो तांबे पर बने सूर्य यन्त्र को अपने मुख्य द्वार पर लगायें, तथा अपने पूजा स्थल पर भी सूर्य यन्त्र स्थापित करे, तथा उसकी पूजा करें।अगर नए घर में आने के बाद नींद न आने की शिकायत हो गयी है, तो पांच हल्दी की गांठ को पीले कपड़े में बांध कर अपने सोने वाले तकिये में रखें, साथ ही मकान के कच्चे भाग में हरा धनिया उगायें। इससे आपको राहत मिलेगी।अगर घर में लगे पेड़-पौधे या तो सूख जा रहे हैं अथवा फूल नहीं दे रहे हैं, तुलसी जी बार-बार सूख जा रही है, तो ऐसे में गमले के नीचे-सफेद चावल, कपूर रख दे तथा मिट्टी पर भी कुछ चावल बिखेर दें, इससे समस्या का समाधान होने लगेगा।अगर नए मकान में आते ही रोजगार में अचानक गिरावट आ जाये, बरकत में कमी होने लगे, तो कच्चे धानी के सरसों का तेल का दान करें तथा शनिवार शाम को पीपल पेड़ में तेल का दीया जलायें।नए घर में प्रवेश करते ही रिश्तेदारों से बिना बात के कलह होने लगे तो तांबे का पैसा दान करें तथा ताम्बे का सिक्का जटा वाले नारियल के साथ जल में बहाऐं, इसके साथ ही धार्मिक ग्रन्थ दान करें।

अगर आपको लगता है कि नए घर में आपकी सुख-शांति बाधित है, तो ये उपाय करें।

स्वास्तिक यंत्र घर के मुख्य द्वार के ऊपर लगायें।
गणेश जी प्रतिमा मुख्य द्वार के बाहर तथा अन्दर लगाये।
ईशान कोण में तांबे के पात्र में पानी रखे, तथा उसके ऊपर कटोरी रख कर के, उसमें पांच मोती रखे।
वास्तु दोष नाशक यंत्र घर में लगायें।
घर में लाफिंग बुद्धा, कछुआ, रत्नों का पेड़ लगाये।
रोज घर में नमक का पोछा लगवाये।
बन्द घड़ी घर में न रखें।

बहुत शुभ है घर की उत्तर दिशा, इन चीजों को रखने से मिलेगी समृद्धि

हिन्दू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इसमें घर की हर छोटी से लेकर बड़ी वस्तु के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। आइए जानते हैं कि वास्तु में उत्तर दिशा का क्या महत्व है और वह कौन-सी वस्तुएं हैं जिन्हें उत्तर दिशा में रखने से व्यक्ति को धन लाभ हो सकता है।

उत्तर दिशा का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सभी दिशाओं का अपना महत्व है। लेकिन उत्तर दिशा को सबसे शुभ माना गया है क्योंकि इस दिशा में देवताओं का वास माना गया है। इस दिशा में धन के देवता कुबेर का वास माना गया है। इसलिए इस दिशा को वास्तु दोष से मुक्त रखने पर धन-धान्य की प्राप्ति होती है।

उत्तर दिशा में लगाएं ये चीज

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में दर्पण लगाना बहुत ही शुभ होता है। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता। वास्तु के अनुसार, घर की रसोई की दिशा भी उत्तर में होनी चाहिए। इससे अन्न-धन के भंडार हमेशा भरे रहते हैं। साथ ही घर के मुख्य द्वार का उत्तर में होना शुभ माना जाता है।

ये पौधे रखने से मिलेंगे लाभ

मनी प्लांट का वास्तु में बहुत महत्व है। यदि इस पौधे को घर की उत्तर दिशा में रखा जाए तो आर्थिक लाभ के योग बनते हैं। साथ ही दरिद्रता घर से दूर भागती है। तुलसी को धार्मिक रूप से तो शुभ माना ही जाता है, साथ ही वास्तु के अनुसार भी इसका विशेष महत्व है। इसलिए घर की उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा रखना चाहिए। इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही तरक्की में आ रही बाधाएं भी दूर होती हैं।

उत्तर दिशा में लगाएं ये मूर्ति

क्योंकि उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर की दिशा माना जाता है, इसलिए शुभ परिणामों की प्राप्ति के लिए इस दिशा में कुबेर देवता की प्रतिमा लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने पर आपके करियर में तरक्की बनी रहती है।

कार्डिएक अरेस्ट: कारण, संकेत और लक्षण

कार्डिएक अरेस्ट एक चिकित्सा आपातकालीन स्थिति है जिसमे व्यक्ति का दिल अचानक से धड़कना बंद कर देता है, इसलिए इसे सडन कार्डियक अरेस्ट भी कहते हैं। यदि मस्तिष्क और अन्य अंगों को रक्त की आपूर्ति में कमी का तुरंत उपचार नहीं किया जाता है, तो व्यक्ति बेहोश हो सकता है, विकलांगता आ सकती है, या शायद उसकी मृत्यु भी हो सकती है। जब हृदय अचानक और अप्रत्याशित रूप से रक्त पंप करना बंद कर देता है, तो व्यक्ति में कार्डियक अरेस्ट होता है। और इसकी वजह से मस्तिष्क और अन्य अंगों को रक्त की आपूर्ति में कमी या पूर्ण अवरोध आ सकता है। कुछ अर्यथमिया (arrhythmias), जिनमें हृदय से शरीर में रक्त आपूर्ति पूर्णतः बंद हो जाती है, कार्डियक अरेस्ट के कारण बन सकते हैं ।

कार्डिएक अरेस्ट के कारण क्या हैं?

हृदय की बीमारी कि वजह से कार्डियक अरेस्ट होना एक आम कारण है। कई बार यह भी संभव है की कार्डियक अरेस्ट बिना किसी चेतावनी के व्यक्ति में अचानक से आ जाये। कार्डिएक अरेस्ट के निम्न कारण मुख्य हैं:

अर्यथमिया (arrhythmias) और वेंट्रिकुलर फिब्रिलेशन (ventricular fibrillation): हृदय में विद्युत संकेत खराब होने की वजह से अनियमित दिल की धड़कन या अर्यथमिया होता है। वेंट्रिकुलर फिब्रिलेशन, अर्यथमिया का एक प्रकार है, जो की कार्डियक अरेस्ट का मुख्य कारण है। वेंट्रिकुलर फिब्रिलेशन में तेज़ दिल की धड़कन, हृदय के कांपने का कारण बनती है।

सामान्य से बढ़ा हुआ दिल या कार्डियोमायोपैथी: इस स्थिति में हृदय की मांसपेशी फैलती या मोटी हो जाती है, जिससे हृदय का संकुचन असामान्य होता है।

कोरोनरी धमनी रोग: इस हृदय रोग में कोरोनरी धमनियों में प्लाक का निर्माण उन्हें मोटा और संकीर्ण कर देता है, जिससे हृदय में खून का प्रवाह कम हो जाता है। यदि अनुपचारित छोड़ दिया जाए तो कोरोनरी धमनी रोग हार्ट फेलियर या अर्यथमिया का कारण बन सकती है जिसके परिणामस्वरूप कार्डियक अरेस्ट भी हो सकता है।

कार्डियक अरेस्ट के अन्य कारण निम्न हो सकते है:

अत्यधिक रक्त की हानि
वाल्वुलर हार्ट डिजीस
ऑक्सीजन की कमी
मैग्नीशियम और पोटेशियम के स्तर में वृद्धि

कार्डियक अरेस्ट की पहचान कैसे करें?

कई बार कार्डियक अरेस्ट बिना किसी लक्षण के भी व्यक्ति में हो सकता है। अगर किसी व्यक्ति में निम्न में से कुछ लक्षण मौजूद हो तो मतलब कार्डियक अरेस्ट हो सकता है:

अगर व्यक्ति अचानक बेहोश हो जाता है
अगर कोई अचानक गिर जाता है
अगर सांस नहीं ले कोईपा रहा है, सांस लेने में दिक्क़त हो रही हो, या हवा के लिए हांफ रहा है।
व्यक्ति को हिलाने या बुलाने पर भी आपको कोई प्रतिक्रिया नहीं देता
अगर आपको कोई पल्स नहीं महसूस हो रही है
थकान महसूस होना, चक्कर आना
सांस लेने में कठिनाई होना
जी मिचलाना,छाती में दर्द
स्पंदन या पलपिटेशन (तेज़ दिल की धड़कन)
होश खो देना

कार्डियक अरेस्ट और हार्ट अटैक में क्या अंतर है?

भले ही इनको समानार्थक रूप से उपयोग किया जाता है, लेकिन कार्डियक अरेस्ट और हार्ट अटैक दो अलग-अलग हृदय विकार हैं। धमनियों में रुकावट होने से हृदय में पर्याप्त रक्त नहीं पहुँच पाता जिससे व्यक्ति में दिल का दौरा (heart attack) आता है। ऑक्सीजन और रक्त की कमी के कारण हृदय की मांसपेशियाँ खराब हो सकती हैं। दिल का दौरा, दिल में विद्युत संकेतों को बदल सकते हैं, जिससे व्यक्ति में कार्डियक अरेस्ट का जोखिम बढ़ सकता हैं। जब कोई अन्य हृदय रोग मौजूद ना हो तो यह मुमकिन है कि दिल का दौरा पड़ने से व्यक्ति में कार्डियक अरेस्ट हो।

कार्डियक अरेस्ट में क्या करें?

जब किसी को कार्डियक अरेस्ट हो तो सबसे महत्वपूर्ण है की आप आपातकालीन सुविधा को तुरंत फ़ोन करें और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (CPR) शुरू करें। कार्डियक अरेस्ट एक चिकित्सा आपातकालीन स्थिति है जिसका जल्दी इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा हो सकती है। सीपीआर या कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन में रेस्क्यू ब्रीदिंग देने के साथ-साथ छाती को दबाया जाता है। सीपीआर फेफड़ों में ऑक्सीजन पहुंचाता है और ऑक्सीजन युक्त रक्त को तब तक प्रसारित करता है जब तक कि साँस सामान्य न हो और दिल की धड़कन ठीक नहीं हो जाती। सीपीआर करने का तरीका आने से आप दूसरों की जान बचाने में मदद कर सकते है। एक चिकित्सा आपातकालीन टीम कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (CPR) और डीफिब्रिलेशन के उपयोग इलाज में कर सकती है। डिफिब्रिलेटर द्वारा छाती की दीवार के माध्यम से बिजली के झटके का उपयोग करके वेंट्रिकुलर फिब्रिलेशन का इलाज किया जाता है।

अचानक हृदयाघात क्या है?

अचानक हृदयाघात एक चिकित्सीय आपातस्थिति है, जो हृदय की विद्युतीय कार्यप्रणाली, श्वास और चेतना की अचानक, अप्रत्याशित हानि का परिणाम है।

दिल के दौरे के विपरीत, जहाँ दिल धड़कता रहता है और केवल दिल को रक्त की आपूर्ति बाधित होती है, अचानक कार्डियक अरेस्ट के कारण दिल पूरी तरह से धड़कना बंद कर देता है। क्योंकि अचानक कार्डियक अरेस्ट के परिणामस्वरूप हृदय की कार्यक्षमता, श्वास और चेतना का अचानक, अप्रत्याशित नुकसान होता है, मस्तिष्क और अन्य महत्वपूर्ण अंगों में रक्त संचार तुरंत बंद हो जाता है। यदि तुरंत प्रतिक्रिया नहीं की जाती है, तो कुछ ही मिनटों में संरचनात्मक मस्तिष्क क्षति या यहाँ तक कि मृत्यु भी हो सकती है। अमेरिकी वयस्कों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक अचानक कार्डियक अरेस्ट है, जिसमें प्रति वर्ष लगभग 365,000 घटनाएँ शामिल हैं, जिनमें से 95 प्रतिशत घातक हैं।

चेतावनी संकेत

यद्यपि अचानक हृदयाघात आमतौर पर तत्काल और अप्रत्याशित दोनों होते हैं, अचानक हृदयाघात से बचे लोगों के अध्ययन में कई सामान्य चेतावनी संकेतों की पहचान की गई है:

चक्कर आना

अस्पष्टीकृत सांस की तकलीफ
सीने में दर्द दौरे (आमतौर पर बाहों या पैरों में) कार्यक्रम से लगभग एक घंटे पहले मतली या उल्टी महसूस होना

जहां तक अचानक हृदयाघात के कारणों का प्रश्न है, तो अधिकांश घटनाएं आमतौर पर पहले से मौजूद हृदय संबंधी स्थितियों का परिणाम होती हैं, या उनके कारण होती हैं, जैसे:

दिल की धमनी का रोग

बढ़े हुए हृदय (कार्डियोमायोपैथी)
वाल्वुलर हृदय रोग
जन्मजात हृदय रोग

हृदय में विद्युत संबंधी समस्याएं

इनमें से प्रत्येक स्थिति में हृदय की लय में असामान्यताएं उत्पन्न होने की संभावना होती है, जिसे अतालता कहा जाता है, जो आमतौर पर अचानक हृदयाघात का तात्कालिक कारण होता है।

अचानक हृदयाघात के पहले संकेत पर, 9-1-1 पर कॉल करें। तुरंत कार्रवाई करना जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर हो सकता है।

जीवन शैली में परिवर्तन

अचानक हृदयाघात से बच निकलना, ठीक होने की दिशा में आपकी यात्रा का पहला कदम है। हालाँकि, इस घटना के बाद कई जीवित बचे लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तन का अनुभव होता है, लेकिन कोई भी बाधा स्थायी नहीं होती जिसे दूर नहीं किया जा सकता।

अचानक हृदयाघात के बाद जीवनशैली में निम्नलिखित परिवर्तन हो सकते हैं:

आहार - स्वस्थ आहार का पालन करना अत्यधिक प्रोत्साहित किया जाता है और सोडियम और वसायुक्त खाद्य पदार्थों सहित कुछ आहार प्रतिबंध आवश्यक हो सकते हैं।

चिकित्सा उपकरण - अचानक हृदयाघात से बचे कई लोगों को घटना के बाद प्रत्यारोपित डिफाइब्रिलेटर (ICD) दिया जाता है। सुनिश्चित करें कि आप और आपका परिवार उपकरण और उसके कार्यों के बारे में जानते हैं और समझते हैं।

दवाइयां - अपने स्वास्थ्य के लिए कौन सी रणनीति सबसे प्रभावी है, यह निर्धारित करने के लिए अपनी चिकित्सा टीम के साथ एक व्यक्तिगत दवा व्यवस्था पर चर्चा करें।

सामना करना - अचानक हृदयाघात से बचना जीवन बदल देने वाला हो सकता है और, इस महत्वपूर्ण घटना के बाद कई चुनौतियाँ आ सकती हैं:

40+ उम्र वालों को साल में एक बार जरूर करवाने चाहिए ये 5 टेस्ट, AIIMS के डॉक्टर से जानें क्यों है जरूरी

बढ़ती उम्र में भी आप सेहतमंद जीवन जी सके इसके लिए साल में कुछ मेडिकल टेस्ट करवाना जरूरी होता है। आइए जानते हैं इनके बारे में...

बढ़ती उम्र के साथ-साथ शरीर कमजोर हो जाता है और आपको कई तरह की बीमारियां परेशान करने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ बीमारियों का खतरा उन लोगों को ज्यादा रहता जो सही तरीके से खुद का ध्यान नहीं रखते हैं। खासकर 40 की उम्र के बाद सेहत पर पूरा फोकस करना जरूरी होता है, ताकि 60 की उम्र में भी लाइफ स्मूद चल सके। अगर आप भी बढ़ती उम्र में होने वाली बीमारियों से बचना चाहते हैं तो आपको साल में एक बार कुछ खास मेडिकल टेस्ट करवाने की जरूरत है।

दिल्ली एम्स की न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रियंका शेरावत ने 40 की उम्र के बाद पुरुष और महिला के लिए कौन से 5 मेडिकल टेस्ट जरूरी है इसके बारे में जानकारी दी है। डॉ. प्रियंका शेरावत का कहना है कि इन मेडिकल टेस्ट को करवाने से बीमारियों को शुरुआत में ही पकड़ने में मदद मिलती है और उसका इलाज वक्त पर हो सकता है।

40 की उम्र के बाद जरूरी मेडिकल टेस्ट

कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी) - Complete Blood Count (CBC)

सीबीसी यानि की कंप्लीट ब्लड काउंट एक ऐसा टेस्ट है जो किसी भी व्यक्ति की खून की सारी परतों को खोल के रख देता है। सीबीसी के जरिए खून में मौजूद रेड ब्लड सेल्स, व्हाइट ब्लड सेल्स, हीमोग्लोबिन, प्लेटलेट्स की मात्रा का पता चलता है।

लिवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी) - Liver Function Test (LFT)

बढ़ती उम्र के साथ लिवर में किसी तरह की बीमारी तो नहीं है इसका पता लगाने के लिए एलएफटी टेस्ट किया जाता है। एलएफटी के जरिए खून में मौजूद एक खास तरह के प्रोटीन और एंजाइम का टेस्ट किया जाता है। इससे पता चलता है कि किसी व्यक्ति का लिवर सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं।

किडनी फंक्शन टेस्ट/रीनल फंक्शन टेस्ट - Kidney Function Test/ Renal Function Test

किडनी फंक्शन टेस्ट या रीनल फंक्शन टेस्ट डायबिटीज, हार्ट के मरीज और जिन लोगों का ब्लड प्रेशर हाई रहता है उनके लिए बहुत जरूरी माना जाता है। इसके जरिए किडनी सही तरीके से काम कर रही है या नहीं, आपको किडनी से संबंधित कोई बीमारी तो नहीं है इसका पता लगाया जाता है। डॉक्टर प्रियंका का कहना है कि 40 की उम्र के बाद हर महिला और पुरुष को साल में एक बार किडनी फंक्शन टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।

विटामिन बी12 टेस्ट - Vitamin B12

किसी भी उम्र में विटामिन बी की कमी होना खतरनाक साबित होता है। शरीर में विटामिन बी की कमी होने की वजह से थकान, नसों में दर्द रहना, सुन्नपन, सिरदर्द और चिड़चिड़ेपन जैसी परेशानियां आ सकती हैं। अगर आप रेगुलर बेसिस पर विटामिन बी12 टेस्ट करवाते हैं तो इस तरह की परेशानियों से बचा जा सकता है।

एचबीए1सी टेस्ट - HbA1C

एचबीए1सी टेस्ट के जरिए प्री-डायबिटीज, बॉर्डर लाइन डायबिटीज या डायबिटीज जैसी बीमारियों का पता लगाया जाता है। डॉक्टर का कहना है कि एचबीए1सी टेस्ट के जरिए किसी व्यक्ति का पिछले तीन महीने के औसत ब्लड शुगर लेवल का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट के जरिए डायबिटीज जैसी लाइलाज बीमारी से बचा जा सकता है।

आयरन टेस्ट भी है जरूरी

भारत में आज भी आयरन के टेस्ट को लेकर बहुत सारे मिथक है। ज्यादातर लोगों का मानना होता है कि आयरन का टेस्ट सिर्फ प्रेगनेंसी के दौरान किया जाता है, लेकिन ये टेस्ट हर उम्र के लोगों के लिए जरूरी है। अगर शरीर में हीमोग्लोबिन कम है तो आयरन लेवल चेक करवाना जरूरी है। इस टेस्ट के जरिए शरीर में खून की कमी का पता लगाया जाता है।

आपकी दोनों किडनी स्वस्थ हैं या नहीं, घर पर ही आसानी से कैसे पता करें, ये है Kidney की सेहत का सबसे बड़ा संकेत

स्टाइल का असर किडनी पर भी पड़ रहा है। आपकी कुछ गलत आदतों के कारण किडनी से जुड़ी बीमारियां पैदा हो सकती हैं। किडनी शरीर में खून को फिल्टर करने और खराब पदार्थों को निकालने का काम करती है। अगर किडनी में जरा भी खराबी आ जाए तो शरीर में कुछ लक्षण साफ नजर आने लगते हैं। जिन्हें पहचानकर आप किडनी की सेहत का हाल पता कर सकते हैं। हालांकि किडनी खराब होने के लक्षणों को नजरअंदाज करना सेहत पर भारी पड़ सकता है। क्योंकि किडनी की बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। इसलिए किडनी से जुड़े लक्षणों को पर ध्यान जरूर दें। जानिए कैसे पता कर सकते हैं कि आपकी किडनी स्वस्थ हैं या नहीं?

नॉर्मल टॉयलेट आना- किडनी के लक्षण सबसे पहले टॉयलेट में नजर आते हैं। अगर

आपको पेशाब से जुड़ी कोई परेशानी नहीं है तो समझ लें कि किडनी में कोई खराबी नहीं है और आपकी किडनी स्वस्थ है। किडनी में समस्या होने पर पेशाब के रंग में बदलाव या पेशाब कम ज्यादा आने लगता है।

सूजन नहीं होना- शरीर में कहीं भी सूजन नहीं है तो किडनी स्वस्थ है। क्योंकि किडनी खराब होने पर सूजन की समस्या तेजी से बढ़ती है। किडनी की कोशिकाएं डैमेज होने से और खून के फिल्टर न होने से सूजन की समस्या शुरू होती है। किडनी में किसी तरह की समस्या होने पर आंखों में और शरीर के निचले हिस्से पैरों और टखने में सूजन हो सकती है। अगर ऐसा नहीं है तो किडनी स्वस्थ है।

अच्छी नींद आना- किडनी में किसी तरह की समस्या आने पर आपकी नींद भी प्रभावित होती है। स्लीपिंग पैटर्न खराब होता है जो किडनी से जुड़ी बीमारियों की ओर इशारा करता है। अगर आपकी नींद एकदम अच्छी है तो आपकी किडनी का फंक्शन ठीक है। इसे हेल्दी किडनी का संकेत माना जाता है।

मांसपेशियां रिलेक्स- अगर मांसपेशियों में किसी तरह की कोई ऐंठन नहीं है और कोई परेशानी नहीं है तो आपकी किडनी हेल्दी हैं। क्योंकि किडनी के खराब होते ही मांसपेशियों से जुड़ी समस्याएं पैदा होने लगती है। मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन होने लगती है। अगर इस तरह के लक्षण नहीं हैं तो किडनी हेल्दी है। साफ और हेल्दी स्किन- अगर आपकी त्वचा साफ और एकदम हेल्दी है तो शरीर स्वस्थ है। किडनी की सेहत भी ठीक है। क्योंकि किडनी की बीमारी होने पर स्किन से जुड़ी परेशानियां होने लगती हैं। खून ठीक से फिल्टर नहीं हो पाता है और बॉडी डिटॉक्स नहीं होती है जिसकी वजह से स्किन में खुजली, ड्राई स्किन और दूसरी समस्याएं होने लगती हैं। अगर इनमें से कोई लक्षण नहीं है तो समझ लें किडनी हेल्दी है।

बालों का झड़ना रोक सकते हैं इन 5 फलों के छिलके, फेंक देते हैं तो रुकें और जानें प्रयोग का तरीका

आजकल बालों का झड़ना आम समस्या बन चुकी है, चाहे उम्र कोई भी हो। खानपान की कमी, प्रदूषण, स्ट्रेस और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के ज्यादा इस्तेमाल से बाल कमजोर हो जाते हैं और गिरने लगते हैं। बाजार में कई हेयर केयर प्रोडक्ट्स मिलते हैं, लेकिन इनके साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने बालों को नेचुरल तरीके से मजबूत बनाना चाहते हैं, तो आपके किचन में ही इसका इलाज छुपा है। जी हां, फल खाने के बाद उनके छिलकों को फेंकने की बजाय आप उनका सही तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं। अनार, पपीता और सेब के छिलके बालों की जड़ों को पोषण देने के साथ-साथ डैंड्रफ हटाने और स्कैल्प को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। ये छिलके एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं, जो बालों को टूटने से बचाते हैं और उनकी ग्रोथ को बढ़ाते हैं। खास बात यह है कि ये छिलके सिर्फ हेयर फॉल को ही नहीं रोकते बल्कि स्कैल्प की डीप क्लींजिंग भी करते हैं, जिससे बालों की जड़ें और भी मजबूत हो जाती हैं। आइए जानते हैं कि अनार, पपीता और सेब जैसे फलों के छिलकों का इस्तेमाल कैसे करें और इनसे क्या-क्या फायदे होते हैं।

1. अनार के छिलके से हेयर फॉल कम करें-

अनार के छिलके में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्कैल्प को स्वस्थ रखते हैं। यह सिर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाकर हेयर ग्रोथ को बूस्ट करता है और बालों की जड़ों को मजबूत करता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

अनार के छिलकों को धूप में सुखाकर पाउडर बना लें।

इसे नारियल तेल में मिलाकर स्कैल्प पर मसाज करें।

30 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से धो लें।

इसे हफ्ते में दो बार लगाने से हेयर फॉल कम होगा।

इसे भी पढ़ें- खूबसूरत स्किन के लिए करें इन 4 फलों के छिलकों का इस्तेमाल, बिना पार्लर आएगा नैचुरल ग्लो

2. पपीते के छिलके से बालों को करें मजबूत- Use Papaya Peel For Strong Hair पपीते के छिलके में मौजूद एंजाइम्स स्कैल्प को साफ करने में मदद करते हैं और हेयर फॉल को कम करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-ए और सी बालों की जड़ों को पोषण देते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

पपीते के छिलकों को पीसकर उसमें एलोवेरा जेल मिलाएं।

इस मिश्रण को स्कैल्प पर लगाकर 20 मिनट तक छोड़ दें।

हल्के गुनगुने पानी से धो लें।

हफ्ते में 2 बार इस पैक का इस्तेमाल करने से बाल मजबूत होंगे।

3. सेब के छिलके से डैंड्रफ हटाएं- Use Apple Peel For Dandruff Treatment apple-for-hair-growth

सेब के छिलके में पेक्टिन और बायोटिन होते हैं, जो स्कैल्प की नमी को बनाए रखते हैं और डैंड्रफ को हटाने में मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

सेब के छिलकों को पीसकर उसमें शहद और दही मिलाएं।

इस हेयर मास्क को स्कैल्प पर लगाएं और 25 मिनट बाद धो लें।

इससे बालों की जड़ें मजबूत होंगी और डैंड्रफ भी कम होगा।

4. केले के छिलके से बालों की नमी बढ़ाएं- Banana Peel For Hydrating Hair

केले के छिलकों में पोटैशियम, विटामिन-बी6 और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो बालों को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ उन्हें मजबूत भी बनाते हैं। यह स्कैल्प को हाइड्रेट रखता है और बालों की ड्राइनेस की समस्या को दूर करता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

केले के छिलकों को पीसकर उसमें नारियल का तेल मिलाएं।

इस मिश्रण को स्कैल्प और बालों पर अच्छी तरह लगाएं।

20-25 मिनट बाद हल्के शैंपू से धो लें।

5. संतरे के छिलके से स्कैल्प को डीप क्लीन करें-

संतरे के छिलकों में विटामिन-सी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्कैल्प से गंदगी और एक्स्ट्रा ऑयल हटाने में मदद करते हैं। इससे बालों का झड़ना कम होता है और स्कैल्प हेल्दी रहता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

संतरे के छिलकों को सुखाकर उनका पाउडर बना लें।

इस पाउडर को दही में मिलाकर हेयर मास्क बनाएं।

इसे स्कैल्प पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें और फिर धो लें।

यह मास्क ऑयली स्कैल्प को क्लीन करने में मदद करता है और बालों को हेल्दी बनाता है।

इन 5 फलों के छलिकों की मदद से बालों के झड़ने की समस्या को नेचुरल तरीके से दूर कर सकते हैं।

उम्मीद करते हैं कि आपको यह जानकारी पसंद आई होगी। इस लेख को शेयर करना न भूलें।

शाइनी और सुन्दर बाल पाने के लिए आजमाएं बस कुछ आसान टिप्स

खूबसूरत बालों की चाहत भला किसे नहीं होती! बाल खूबसूरत हों तो व्यक्ति की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं और यदि यही बाल बेजान और चमकहीन हों तो सुंदरता पर दाग लग जाता है। आप चाहे अपने चेहरे और स्किन की चाहे जितनी भी देखभाल कर लें, यदि आप अपने बालों की देखभाल सही तरीके से नहीं करते हैं तो अपनी स्किन की देखभाल का कोई खास फ़ायदा नहीं। कई दफ़ा जीवन और डाइट में कुछ बदलावों से भी बाल झड़ने लगते हैं और उनकी चमक गायब हो जाती है। सही पोषक तत्वों की कमी, केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल, प्रदूषण आदि भी गिरते और बेजान बालों का कारण होते हैं। लंबे और रेशमी बाल कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है। इसके लिए हमें कुछ ऐसे उपायों को अपनाने की ज़रूरत है जो हैं बिल्कुल आसान और उनके लिए हमारी जेब से भी कुछ ज्यादा नहीं, बल्कि सच कहा जाए तो कुछ बजी खर्च करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। न ही ब्यूटी सलोन जाने की ज़रूरत पड़ेगी और न ही किसी हेयर स्टाइलिस्ट की सर्विसेज़ लेने की। हम दादी- नानी मां के बताए कुछ घरेलू उपाय को अपनाकर भी अपने बालों को सिल्की और लंबा बना सकते हैं। इसके साथ ही सही प्रोडक्ट का इस्तेमाल और अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके लाइफस्टाइल में भी परिवर्तन लाने की ज़रूरत है। हां, यह ज़रूर है कि इसके लिए आपको थोड़ी अतिरिक्त कोशिश करनी होगी लेकिन अंतिम परिणाम देखकर आप खुद आश्चर्यचकित हो जाएंगे। सिल्की और शाइनी बाल पाने के लिए ये हेयर केयर टिप्स पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए परफेक्ट हैं। साथ ही इसी बहाने, आपको घर पर ही खुद को पैम्पर करने का मौका भी मिलेगा, जो बहुत ज़रूरी है और आपको रोजमर्रा के स्ट्रेस से भी निजात दिलाएगा।बालों को सिल्की और लंबा करने के घरेलू उपाय आजमाकर आप अपने बालों में जान ला सकते हैं। ये घरेलू नुस्खे आपके किचन में ही छिपे हुए हैं, बस

ज़रूरत है इन्हें इस्तेमाल में लाने की। और ये घरेलू उपचार लंबे समय तक के लिए आपके बालों को स्वस्थ भी रखेंगे।

घर जाओ या जेल! ट्रंप की सख्त नीति से भारतीय ग्रीन कार्ड धारकों पर मंडराया खतरा

ट्रंप प्रशासन अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थक और इजरायल विरोधी गतिविधियों पर सख्ती बढ़ा रहा है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन ने विदेशी छात्रों और ग्रीन कार्ड धारकों को सख्त चेतावनी दी है कि अगर वे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कार्यों, विशेष रूप से आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होते हैं तो उन्हें अमेरिका से निकाला जा सकता है.

अमेरिकी अधिकारियों ने साफ संकेत दिया है कि विदेशी नागरिकों की ओर से राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में अगर भाग लिया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है. इनमें कॉलेज परिसरों में इजरायल विरोधी प्रदर्शनों में भागीदारी भी शामिल है, जिसे प्रशासन हमास जैसे संगठनों के समर्थन के रूप में देख रहा है.

ट्रंप के सलाहकार मिलर का फरमान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार और व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने स्पष्ट किया, "किसी को भी वीजा या ग्रीन कार्ड का अधिकार नहीं है. यदि आप आतंकवाद का समर्थन करते हैं, तो हम आपको यहां नहीं चाहते."

विदेशी छात्रों पर कार्रवाई की शुरुआत?

मिलर की यह टिप्पणी कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र महमूद खलील की गिरफ्तारी के बाद आई. खलील पर आरोप है कि उन्होंने अपने कैंपस में फिलिस्तीनी मुद्दे का समर्थन किया. हालांकि, न्यूयॉर्क के एक न्यायाधीश ने उनके निर्वासन पर अस्थायी रोक लगा दी है, लेकिन उनका मामला अभी जांच के अधीन है. सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के लिए फेमस मिलर ने एक्स पर लिखा, "अमेरिकी मूल्यों को अस्वीकार करने वाले और आतंकवाद का समर्थन करने वाले बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों को वीजा दिया गया है. इन्हें रद्द करना हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है."

DHS ने हमास से जुड़े मामलों की पुष्टि की

अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग (DHS) ने पुष्टि की है कि खलील को "हमास से जुड़ी गतिविधियों" के कारण गिरफ्तार किया गया था. प्रशासन इसे राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बता रहा है. हालांकि, न्यायाधीश जेसी फुरमैन ने मामले की कानूनी समीक्षा तक खलील के निर्वासन पर रोक लगा दी है, लेकिन ट्रंप प्रशासन 1952 के यू.एस. इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट का उपयोग कर सकता है. यह कानून अमेरिकी विदेश नीति के लिए खतरा माने जाने वाले विदेशी नागरिकों को निर्वासित करने की अनुमति देता है.

ट्रंप का बयानः यह सिर्फ शुरुआत है

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "ICE ने कोलंबिया विश्वविद्यालय के परिसर में एक कट्टरपंथी विदेशी समर्थक हमास छात्र महमूद खलील को हिरासत में लिया. यह कई गिरफ्तारियों में से पहली है." उन्होंने आगे कहा, "हम जानते हैं कि कोलंबिया और देशभर के अन्य विश्वविद्यालयों में ऐसे कई छात्र हैं जो आतंकवाद समर्थक, यहूदी विरोधी, अमेरिकी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं. ट्रंप प्रशासन इसे सहन नहीं करेगा."

क्या यह व्यापक कार्रवाई की शुरुआत है?

कुछ ट्रंप समर्थकों का मानना है कि समान विचारधारा वाले अमेरिकी नागरिकों को भी सख्त सजा दी जानी चाहिए. खलील का मामला इस बात की परीक्षा बन सकता है कि अमेरिकी अधिकारी राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में आव्रजन कानून की व्याख्या कैसे करते हैं. अब यह देखा जाना बाकी है कि आने वाले दिनों में प्रशासन और कितनी सख्ती दिखाता है, और क्या यह नीति भारतीय ग्रीन कार्ड धारकों के लिए भी खतरा बन सकती है.

50 से 60 लोगों को मरते देखा'', चश्मदीद फौजी ने पाकिस्तानी सेना के दावे की खोली पोल

पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों द्वारा जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक मामले में एक नई कहानी सामने आई है। दरअसल, पाकिस्तनी सेना का कहना है कि उसने बलूचिस्तान में हाईजैक हुई ट्रेन से सभी बंधकों को मुक्त करा लिया है। सेना ने दावा किया कि उसने बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) के सभी 33 विद्रोहियों को मार गिराया और उनके कब्जे से सभी बंधकों को रिहा कराकर रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। हालांकि, बलूच लिबरेशन आर्मी का दावा बिल्कुल अलग है। BLA का कहना है कि उसके चंगुल में अभी भी 150 से अधिक बंधक हैं। इस बीच, एक पंजाबी फौजी ने पाकिस्तान सेना की पोल खोली है।

"बीएलए के लड़ाकों ने मार गिराया"

जफर एक्सप्रेस ट्रेन में बंधक रहे एक प्रत्यक्षदर्शी पंजाबी फौजी ने बताया है कि उसने अपनी आंखों से बलूच विद्रोहियो को कत्लेआम करते देखा। पंजाबी फौजी ने बताया कि उसने खुद 50 से 60 लोगों को मरते देखा है, जिन्हें बीएलए के लड़ाकों ने मार गिराया। प्रत्यक्षदर्शी पंजाबी फौजी के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना के झूठे दावे की पोल खुलती नजर आ रही है। प्रत्यक्षदर्शी पंजाबी फौजी का वीडियो द बोलान न्यूज ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में प्रत्यक्षदर्शी बता रहा है कि BLA के लड़ाकों ने 50 से 60 लोगों को उसके सामने मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जाफर एक्सप्रेस ट्रेन में 440 यात्री सवार थे। इनमें से 21 को ट्रेन पर कब्जे के दौरान ही बीएलए लड़ाकों ने मार गिराया था, जिनमें सेना के 4 जवान भी शामिल थे। इसके बाद पाकिस्तान के सेना के ऑपरेशन में बाकी बचे 200 से ज्यादा बंधकों को छुड़ाया गया।

रूसी सेना को जंग में मिली बहुत बड़ी सफलता, यूक्रेन को लगा तगड़ा झटका

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। जंग में रूसी सेना को बड़ी कामयाबी मिली है। सेना ने कहा है कि उसने कीव द्वारा नियंत्रित कुर्स्क क्षेत्र के सबसे बड़े शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है। सुदजा पर कब्जे के लिए रूस और यूक्रेनी सेनाओं के बीच भीषण जंग चल रही थी। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया था कि उसके सैनिकों ने सुदजा के उत्तर और उत्तर-पश्चिम में चार गांवों पर कब्जा कर लिया है। अगस्त 2024 में अचानक सीमा पार से किए गए हमले के बाद से यूक्रेनी सेना ने सुदजा पर कब्जा कर लिया था।

रूस की सेना ने क्या किया

बता दें कि हाल ही में रूस और यूक्रेन के बीच जंग में रूसी युद्ध ब्लॉगर्स ने बड़ा दावा किया था। ब्लॉगर्स ने दावा किया था कि रूसी स्पेशल फोर्स के जवान एक गैस पाइपलाइन के अंदर कई किलोमीटर पैदल चल कर गए जिससे वो कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों पर पीछे से हमला कर सकें। हमला करने वालों में रूस के सहयोगी उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक भी शामिल थे।

ट्रंप ने दी पुतिन को चेतावनी

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन के साथ अब युद्धविराम से इनकार करना "रूस के लिए विनाशकारी होगा।" ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी वार्ताकार यूक्रेन के साथ संभावित युद्धविराम पर बातचीत के लिए रूस जा रहे हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब एक दिन पहले कीव ने सऊदी अरब के जेद्दा में हुई अमेरिकी अधिकारियों के साथ वार्ता में रूस के साथ 30 दिनों के युद्धविराम पर सहमति जताई है। ट्रंप की ओर से यूक्रेन का यह संदेश और प्रस्ताव पुतिन के पास भेजा भी जा चुका है, लेकिन क्रेमलिन ने अभी इस पर अपना रुख साफ नहीं किया है।

मासिक आय 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ इन्वेस्टमेंट प्लान का ओवरव्यू

डेट म्यूचुअल फंड

ऋण पारस्परिक निधियां सरकारी बांड, व्यावसायिक बांड और मुद्रा बाजार उपकरणों जैसे नियत आय वाले उपकरणों में व्यवहार करती हैं. ये निधियां नियमित ब्याज आय प्रदान कर सकती हैं और नियमित जोखिम वाले स्थिर मासिक आय प्रवाह चाहने वाले क्रेताओं के लिए उपयुक्त होती हैं. डेट फंड विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान करते हैं और लाभ में सुधार करने के लिए पोर्टफोलियो को सक्रिय रूप से प्रबंधित करने वाले प्रोफेशनल फंड मैनेजर द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं.

डिविडेंड विकल्पों के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड

कुछ इक्विटी म्यूचुअल फंड लाभांश विकल्प प्रदान करते हैं, जहां निधि के लाभों का एक हिस्सा मालिकों को भुगतान के रूप में दिया जाता है. ये निधियां लाभांश भुगतान के माध्यम से पूंजी विकास और नियमित आय का मिश्रण प्रदान कर सकती हैं. हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इनकम भुगतान का वादा नहीं किया जाता है और फंड की सफलता और फंड मैनेजर के निर्णय पर निर्भर करता है.

पोस्ट ऑफिस मासिक आय योजना (पॉमिस)

पोस्ट ऑफिस मासिक आय योजना (पीओएमआई) एक सरकारी समर्थित वित्तीय योजना है जिसमें निर्धारित ब्याज दर और मासिक ब्याज भुगतान होते हैं. यह स्थिर मासिक आय वाले सावधानीपूर्वक खरीदारों के लिए कम जोखिम वाला विकल्प है. पॉमिस की अवधि 5 वर्ष है और आमतौर पर नियमित सेविंग अकाउंट से अधिक ब्याज़ दरें प्रदान करता है.

कॉर्पोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट

प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ सावधि जमा बैंक खातों से अधिक ब्याज दर प्रदान कर सकती है, जिससे उन्हें मासिक आय का संभव स्रोत बनाया जा सकता है. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) आमतौर पर ये निश्चित खाते प्रदान करती हैं और नियमित ब्याज भुगतान प्रदान कर सकती हैं. हालांकि, अनुदान देने वाली कंपनी की विश्वसनीयता का निर्णय लेना और संबंधित जोखिमों को समझना आवश्यक है.

सीनियर सिटीज़न सेविंग स्कीम (एससीएसएस)

वृद्ध नागरिक बचत प्रणाली (एससीएसएस) एक सरकारी समर्थित बचत प्रणाली है, जिसे विशेष रूप से 60 व उससे अधिक आयु के वृद्ध लोगों के लिए बनाया गया है. यह एक निश्चित ब्याज दर और तिमाही ब्याज भुगतान प्रदान करता है, जो स्थिर मासिक आय स्रोत के साथ वरिष्ठ प्रदान करता है. SCSS सरकार द्वारा समर्थित कम जोखिम वाला बिज़नेस विकल्प है और इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत टैक्स लाभ प्रदान करता है.

रियल एस्टेट से किराए की आय

आय उत्पन्न करने वाली गुणों में निवेश करने से मासिक किराए की स्थिर आय प्राप्त हो सकती है. हालांकि, यह विकल्प एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक निवेश लेता है और इसमें संपत्ति प्रबंधन कर्तव्य शामिल हैं, जैसे कि संपत्ति को रखना, किराएदार खोजना और किसी भी मुद्दे को संभालना. रियल एस्टेट की खरीद भी लंबे समय तक संभावित कैश ग्रोथ प्रदान कर सकती है.

एन्युटी प्लान

वार्षिकी योजनाएं ऐसे बीमा उत्पाद हैं जो निर्धारित समय या जीवन के लिए मासिक आय की निश्चित धारा प्रदान करते हैं. ये योजनाएं सेवानिवृत्ति के दौरान स्थिर मासिक आय चाहने वाले व्यक्तियों के लिए आकर्षक हो सकती हैं. एन्युटी प्लान में इंश्योरेंस कंपनी को बड़ी राशि का भुगतान करना और चुने गए एन्युटी विकल्प के आधार पर नियमित मासिक भुगतान करना शामिल है.

पीयर-टू-पीयर (P2P) लेंडिंग

पीयर-टू-पीयर (P2P) लेंडिंग सिस्टम यूज़र को उधारकर्ताओं को पैसे देने और अपने निवेश पर ब्याज अर्जित करने की अनुमति देते हैं. कुछ जोखिम होते समय, P2P लोन क्लाइंट के लिए मासिक ब्याज़ आय बना सकते हैं. ये मंच आमतौर पर मानक सावधि जमा या बचत खातों की तुलना में उच्च ब्याज दरें प्रदान करते हैं. फिर भी, निवेशकों को उधारकर्ताओं की विश्वसनीयता का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए और जोखिम को कम करने के लिए कई उधारकर्ताओं में अपने निवेश को फैलाना चाहिए.

डिविडेंड-पेइंग स्टॉक

उच्च गुणवत्ता, लाभांश भुगतान स्टॉक में निवेश लाभांश भुगतान के माध्यम से नियमित मासिक आय स्ट्रीम प्रदान कर सकता है. हालांकि, इस विकल्प में बाजार जोखिम होता है, और आय का भुगतान अनिश्चित होता है और अभी भी निर्धारित किया जा रहा है. निवेशकों को सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए और स्थिर इनकम भुगतान और मजबूत फाइनेंशियल का प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड वाली कंपनियों को चुनना चाहिए.

बॉन्ड लैडर पोर्टफोलियो

बॉन्ड लैडर रणनीति में विभिन्न अंतिम तिथियों के साथ कई बान्ड खरीदना शामिल है. जैसा कि प्रत्येक बंधन परिपक्व होता है, पूंजी को एक नए बंधन में रखा जा सकता है, जिससे ब्याज भुगतान और संभव मासिक आय की निरंतर धारा प्राप्त होती है. बॉन्ड लैडर पोर्टफोलियो विभिन्न लाभ प्रदान करता है और इन्वेस्टर की इनकम आवश्यकताओं और जोखिम सहिष्णुता में एडजस्ट किया जा सकता है.

आपको मासिक इनकम प्लान में क्यों इन्वेस्ट करना चाहिए?

सर्वश्रेष्ठ मासिक इनकम प्लान 2025 में इन्वेस्ट करने से कई लाभ मिल सकते हैं:

नियमित नकदी प्रवाहः मासिक आय योजनाएं एक नियमित और अपेक्षित नकदी प्रवाह प्रदान करती हैं, जो विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए उपयोगी हो सकती है जो अपने निवेश पर निर्भर करते हैं और अपनी आय के पूरक हो सकते हैं. यह नियमित कैश स्ट्रीम प्लानर को लागत को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में मदद कर सकती है.

विविधताः अनेक मासिक आय योजनाएं संपत्ति वर्गों, उद्योगों या निवेश प्रकारों में विविधता प्रदान करती हैं, जोखिम को कम करने और अधिक स्थिर आय धारा प्रदान करने में मदद करती हैं. इन्वेस्टमेंट में डाइवर्सिफिकेशन एक महत्वपूर्ण अवधारणा है, क्योंकि यह कुल पोर्टफोलियो जोखिम को कम करने और किसी भी एकल इन्वेस्टमेंट के अंडरपरफॉर्मेंस के प्रभाव को कम करने में मदद करता है.

कर दक्षताः कुछ मासिक आय योजनाएं, जैसे कि ऋण म्यूचुअल फंड या लाभांश भुगतान स्टॉक, किसी व्यक्ति के कर ब्रैकेट और निवेश धारण समय के आधार पर कर लाभ प्रदान कर सकते हैं. उदाहरण के लिए, इन्वेस्टर के इनकम टैक्स स्लैब के आधार पर डेट के लिए म्यूचुअल फंड पर टैक्स लगाया जाता है, जबकि स्टॉक से बोनस आय पर अन्य इनकम स्रोतों की तुलना में कम दर पर टैक्स लगाया जा सकता है.

सुविधाः मासिक आय योजनाएं अक्सर आय साझा करना, मानव हस्तांतरण या स्टॉक समायोजन की आवश्यकता को दूर करना. यह सुविधा उन व्यक्तियों के लिए तैयार हो सकती है जो अपने फाइनेंस को हैंडल करने के लिए हैंड-ऑफ दृष्टिकोण को पसंद करते हैं या जीवन लागतों के लिए नियमित कैश स्ट्रीम पर निर्भर करते हैं.

वृद्धि की संभावनाः हालांकि मासिक आय प्लान का प्राथमिक लक्ष्य स्थिर आय स्ट्रीम प्रदान करना है, लेकिन कुछ प्लान, जैसे कि डिविडेंड विकल्प या डिविडेंड-पेइंग स्टॉक के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड, लंबी अवधि में पूंजी विकास की क्षमता भी प्रदान करते हैं.

भारत में मासिक आय के लिए सर्वश्रेष्ठ इन्वेस्टमेंट प्लान पहले विचार करने योग्य कारक

भारत में मासिक आय के लिए सर्वश्रेष्ठ इन्वेस्टमेंट प्लान पर विचार करने वाले कारक यहां दिए गए हैं:

निवेश होरिज़नः अपनी निवेश की समयसीमा निर्धारित करें और अपने लक्ष्यों के अनुरूप एक नियमित वेतन योजना चुनें. विशिष्ट प्लान में लॉक-इन अवधि या शुरुआती एक्जिट शुल्क हो सकते हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर आपके फंड को एक्सेस करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं.

जोखिम सहिष्णुताः अपनी जोखिम क्षमता का आकलन करें और अपनी जोखिम प्रोफाइल के अनुरूप एक योजना चुनें. आमतौर पर, उच्च जोखिम वाले निवेश अधिक संभावित लाभ प्रदान करते हैं लेकिन अधिक महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव उठाते हैं. आपकी परिस्थितियों और फाइनेंशियल लक्ष्यों के आधार पर जोखिम और लाभ मिलाना आवश्यक है.

लिक्विडिटी की आवश्यकताएंः अपनी नकदी आवश्यकताओं पर विचार करें और यह सुनिश्चित करें कि आपकी मासिक आय योजना आवश्यकता होने पर आसानी से निधि प्राप्त कर सकती है. कुछ प्लान, जैसे फिक्स्ड सेविंग या पेंशन प्लान, जल्दी निकासी के लिए निकासी या जुर्माने की सीमा हो सकती है.

टैक्सेशनः आपके द्वारा चुने गए मासिक आय योजना और संभावित कर विधेयकों या पुरस्कारों में कारक के कर परिणामों को समझें. फाइनेंशियल एक्सपर्ट या टैक्स प्रोफेशनल से परामर्श करने से आपको अपनी खरीद के टैक्स प्रभावों के बारे में सूचित विकल्प चुनने में मदद मिल सकती है.

फीसः आपके वित्तीय लक्ष्यों और अपेक्षाओं से मेल खाता सुनिश्चित करने के लिए मासिक आय योजना से जुड़े फीस, शुल्क और अन्य लागतों का मूल्यांकन करें. उच्च शुल्क समय के साथ आपके लाभ को काफी कम कर सकते हैं, इसलिए इन्वेस्टमेंट प्लान की सामान्य लागत संरचना पर विचार करना आवश्यक है.

जारीकर्ता विश्वसनीयताः निश्चित बचत या बांड जैसे निवेशों के लिए, दिए गए संस्था या व्यवसाय की प्रतिष्ठा और वित्तीय स्वास्थ्य का अध्ययन करना. संबंधित और फाइनेंशियल रूप से बेहतर कंपनियों में इन्वेस्ट करने से विफलता या गैर-भुगतान के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है.

मासिक आय के लिए शीर्ष 10 इन्वेस्टमेंट प्लान का परफॉर्मेंस

निवेश प्लान	अपेक्षित वार्षिक रिटर्न	जोखिम स्तर
डेट म्यूचुअल फंड	6-8%	मध्यम
डिविडेंड विकल्पों के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड	10-12%	अधिक
पोस्ट ऑफिस मासिक आय स्कीम (POMIS)	7.6% (वर्तमान दर)	कम
कॉर्पोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट	7-9%	मध्यम
सीनियर सिटीज़न सेविंग स्कीम) (एससीएसएस	8% (वर्तमान दर)	कम
रियल एस्टेट से किराए की आय	6-10%	मध्यम से उच्च
एन्युटी प्लान	6-8%	न्यूनतम से मध्यम
पीयर-टू-पीयर (P2P) लेंडिंग	12-18%	अधिक
डिविडेंड-पेइंग स्टॉक	8-12%	अधिक
बॉन्ड लैडर पोर्टफोलियो	6-8%	मध्यम

अपने और अपने परिवार के भविष्य के लक्ष्यों के लिए धन बनाएँ

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान, भविष्य के लिए स्थायी संपत्ति बनाने में मदद करने वाला एक वित्तीय साधन हैं। अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न मुद्रा-बाजार उत्पादों में अनुशासित और आवधिक तरीके से अपनी बचत का निवेश करने में देश के विभिन्न निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान्स हमें सक्षम बनाते हैं।

कुल मिलाकर, निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान हमारी बचत को बढ़ाने और व्यवस्थित, दीर्घकालिक निवेश के माध्यम से भविष्य के लिए धन बनाने के लिए आवश्यक लाभ प्रदान करती हैं। भारत में निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान बनाने की दिशा में पहला कदम अपनी रिस्क प्रोफ़ाइल और वित्तीय जरूरतों का मूल्यांकन करना है और फिर अपनी आवश्यकताओं से मेल खाने वाली निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान का चयन करना है। भारत में उपलब्ध निवेश के कुछ विकल्पों में शामिल हैं:

यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप)
मंथली इनकम प्लान
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
म्यूचुअल फंड्स
सुकन्या समृद्धि खाता
सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस)

टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट

इन निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान और कई अन्य के लिए आपको विस्तृत रूप से शोध करने की आवश्यकता है और फिर उन निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान का चयन करना चाहिए जो दीर्घकालिक स्थायी लाभ, कर-बचत लाभ और पूंजी मूल्यवृद्धि प्रदान करें। भारत में ऐसी कई निवेश योजनाएं हैं जो आपके काम आ सकती हैं।

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनते समय ध्यान देने योग्य बातें

वित्तीय उद्देश्य

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनने से पहले आपके वित्तीय लक्ष्य के बारे में सोचना चाहिए कि वह दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों हैं। ये लक्ष्य शादी और शिक्षा से लेकर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और नए स्मार्टफोन तक कुछ भी हो सकते हैं और ऐसे वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने से आपको सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। उदाहरण के लिए, यदि आप अपने पसंदीदा आगामी विदेश यात्रा के लिए बचत करना चाहते हैं, तो आवर्ती जमा (आरडी) या डाकघर जमा (पोस्ट ऑफिस डिपॉजिट) आपके लिए सर्वोत्तम निवेश योजनाओं में से एक हो सकता है।

नियोजित आगामी खर्च

यदि आप भारत में निवेश योजना की तलाश कर रहे हैं, तो अपने नियोजित भविष्य के खर्चों, जैसे कि आपके बच्चे की शादी और शिक्षा या घर खरीदना, का अनुमान लगाना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। ऐसा करने से आपको इस बात का बेहतर अंदाजा होगा कि भविष्य के किसी भी खर्च को कवर करने के लिए पर्याप्त रिटर्न पाने के लिए आपको अभी कितना निवेश करने की जरूरत है।

वर्तमान खर्च

सर्वोत्तम निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान खोजने के लिये अपने वर्तमान खर्चों का मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है। उदाहरण स्वरुप यदि आपके पास किराए जैसा कोई बड़ा खर्च नहीं

है, तो आप लंबे समय तक बचत करके अधिक निवेश कर सकते हैं। और यदि आपके पास कुछ वित्तीय दायित्व हैं जिससे आप अधिक बचत नहीं कर पाते हैं, तो उच्च रिटर्न वाले निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान में निवेश करना अधिक लाभदायक सिद्ध होगा।

वित्तीय निर्भरता

भारत में निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान खरीदते समय ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय निर्भरता के बारे में सोचते नहीं हैं। जबकि, ऐसा करना महत्वपूर्ण रहता हैं जिससे आपके पास एक ऐसा निवेश (इन्वेस्टमेंट) या बचत पूल होना चाहिए जो आपके उपर निर्भर लोगों के वित्तीय उद्देश्यों के लिए भी पर्याप्त हो। उदाहरण के लिए, जिनके माता-पिता, भाई-बहन और बच्चे हैं उनकी तुलना में यदि आपके केवल दो बच्चे हैं जो आप पर निर्भर हैं, तो आपको अधिक निवेश (इन्वेस्टमेंट) करने की आवश्यकता नहीं होगी।

निवेश योजनाओं के लाभ

धन (संपत्ति) बनाना

निवेश योजनाएं आपको जीवन की अनिश्चितताओं की चिंता किए बिना धन (संपत्ति) बनाने में मदद कर सकती हैं। भारत में एक निवेशक के रूप में, आप अपनी जोखिम सहनशीलता, अपेक्षित रिटर्न और निवेश के लिए उपलब्ध राशि के आधार पर निवेश विकल्पों में से चुन सकते हैं।

स्थायी वित्तीय सुरक्षा

आपके पोर्टफोलियो में अलग-अलग इन्वेस्टमेंट प्लान होने से आपको अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न पाने में मदद मिलेगी। मैच्योरिटी पर आपको लाभ के साथ रिटर्न भी मिलेगा। इस तरह आप अपने और अपने परिवार के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सुरक्षा हासिल कर सकते हैं।

डेथ रिस्क कवरेज (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)

यूलिप इन्वेस्टमेंट प्लान्स (जैसे एक्सिस मैक्स लाइफ ऑनलाइन सेविंग प्लान्स) डेथ रिस्क कवरेज ऑप्शन ऑफर करते हैं। इन निवेश योजनाओं में निवेश करके, आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपकी अनुपस्थिति में आपके प्रियजन आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे।

सेवानिवृत्ति बचत

भारत में आप अपनी बचत को निवेश के कुछ विकल्पों में निवेश कर सकते हैं, ताकि एक कोष तैयार किया जा सके जो सेवानिवृत्ति के लिए आय के स्रोत के रूप में काम करेगा।

लचीलापन (फ्लेक्ज़ीबिलीटी)

आज उपलब्ध विभिन्न निवेश योजनाओं के साथ, आप अपने लक्ष्यों और समयरेखा के आधार पर निवेश की राशि और अवधि चुनने के लचीलेपन का लाभ उठा सकते हैं।

टैक्स सेविंग बेनिफिट्स

यूलिप, ऑनलाइन सेविंग प्लान और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) जैसी निवेश योजनाएं (इन्वेस्टमेंट-प्लान) मार्केट लिंक्ड रिटर्न के माध्यम से धन जमा करने के अवसर प्रदान करती हैं। साथ ही, ये निवेश योजनाएं (इन्वेस्टमेंट-प्लान) भारतीय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80 C के अंतर्गत महत्वपूर्ण कर बचत4 लाभ प्रदान करती हैं। इन दो वर्गों के अंतर्गत, देय प्रीमियम और इंश्योरेंस पे आउट दोनों क्रमशः कर-कटौती योग्य और कर मुक्त हैं।.

निवेश कितने प्रकार के होते हैं ?

उच्च रिटर्न के साथ सर्वश्रेष्ठ निवेश योजनाओं में से चुनते समय, इन निवेश योजनाओं से जुड़े जोखिमों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। निवेश योजनाओं के लिए, उनके जोखिम जो उम्मीद से कम प्रदर्शन कर रहे है या मूल्य के स्थायी नुकसान का अनुभव कर रहे है इसे परिसंपत्ति की संभावना या संभाव्यता के रूप में दर्शाया जा सकता है|

इस प्रकार, संबंधित जोखिमों के आधार पर, विभिन्न निवेश योजनाओं को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

कम जोखिम वाला निवेश

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, जिनमें जोखिम कारक लगभग शून्य होता है वह कम जोखिम वाली निवेश योजनाएं होती हैं । अन्य शब्दों में कहा जाये, तो जिसमें जोखिम कम होती हैं वह निवेश योजनाएं स्थिर और भरोसेमंद, मूल्यवर्धित होती हैं एवं कम से कम नुकसान करती हैं। अधिक समझने के लिए शीर्ष निवेश विकल्पों की सूची नीचे दी गई है।

1. सुकन्या समृद्धि योजना

सुकन्या समृद्धि खाता लड़कियों के लिए भारत में सबसे अच्छी निवेश योजनाओं में से एक के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपकी बेटी है, तो इस योजना का उद्देश्य लड़कीयों के लिए एक ऐसा कोष तयार करना हैं जो धन जुटाने की सुविधा प्रदान करता है। सुकन्या समृद्धि योजना का खाता आप कमर्शियल बैंक और पोस्ट ऑफिस दोनों में खुलवा सकते हैं। इसके अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के तहत, आप महत्वपूर्ण कर बचत4 भी प्राप्त कर सकते हैं।

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) के लाभों को देखते हुए यहं भारत में सबसे अच्छे निवेश विकल्पों में से एक है। अगर आप एक वेतनभोगी व्यक्ति हैं तो पीपीएफ आपको कई लाभ दे सकता है। हालांकि पीपीएफ पर ब्याज आय कर योग्य नहीं है, आप आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के अंतर्गत कर कटौती (टैक्स डिडक्शन) का लाभ भी उठा सकते हैं।

3. डाकघर मासिक आय योजना (पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम प्लान)

सामान्य तौर जो जोखिम (रिस्क) से बचना चाहते हैं उनके लिये डाकघर मासिक आय योजना (पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम प्लान) बहुत ही उपयुक्त हैं क्योंकी यह कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देती हैं| इस योजना को सबसे अच्छी निवेश योजनाओं में से एक के रूप में जाना जाता है| यहां, आपको समझना होगा कि हालांकि डाकघर मासिक आय योजना (पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम प्लान) से होने वाली आय पूरी तरह से टैक्सेबल है, पर यह मंथली इनकम प्लान पर टैक्स कटौती (टीडीएस) को आकर्षित नहीं करता।

4. वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाएं (एससीएसएस)

बचत के लिए वरिष्ठ नागरिक योजना - एससीएसएस, भारत सरकार की एक पहल है , जो इसे विभिन्न कारणों से भारत में निवेश के सर्वोत्तम विकल्पों में से एक के रूप में जाना जाता है। पहला, यह योजना वरिष्ठ नागरिकों को महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। दूसरी बात, सरकार द्वारा हर तिमाही में इस योजना की ब्याज दर तय की जाती है। आप डाकघर और किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में एससीएसएस खाता खोल सकते हैं।

5. टैक्स सेविंग एफडी

टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को भारत में सबसे अच्छी निवेश योजनाओं और निवेश योजनाओं में से एक माना जाता है क्योंकि वे धारा 80C के अंतर्गत महत्वपूर्ण कर बचत4 लाभ प्रदान करती हैं और आपकी कुल कर देयता को कम करने में आपकी सहायता करती हैं।

6. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड(या एसजीबी) को भारत सरकार का समर्थन प्राप्त है और यह भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए जाते हैं। मूल रूप से, एसजीबी ऐसी सिक्युरिटीज हैं जो फिजिकल सोने को रखने के विकल्प के रूप में कार्य करती हैं और सोने की यूनिट्स (ग्राम) में अंकित होती हैं।

मॅच्युरिटी पर, आप इन सिक्युरिटीज को नकद में रीडिम कर सकते हैं उससे यह भारत में सबसे अच्छे निवेश विकल्पों में से एक बन जाता है।

दो साल में कमाए 3300 करोड़

दीपिका-आलिया को छोड़ दिया पीछे

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री सब जगह छाई हुई है. पिछले दो सालों में तीन फिल्मों ने सबसे ज्यादा कमाई की है. इन तीन फिल्मों में सिर्फ एक चीज कॉमन है. वो है इसकी एक्ट्रेस. इस एक्ट्रेस ने इन तीनों अलग जॉनर की फिल्मों में काम किया है और बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट दिया है. इनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लंबे समय तक छाई रहीं. हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि रश्मिका मंदाना हैं. रश्मिका एनिमल, पुष्पा 2 और अब छावा में नजर आईं हैं. उनकी ये तीनों फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर छाई रहीं. रश्मिका की एनिमल, पुष्पा 2 और छावा तीनों ने ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है. दो सालों में रश्मिका की फिल्मों ने इतनी कमाई कर ली है कि आलिया और दीपिका को भी पीछे छोड़ दिया है.

बॉक्स ऑफिस पर कमाए 3300 करोड़

रस्मिका मंदाना की फिल्मों की बात करें तो पुष्पा 2 और एनिमल ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और अब छावा 700 करोड़ कमा चुकी है और कमाई जारी है. जिसके बाद तीनों फिल्मों ने वर्ल्डवाइड ग्रॉस 3300 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. इन फिल्मों ने इंडिया में भी अपनी छाप छोड़ी है. एनिमल ने हिंदी में 503 करोड़ पुष्पा 2 ने हिंदी में 812 करोड़ और छावा अब तक 532 करोड़ कमा चुकी है. बड़ी बात ये है कि रश्मिका का बैकग्राउंड बॉलीवुड नहीं बल्कि कन्नड़ और तेलुगू है. प्रियंका चोपड़ा के विदेश जाने के बाद से दीपिका पादुकोण बॉक्स ऑफिस क्वीन बनकर बैठी थीं. उनके बाद आलिया भट्ट ने ये ताज संभाला और अब सबको पीछे छोड़कर रश्मिका आगे निकल गई हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका मंदाना के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं. उनकी फिल्म सिकंदर ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. इसके अलावा वो आयुष्मान खुराना के साथ थामा में भी नजर आएंगी.

500 करोड़ के पार पहुंची विक्की कौशल की छावा, इस साल बनी अब तक की सबसे बड़ी सुपरहिट

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'छावा' बीती 14 तारीख को रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही है और अब तक 500 करोड़ रुपयों से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। इस साल की अब तक की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्म

का खिताब जीतने वाली छावा की कहानी भी लोगों को काफी पसंद आई है और सोशल मीडिया पर इसका काफी बज बना रहा। अब तक फिल्म ने 13 दिनों में भारत में 434 करोड़ रुपयों की कमाई कर चुकी है। साथ ही वर्ल्डवाइड कमाई 500 करोड़ रुपयों के पार पहुंच गई है। छावा नेशुरुआत से ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर राज किया है और अपने 13 दिनों के सफर में 2025 की अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई है। विक्की कौशल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली और इस साल की पहली सुपरहिट फिल्म के रूप में उभरने के बाद छावा ने अब वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अपने दूसरे बुधवार को फिल्म ने 21.75 करोड़ रुपये की कमाई की और भारत में इसका नेट कलेक्शन 385 करोड़ रुपये हो गया।

फिल्म का ग्रॉस इंडिया कलेक्शन 434.75 करोड़ रुपये है। Sacnilk की रिपोर्ट के मुताबिक 12 दिनों के बाद छावा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 509.75 करोड़ रुपये है। विदेशों में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म ने 75 करोड़ रुपये की कमाई की है। जहां छावा विक्की कौशल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है, वहीं पुष्पा 2: द रूल और एनिमल के बाद यह रश्मिका की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। मंगलवार को छावा के कलेक्शन में गिरावट देखी गई थी, लेकिन बुधवार को महाशिवरात्रि होने के कारण फिल्म का कलेक्शन और ऑक्यूपेंसी एक बार फिर बढ़ गई। बुधवार को छावा की ओवरऑल ऑक्यूपेंसी 34.43 फीसदी रही। 13 दिन बाद भी छावा के पूरे भारत में कुल 6,437 शो चल रहे हैं। पुणे में 717 शो के साथ सबसे अधिक 58.75 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी रही। मुंबई में छावा की ऑक्यूपेंसी 1410 शो के साथ 50.50 प्रतिशत रही, जबकि हैदराबाद ने दूसरे बुधवार को ऑक्यूपेंसी के मामले में चेन्नई को पछाड़ दिया। हैदराबाद में 351 शो के साथ ऑक्यूपेंसी 33 प्रतिशत थी, जबकि चेन्नई में 43 शो के साथ 26.33 प्रतिशत थी। 1264 शो के साथ दिल्ली-एनसीआर में फिल्म की ऑक्यूपेंसी 25.75 प्रतिशत रही। छावा का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर द्वारा किया गया है और दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में विक्की और रश्मिका के अलावा अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। लोकप्रिय मांग पर छावा 7 मार्च को एक बार फिर तेलुगु में रिलीज़ होगी।

क्या इब्राहिम, Suhana Khan जैसे स्टार किड्स के लिए OTT है सॉफ्ट लॉन्च पैड?

साल 2014 में अर्जुन कपूर ने मीडिया में एक टिप्पणी की थी जिसके बाद मीडिया में उनकी काफी ज्यादा आलोचना भी हुई थी। अर्जुन कपूर ने कहा था, "मुझे संदेह है कि हमारी पीढ़ी के अभिनेता कभी भी खान, अजय देवगन, अक्षय कुमार जैसे स्टारडम के शिखर तक पहुंच पाएंगे। हम सभी बहुत सुलभ हो गए हैं और स्टारडम की क्वालिटी बहुत कम हो गई है।" यह टिप्पणी उस समय की गई थी जब न तो फिल्म इंडस्ट्री में ओटीटी नाम की कोई चीज थी और न ही दुनिया में कोविड नाम की कोई महामारी थी। हालांकि उस समय अर्जुन कपूर को ये कहकर ट्रोल किया गया कि उनमें खानों के स्टारडम से मेल खाने के लिए कड़ी मेहनत करने की इच्छाशक्ति की है जिसकी वजह से वो इस तरह के कमेंट करके बचना चाह रहे हैं। उस समय इंटरनेट को शायद

ही इस बात का एहसास हुआ हो कि अर्जुन कपूर ने वास्तव में सच बोला था।स्टारडम खत्म नहीं होता। लेकिन अब यह बिखर गया है, कम हो गया है और पिछले कुछ सालों में इसके आयाम काफी बदल गए हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान या फिरआमिर खान के बेटे जुनैद की पहली फिल्में सिनेमाघरों में क्यों नहीं रिलीज हुई? इसे ओटीटी का सहारा क्यों लेना पड़ा।

इनकी फिल्मों से ज्यादा इनका इंस्टाग्राम प्रोफाइल बोलता है और इनका मजबूत पीआर जो इनसे ये सब काम करवा रहा है। आखिरकार,फिल्म बिजनेस अब केवल अभिनय के बारे में नहीं है। पीछे देखे तो साल 2000 में ऋतिक रोशन, करीना कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे स्टार किड्स ने बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। किसी को भी उस तरह की सफलता नहीं मिली, जैसी ऋतिक रोशन ने अपनी पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' से हासिल की। फिर भी, स्टार किड्स को थिएटर में लॉन्च किया

चूड़ी सेट के नए डिजाइंस को देखें और अपनी ड्रेस के हिसाब से करें चुनाव

कोई त्योहार हो या फिर शादी-विवाह का आयोजन हो। महिलाओं को हर अवसर पर सजने-संवरने का मन करता है। इन मौकों को भारतीय परंपरा से जुड़े परिधानों को पहनना हम महिलाओं को पहली पसंद होता है। मगर कहते हैं न कि कपड़े कितने भी सुंदर और महंगे क्यों न हों, जब तक उन्हें ठीक से स्टाइल न किया जाए, तब तक उनका ग्रेस कम ही लगता है। ऐसे में श्रृंगार करके हम अपने लुक को कंप्लीट कर सकते हैं। महिलाओं के श्रृंगार में चूड़ियां भी एक अहम भुमिका निभाती हैं। खासतौर पर अगर हम आउटफिट के मुताबिक चूड़ियां पहनते हैं, तो यह बहुत ज्यादा ग्रेसफुल लगता है।

समय के साथ चूड़ियों के डिजाइनों में भी बदलाव आया है, और अब बाजार में कई तरह के मॉडर्न और ट्रेडिशनल चूड़ी सेट उपलब्ध हैं। अगर आप भी अपनी एथनिक ड्रेस के लिए परफेक्ट चूड़ी सेट की तलाश कर रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको कुछ बेहतरीन और नए चूड़ी सेट डिजाइंस के बारे में बताएंगे, जिनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार चुनाव कर सकती हैं।

अगर आप ट्रेडिशनल और खूबसूरत लुक चाहती हैं, तो रेड गोटेदार चूड़ी सेट आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस चूड़ी सेट में चमकदार रेड कलर की चूड़ियों पर गोटा वर्क किया जाता है, जो इसे खास बनाता है। यह सेट खासतौर पर ब्राइडल लुक के लिए परफेक्ट होता है और लाल रंग की साड़ी या लहंगे के साथ शानदार दिखता है। यह चूड़ी सेट हल्दी, मेहंदी और करवा चौथ जैसे खास मौकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है।

2. हैवी लाक कड़ा सेट

लाक कड़े सदियों से भारतीय आभूषण का हिस्सा रहे हैं। अगर आप रजवाड़ा लुक चाहती हैं, तो हैवी लाक कड़ा सेट परफेक्ट रहेगा। यह सेट मेटल, स्टोन और कुंदन वर्क वाली चूड़ियों के साथ आप पहन सकती हैं। इसमें आपको हैवी वर्क वाले कड़े मिल जाएंगे, जिनके साथ आप बीच-बीच में चूड़ियां लगा सकती हैं। मजे की बात तो यह है कि इसमें आपको बहुत सारे रंग भी मिल जाएंगे और आप इसमें नगदार खूबसूरत कड़े भी खरीद सकती हैं, जो इसे एक एलिगेंट लुक देता है। यह सेट खासतौर पर ब्राइडल वियर, शादी या किसी ग्रैंड फंक्शन के लिए परफेक्ट चॉइस है। इसे आप ब्रोकेड साड़ी, हैवी लहंगे या एथनिक गाउन के साथ मैच कर सकती हैं।

3. पर्सनलाइज्ड चूड़ी सेट

आजकल कस्टमाइज्ड ज्वेलरी का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है, और पर्सनलाइज्ड चूड़ी सेट इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। इस चूड़ी सेट में आप अपना नाम, अपने पार्टनर का नाम या कोई खास मैसेज लिखवा सकती हैं। यह सेट आपको एक यूनिक और स्पेशल फील देता है। इसे खास मौकों पर या गिफ्ट के रूप में भी दिया जा सकता है। पर्सनलाइज्ड चूड़ी सेट को आप किसी भी ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं, क्योंकि इसे कस्टमाइज करने का ऑप्शन रहता है।

4. ऑक्सीडाइज्ड चूड़ी सेट

ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी का क्रेज इन दिनों बहुत बढ़ गया है, खासतौर पर युवतियों के बीच। यह चूड़ी सेट ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक देने के लिए जाना जाता है। खासतौर पर कॉलेज गर्ल्स और वर्किंग वुमन के लिए यह सेट बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसे आप कुर्ता-पलाजो, इंडो-वेस्टर्न ड्रेस या सिंपल सलवार सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ऑक्सीडाइज्ड चूड़ी सेट सिल्वर और ब्लैक फिनिश में उपलब्ध होता है, जिससे यह हर आउटफिट के साथ खूबसूरत लगता है।

5. गोल्डन चूड़ी सेट

गोल्डन चूड़ियों की अपनी अलग ही शान होती है। यह चूड़ियां हर तरह के ट्रेडिशनल और एथनिक वियर के साथ अच्छी लगती हैं। चाहे साड़ी हो, लहंगा हो या फिर सूट, गोल्डन चूड़ी सेट हर लुक को रॉयल बनाता है। इसमें प्लेन गोल्डन चूड़ियों से लेकर डिजाइनर कुंदन और स्टोन वर्क वाली चूड़ियां भी शामिल होती हैं। इसे आप शादी, पार्टी या त्योहारों पर पहन सकती हैं।

चूड़ियां सिर्फ एक फैशन एक्सेसरी नहीं हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। बाजार में चूड़ियों के अब इतने तरह के डिजाइंस उपलब्ध हैं कि हर महिला अपने स्टाइल और पसंद के अनुसार चूड़ी सेट चुन सकती है। चाहे आपको ट्रेडिशनल लुक चाहिए हो या मॉडर्न।

तो अगली बार जब भी आप शॉपिंग करें, अपने लिए बेस्ट ऑप्शन चुनें और अपने एथनिक लुक को और भी खास बनाएं।

इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय भी आप हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

अपनी वॉर्डरोब में जरूर रखें ये गोटा पट्टी सूट, कभी भी कर सकती हैं स्टाइल

नए डिजाइन के कपड़े रखना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए हम अक्सर कुछ ऐसे डिजाइन वाले सूट को सिलेक्ट करते हैं, जिन्हें हर सीजन में पहना जा सके। इस बार आप कुछ अलग डिजाइन अपनी वॉर्डरोब में ऐड करें।

बदलते मौसम के साथ-साथ फैशन ट्रेंड भी काफी चेंज होता है। यही वजह है कि हर कोई अपने लिए अलग डिजाइन वाले कपड़ों को खरीदना पसंद करता है। किसी को एथनिक आउटफिट पहनना पसंद होता है, तो किसी को पसंद होता है कि वो वेस्टर्न पहनें। लेकिन अगर आपको कपड़ों को दोबारा इस्तेमाल में लाना है, तो ऐसे डिजाइन वाले सूट को अपनी कलेक्शन में ऐड करें, जिससे आपका लुक अच्छा लगे। इस बार आप ट्राई करें गोटा पट्टी वाले सूट। जिसे वियर करके आप अच्छी लगेंगी। चलिए आपको बताते हैं किस तरह के सूट अच्छे लगेंगे। अगर आप सुंदर दिखना चाहती हैं, तो ऐसे में आप गोटा पट्टी वाला शरारा सूट वियर कर सकती हैं। इस तरह के सूट पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, इससे लुक भी अट्रैक्टिव नजर आएगा। इस तरह के सूट में आपको सिर्फ बॉर्डर पर गोटा वर्क मिलेगा। इसके अलावा पूरा सूट प्लेन या प्रिंटेड डिजाइन में मिलेगा। इस तरह के सूट को वियर करके आप किसी भी फंक्शन या इवेंट में जा सकती हैं।

ऑफिस हो या पार्टी, हर जगह छाएगा जलवा, समर फैशन ट्रेंड के हिसाब से सजाएं वॉर्डरोब

नई दिल्ली बात कॉलेज स्टूडेंट्स की हो, ऑफिस प्रोफेशनल्स की, होममेकर्स की, सेलिब्रिटीज की या आम लोगों की, मौसम बदलते ही हर कोई अपने वॉर्डरोब को बदलने की तैयारी में जुट जाता है. इस साल हीट वेव का अलर्ट जारी किया जा चुका है. ऐसे में हर किसी को समर फैशन ट्रेंड 2024 को ध्यान में रखते हुए ही अपनी शॉपिंग करनी चाहिए या आप चाहें तो पुराने कपड़ों को भी नए फैशन ट्रेंड के हिसाब से मिक्स एंड मैच करके पहन सकते हैं.

लड़के हों या लड़कियां, अपने लुक को लेकर हर कोई सजग रहता है. गर्मियों की शुरुआत के साथ ही हमने फैशन एक्सपर्ट से बात करके आपके लिए नए ट्रेंड्स का पता लगा लिया है. SHIVAN & NARRESH के फाउंडर और हेड डिजाइनर शिवान भाटिया, फाउंडर और क्रिएटिव डायरेक्टर नरेश कुकरेजा व Pernia's Pop Up Shop की संस्थापक और इंडियन- अमेरिकन स्टाइलिस्ट पर्निया कुरैशी से जानिए गर्मियों में कौन से रंग हिट रहेंगे और किन आउटफिट्स का बोलबाला रहेगा.

आम लोगों में छाएगा फैशन का जलवा

बीते कुछ सालों में फैशन के क्षेत्र में काफी बदलाव देखा गया है. पहले जो फैशन सिर्फ रैंप वॉक, फैशन शोज़ या फिल्मों में नजर आता था, अब वह कॉलेज, ऑफिस और कैजुअल पार्टी तक में अपनी जगह बना चुका है. अब लोग अपने आउटफिट में लेटेस्ट ट्रेंड और लग्जरी के साथ ही कंफर्ट का भी पूरा ख्याल रखते हैं. भारतीय परिवेश में अब भी चटकीले रंगों को महत्व दिया जाता है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि पेस्टल कलर्स भी अपनी धमक बना चुके हैं.

साल 2025 में फैशन होगा एकदम जुदा, ग्लिटर, बोहो लुक और एनिमल प्रिंट बनेंगे लोगों की खास पसंद

हर साल फैशन में कुछ ना कुछ बदलाव जरूर होता है, कभी 70-80s के फैशन दोबारा चलन में आ जाते हैं, तो कभी कुछ नए और यूनिक फैशन (Unique Fashion) भी नजर आते हैं. ऐसे में साल 2025 शुरू होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं और इस नए साल का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. फैशन लवर्स के मन में ये सवाल जरूर होगा कि 2025 में कौन से नए फैशन ट्रेंड्स (Fashion Trends) रहने वाले हैं, जिन्हें वो अभी से कॉपी करना शुरू कर सकते हैं. तो चलिए हम आपको बताते हैं साल 2025 में टॉप पर रहने वाले 10 फैशन ट्रेंड्स के बारे में.

बोहो फैशन

स्प्रिंग और समर सीजन के दौरान बोहो फैशन अगले साल ट्रेंड में रहने वाला है. इसमें ओवर साइज ड्रेसेस, डिफरेंट स्टाइल्स बड़े-बड़े हैंडबैग कैरी किए जाते हैं.

वनीला येलो कलर

येलो कलर में कई सारी वैरायटी होती है, लेकिन साल 2025 के स्प्रिंग और समर सीजन के दौरान वनीला येलो कलर का ट्रेंड काफी ज्यादा रहने वाला है, जो आपको सटल और सोबर लुक देगा.

हॉट पैंट्स का ट्रेंड

हॉट पैंट्स का ट्रेंड पिछले कुछ समय से कम नजर आ रहा था, लेकिन साल 2025 में समर सीजन के दौरान हॉट पैंट्स का चलन एक बार फिर नजर आएगा, इसके साथ ही मिनी स्कर्ट का ट्रेंड भी देखा जा सकता है.

एक्वेटिक प्रिंट्स

एक्वेटिक प्रिंट्स में वाटर इंस्पायर्ड कलर और डिजाइन यूज होते हैं, शिमर से लेकर फ्लोरल तक में ये एक्वेटिक प्रिंट्स और कलर का ट्रेंड साल 2025 में रहने वाला है.

ट्रेंडी स्पोर्ट्स वियर

स्पोर्ट्स वियर का ट्रेंड कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है, लेकिन इसमें कई सारे एक्सपेरिमेंट होते हैं. साल 2025 में भी बॉडी फिटेड टाइट्स के साथ ओवर साइज टी-शर्ट या बॉडी फिटेड टॉप के साथ शॉर्ट्स और टाइट्स का चलन स्पोर्ट्स वियर में रहने वाला है.

पोलो टी-शर्ट

पोलो टी-शर्ट का ट्रेंड जेंट्स में तो हमेशा से रहा है, लेकिन साल 2025 में कूल और कंफर्टेबल लुक के लिए महिलाओं में भी पोलो टी-शर्ट का ट्रेंड देखा जाएगा और पोलो टी-शर्ट ड्रेसेस भी खूब चलन में रहने वाली है.

एनिमल प्रिंट

एनिमल प्रिंट मे लायन, लेपर्ड प्रिंट और जेब्रा प्रिंट जैसे ट्रेंडी प्रिंसेस काफी इन में रहते हैं. साल 2025 में भी इन एनिमल प्रिंट ड्रेसेस में नया ट्विस्ट देखने को मिलेगा. आप एनिमल प्रिंट स्कर्ट, ड्रेस, मिनी स्कर्ट और जंपसूट्स ट्राई कर सकते हैं.

बच्चों को खुश करने के लिए बनाएं चॉकलेट इडली, सिर्फ 10 मिनट में हो जाएंगी तैयार, जानिए रेसिपी

चावल के आटे की इडली तो आपने कई बार खाई होगी। लेकिन आज हम आपको चॉकलेट इडली बनाना बता रहे हैं। जिसका स्वाद बच्चों को सबसे ज्यादा पसंद आएगा। जानिए चॉकलेट इडली की रेसिपी।

बच्चे अक्सर नई चीजें खाने की डिमांड करते हैं। कई बार बच्चे रोटी सब्जी खाकर बोर हो जाते हैं। ऐसे में चॉलेट इडली उनके लिए अच्छा ऑप्शन है। जब भी कुछ मीठा खाने का मन करे आप चॉकलेट इडली बनाकर खा सकते हैं। चॉलेट इडली का स्वाद ऐसा होता है कि एक-दो खाने के बाद आपका और खाने का मन करेगा। चॉकलेट इडली के अंदर आप चॉकलेट की फिलिंग भी कर सकते हैं। जो इसे और भी मजेदार बना देगा। आप ऊपर से चॉलकेट सीरप डालकर इसे स्वादिष्ट बना सकते हैं। बच्चों और बड़ों सभी की पसंदीदा चॉकलेट इडली बनाना काफी आसान है आप इसे सिर्फ 10 मिनट में तैयार कर सकते हैं। आइये जानते हैं चॉकलेट इडली की रेसिपी।

चॉकलेट इडली रेसिपी

पहला स्टेप- चॉकलेट इडली बनाने के लिए न तो आपको दाल और चावल भिगोने होंगे और न ही पेस्ट बनाकर तैयार करना होगा। चॉकलेट इडली को हम बिस्किट से तैयार करेंगे। इसके लिए आप ओरियो बिस्किट का एक बड़ा पैकेट ले लें। आप चॉकलेट या व्हाइट क्रीम वाला ओरियो बिस्किट ले सकते हैं।

दूसरा स्टेप- बिस्किट को मिक्सी में डालकर पीस लें और बारीक पाउडर जैसा तैयार कर लें। बिस्किट के पाउडर को एक बाउल में डालें और उसमें 1 बड़ा चम्मच कोको पाउडर, 2 पिंस बेकिंग सोडा और घोलने के लिए दूध डालें। सारी चीजों को मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें।

तीसरा स्टेप- अब इडली के सांचे में थोड़ा घी लगाकर चिकना कर लें। थोड़ा थोड़ा पेस्ट सांचे में डालें और बीच में एक या दो चॉकलेट के क्यूब्स डाल दें। अब ऊपर से थोड़ा पेस्ट और डाल दें। इडली को 10 मिनट के लिए स्टीम करने के लिए रख दें।

चौथा स्टेप- 10 मिनट के बाद चॉकलेट इडली बनकर तैयार हो जाएंगी। आप इन्हें गर्मागरम सर्व करें। चॉकलेट इडली के अंदर से निकलती मेल्ट चॉकलेट खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगती है। बच्चों को ये चॉकलेट इडली बहुत पसंद आएंगी। ये चॉकलेट इडली चॉकलेट केक से कम नही है।

पांचवां स्टेप- बच्चों की पार्टी के लिए इससे बेहतरीन स्नैक्स कुछ नहीं हो सकता। चॉकलेट इडली का स्वाद बच्चों के साथ बड़ों को भी खूब पसंद आएगा। आप इन्हें कभी भी बनाकर खा सकते हैं।

अंगूर से किशमिश कैसे बनती है, इस रेसिपी से 5 मिनट में तैयार हो जाएंगी ढेर सारी किशमिश, पूरे साल स्टोर करके रख सकते हैं

ताजा अंगूर से आसानी से किशमिश बना सकते हैं। घर में तैयार फ्रेश किशमिश खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। आप इन्हें लंबे समय तक स्टोर करके आसानी से रख सकते हैं। जानिए अंगूर से किशमिश बनाने की रेसिपी।

इन दिनों अंगूर का सीजन है। बाजार में मीठे और ताजा अंगूर मिल रहे हैं। इन ताजा अंगूर से आप घर में आसानी से किशमिश बना सकते हैं। घर में बनी किशमिश खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। आप काले या हरे किसी भी अंगर से किशमिश तैयार कर सकते हैं। घर में बनी किशमिश को लंबे समय तक स्टोर करके रखा जा सकता है। आज हम आपको इडली कुकर में किशमिश बनाने का तरीका बता रहे हैं। आप चाहें तो किसी दूसरे बर्तन में इसी तरह से किशमिश बना सकते हैं। जानिए अंगूर से किशमिश बनाने की रेसिपी।

अंगूर से किशमिश बनाने की रेसिपी

पहला स्टेप- अंगूर से किशमिश बनाने के लिए आपको ताजा, जूसी और मीठे अंगूर चुनने चाहिए। सबसे पहले अंगूर को अच्छी तरह से 2-3 बार साफ पानी से धो लें। अब अंगूर के सारे डंठल निकालकर अलग कर दें।

दूसरा स्टेप- अब इडली वाले कुकर में थोड़ा पानी डाल दें और गर्म होने के लिए गैस पर रख दें। इडली के सांचे में जितने अंगूर आ सकें उतने रखते जाएं। अब सांचे को कुकर में सेट कर दें और अंगूर को भाप में हल्का पीला और नरम होने तक पकाएं। ऐसा करने में आपको 5 मिनट का समय लगेगा।

तीसर स्टेप- अब सारे अंगूर किसी बर्तन में निकाल लें और फिर धूप में कोई साफ कपड़ा बिछा दें। कपड़े के नीचे चाहें तो अखबार भी लगा सकते हैं। अब सारे अंगूर को थोड़े गैप के साथ अलग अलग करके धूप में सुखाने के लिए छोड़ दें।

चौथा स्टेप- अंगूर को सूखने में वक्त लगता है। अंगूर से किशमिश बनने में करीब 2-3 दिन का वक्त लगता है। आपको रोजान अंगूर को तेज धूप में सुखाना है। तीन दिन में एकदम ताजा और पीले रंग की किशमिश बनकर तैयार हो जाएंगी। आप इन किशमिश का इस्तेमाल खाने में या फिर किसी डिश में करें।

पांचवां स्टेप- आपको यकीन नहीं होगा कि इतनी आसानी से आप घर में अंगूर से किशमिश बना सकते हैं। कम कीमत पर टूटे अंगूर खरीद लें और इनका इस्तेमाल करके ताजा किशमिश बनाकर रख लें। तैयार किशमिश को कांच के जार में स्टोर कर लें। ये किशमिश लंबे समय तक खराब नहीं होंगी।

टॉप स्माल बिज़नेस आइडियाज (कम लागत में ज्यादा कमाई)

आज के इस बढ़ती महंगाई में हर कोई एक्स्ट्रा इनकम के बारे में सोच रहा है और इसका सबसे अच्छा उपाय है अपना बिजनेस क्योंकि आज के समय में एक सीमित आय होने की वजह से दिन रात बढ़ते खर्च का वहन कर पाना लगभग असंभव है।

ऐसे में आप कुछ छोटे-छोटे स्मॉल बिजनेस करके भी अच्छा खासा इनकम प्राप्त कर सकते हैं। बस कोई भी बिजनेस करने से पहले आपको यह बात ध्यान में रखना होगा कि प्रॉफिट और लॉस हर बिजनेस में होता है और किसी भी बिजनेस को जमने में भले वह कितना ही छोटा बिजनेस क्यों ना हो समय लगता है ।

आज के समय में ऐसे बहुत से स्मॉल बिजनेस आइडियाज है जिसमे आप 1 लाख रुपए इन्वेस्ट करके शुरू कर सकते हैं। दोस्तों अगर आप भी कोई बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं तो हमारा आज का ये आर्टिकल आपके लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ बेहतरीन स्मॉल बिजनेस आइडियाज के बारे में बताने वाले हैं जिसमें 1 लाख रुपए तक इन्वेस्ट करके बड़े आसानी से अपना अच्छा खासा बिजनेस शुरू कर सकते हैं। तो चलिए शुरू करते हैं।

1. ब्रेकफ़ास्ट पॉइंट -

दोस्तों ! लोगों को सुबह-सुबह काम पर जाने की जल्दी होती है। ऐसे में उनके पास ब्रेकफास्ट बनाने का टाइम नहीं होता और ऐसी स्थिति में यह लोग अधिकतर घर के बाहर ही ब्रेकफास्ट करते हैं। ऐसे में यदि आप अपना बिजनेस शुरू करने का सोच रहे हैं तो आप ब्रेकफास्ट प्वाइंट खोल सकते हैं।

अगर आपको नाश्ते में खाई जाने वाली चीजें जैसे पराठा, सैंडविच, आमलेट, चाय आदि बनाना आता है तो यह आपके लिए एक अच्छा बिजनेस आइडिया है। अगर खर्च की बात करें तो इस बिजनेस को शुरू करने के लिए कम से कम एक लाख रुपए तक का खर्चा आएगा।

आप जितना ज्यादा पैसा निवेश करेंगे, आपका बिजनेस उतना ही बड़ा होगा। अगर आप ज्यादा रुपए नहीं निवेश कर सकते हैं, तो आप छोटे स्तर से अपने बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। अब हम बात करेंगे कि ब्रेकफास्ट प्वाइंट किस जगह पर खोला जाए? ब्रेकफास्ट प्वाइंट ऐसी जगह पर खोलें, जहां पर लोग आते-जाते हों। आप बस अड्डे, मेट्रो स्टेशन आदि के पास में अपना ब्रेकफास्ट प्वाइंट खोल सकते हैं। अगर आप घर से यह काम शुरू करना चाहते हैं तो आप घर पर भी काम शुरू कर सकते हैं।

2. जूस पॉइंट -

दोस्तों अगर आप भी स्मॉल बिजनेस आइडियाज पर काम करना चाहते हैं, तो आपके लिए जूस प्वाइंट एक अच्छा ऑप्शन है। यह तो सभी जानते हैं कि फलों के ताजे जूस की मांग हर सीजन में रहती है। आजकल मार्केट में पैकेट वाला जूस भी बिकता है, लेकिन वह फलों के ताजे जूस को रिप्लेस नहीं कर पाया है।जूस पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इस बिजनेस में रिस्क न के बराबर होता है। आप कम लागत में यह बिजनेस शुरू कर सकते हैं। जूस प्वाइंट खोलने से पहले इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि आप कहां पर अपना जूस पॉइंट खोल रहे हैं। आप के जूस की बिक्री इस बात पर निर्भर करती है कि आप का जूस प्वाइंट किस स्थान पर है? जूस पॉइंट खोलने के लिए अस्पताल, जिम, कोचिंग सेंटर, स्कूल, पार्क आदि जगहें ठीक हैं। आप इन जगहों के पास में अपना जूस पॉइन्ट खोल सकते हैं। बिजनेस को अच्छा चलाने के लिए आपको जूस की क्वालिटी का ध्यान रखना होगा। हमेशा ताजे फलों का ही जूस बनाएं। जब लोगों को आपके यहां का जूस पसंद आएगा तो आपकी ग्राहक भी बढ़ेंगे और आपकी कमाई में भी इजाफा होगा।

3. सिलाई का काम -

कपड़े सिलने-सिलवाने का काम सदियों से होता आया है, आज भी हो रहा है और आगे भी होगा। ऐसे में अगर आपको कपड़े सिलने आते हैं तो आप सिलाई का काम शुरू कर सकते हैं। अगर आपको यह काम पसंद है, मगर आपको कपड़े सिलना नहीं आता। तो आप कुछ महीनों का सिलाई सीखने का कोर्स कर सकते हैं। जब आप अच्छे कपड़े सिलना सीख जाएं तो आप अपना काम शुरू कर सकते हैं।

इस काम को शुरू करने में कम लागत आती है। अगर आप मध्यम स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते हैं तो आप चार-पाँच सिलाई मशीन खरीद कर यह काम शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ ऐसे लोगों की जरूरत होगी जिन्हें सिलाई करना आता हो। चार-पांच लोगों के साथ मिलकर आप एक छोटे कमरे में इस काम को शुरू कर सकते हैं। अगर आपके पास इतना पैसा नहीं है कि आप इतनी सिलाई मशीनें खरीद सकें तो आप एक सिलाई मशीन से भी यह काम शुरू कर सकते हैं। जैसे-जैसे कमाई बढ़ने लगे, आप अब अपने बिजनेस को बड़ा करते जाइए।

4. ब्लॉगिंग -

वर्तमान समय में सोशल मीडिया ने हर किसी को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया है। अब आप घर बैठे सारी दुनिया को अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। अगर आपको किसी विषय का अच्छा ज्ञान है और आप उस जानकारी को लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। तो आप ब्लॉग लिख कर यह जानकारी दुनिया तक पहुंचा सकते हैं। ब्लॉक लिखना शुरू करने के लिए आपके पास मोबाइल फोन या कंप्यूटर होना आवश्यक है। इसके साथ ही अच्छा इंटरनेट कनेक्शन भी होना चाहिए। ब्लॉग शुरू करने के लिए आपको अपनी एक वेबसाइट बनानी होगी, जिस पर आप अपने लिखे ब्लॉग पब्लिश करेंगे। आपका कंटेंट जितना अच्छा होगा, आपके ब्लॉग को पढ़ने वालों की संख्या भी उतनी ही बढ़ेगी। जैसे-जैसे आप के पाठकों की संख्या बढ़ेगी, आपकी कमाई भी उसी हिसाब से बढ़ेगी। ब्लॉग शुरू करने के कुछ महीने के अंदर ही आपकी अच्छी कमाई होने लगेगी।जब आपके पाठकों की संख्या ज्यादा हो जाएगी, तब आपको अनेक प्रकार के विज्ञापन मिलने लगेंगे। इन विज्ञापनों से आपके कमाई में वृद्धि होगी। वर्तमान में बहुत से लोग घर बैठे ब्लॉग लिख कर महीने के लाखों रुपए कमा रहे हैं।

5. कुकिंग क्लासेज -

दोस्तों ! अच्छा खाना-खाना किसे नहीं पसंद होता है? सभी को स्वादिष्ट खाना-खाना पसंद होता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें स्वादिष्ट भोजन पकाना पसंद आता है। अगर कोई स्वादिष्ट भोजन पकाएगा ही नहीं तो हमें स्वादिष्ट भोजन खाने को मिलेगा कैसे? अगर आपको अच्छा खाना पकाना आता है। आपको नए नए व्यंजन बनाने आते हैं। तो आप अपने इस गुण का प्रयोग पैसा कमाने में कर सकते हैं।

अगर आप पैसा कमाना चाहते हैं तो आप कुकिंग क्लासेस शुरू कर सकते हैं। कुकिंग क्लासेस शुरू करने के लिए लागत कम आती है। आप इस काम की शुरुआत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से कर सकते हैं। यह काम ऑनलाइन शुरू करने में लागत न के बराबर आती है।

आजकल बहुत से लोग ऑनलाइन यूट्यूब चैनल के माध्यम से अपनी कुकिंग क्लासेस चलाते हैं। आप चाहें तो आप भी यूट्यूब पर अपना चैनल बनाकर यह काम शुरू कर सकती हैं। आओ अपने चैनल के माध्यम से बहुत से लोगों को खाना बनाना सिखा सकती हैं। आज के दौर के हिसाब से यह एक अच्छा बिजनेस आइडिया है।

6. डे-केयर सर्विस -

दोस्तों ! आज के दौर में कामकाजी महिलाओं को अपने बच्चों की परवरिश में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कामकाजी महिला अपने वर्कप्लेस पर अपने बच्चे को लेकर नहीं जा सकती हैं। ऐसे में उन्हें बच्चे की देखभाल की चिंता सताती रहती है। यह औरतें अपने बच्चों की देखभाल के लिए डे केयर सर्विस से संपर्क करती हैं। औरतें डे केयर सर्विस सेंटर पर ऑफिस जाते समय अपने बच्चों को छोड़ जाती हैं और ऑफिस से वापस आने पर बच्चे को ले लेती हैं। पूरे दिन डे केयर सर्विस उनके बच्चे की अच्छे से देखभाल करती है। अगर आप कोई बिजनेस शुरू करने का सोच रहे हैं, तो आप डे केयर सर्विस का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस को शुरू करने के लिए सबसे जरूरी यह है कि आप को बच्चों की देखभाल करना आता हो। उनके खानपान, उनकी सेहत से संबंधी बातों का ज्ञान हो।

इन्वेस्टमेंट की बात करें तो डे केयर सर्विस शुरू करने के लिए कम से कम एक लाख से तीन लाख रुपए तक का खर्चा आता है। आपको अपने साथ कुछ वर्कर्स भी रखने होते हैं। आज के समय में यह एक अच्छा बिजनेस आइडिया है।

7. मैरिज ब्यूरो -

हर मां-बाप को अपने बच्चों के लिए एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश होती हैं जो जिंदगी के हर मोड़ पर उनका साथ निभा सके। शादी हमारे यहां सबसे पवित्र बंधन माना जाता है। आप दो अच्छे लोगों को मिला करके एक नेक काम कर सकते हैं। अगर आप कोई बिजनेस शुरू करने की सोच रहे हैं तो आप मैरिज ब्यूरो खोल सकते हैं। मैरिज ब्यूरो शुरू करने के लिए आपको छोटे कमरे की आवश्यकता होगी। इसके अलावा आपको कुछ स्टाफ भी चाहिए होगा। इस बिजनेस को शुरू करने में लागत बहुत कम आती है।

अगर आपके कांटेक्ट बहुत अच्छे हैं तो आपका यह बिजनेस अच्छा चलेगा। अगर स्किल्स की बात करें तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी होनी चाहिए। इस बिजनेस की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि आपके द्वारा कराई गई शादियां कितनी सक्सेसफुल हैं? इसलिए कोई भी रिश्ता कराने से पहले दोनों पक्षों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी एकत्र कर लें। मैरिज ब्यूरो का व्यवसाय छोटे शहर, कस्बों, बड़े शहरों हर जगह बहुत पॉपुलर है।

8. डांस सेंटर -

आपकी पसंद का गाना बज रहा हो और आपके पैर ना थिरके ऐसा नामुमकिन है। डांस करना हमेशा से लोगों को पसंद रहा है। ऐसे बहुत से लोग हैं जिनको अच्छा डांस करना नहीं आता है। वे लोग डांस सीखने के लिए डांस सेंटर ज्वाइन करते हैं। अगर आपको अच्छा डांस करना आता है और आप अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो आप डांस सेंटर खोल सकते हैं। डांस सेंटर खोलने में लागत बहुत कम आती है। डांस सेंटर के लिए आपको एक बड़ी जगह की आवश्यकता होगी। आप चाहे तो अपने घर के हॉल या छत पर भी या काम शुरू कर सकते हैं। डांस करने के बहुत से फायदे होते हैं। डांस वेट लूज करने में भी सहायक सिद्ध होता है। यह इंसान को फिट रखता है, इसलिए आजकल अधिकतर लोग डांस सेंटर ज्वाइन करते हैं। डांस सेंटर खोलने के बहुत से फायदे हैं - पहला तो यह कि आप खुद फिट रहेंगे, दूसरा आप लोगों को फिट रखेंगे और तीसरा इससे आप अच्छे खासे पैसे भी कमाएंगे।

9. फोटोग्राफी -

अगर आपको फोटो खींचने का शौक है और आप अच्छी तस्वीरें खींचते हैं, तो आप अपने इस शौक को प्रोफेशन में बदल सकते हैं। आप अपने करियर की शुरुआत एक फोटोग्राफर के रूप में कर सकते हैं। इस काम को शुरू करने में निवेश बहुत कम होता है क्योंकि फोटोकॉपी के लिए आपको बस एक कैमरे की आवश्यकता होती है। आप अपने दोस्तों, रिश्तेदारों पड़ोसियों आदि को यह बता दें कि आप फोटोग्राफर के रूप में काम करते हैं। इससे आपके ग्राहक बढ़ेंगे। आप चाहे तो एक दुकान भी खोल सकते हैं। आजकल फोटोग्राफर सिर्फ एक शादी से लाखों रुपए कमाते हैं।

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

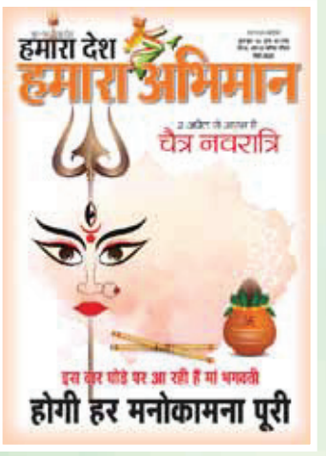

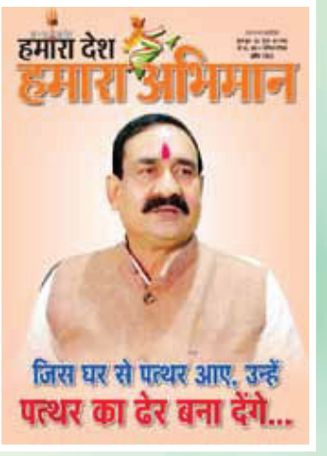

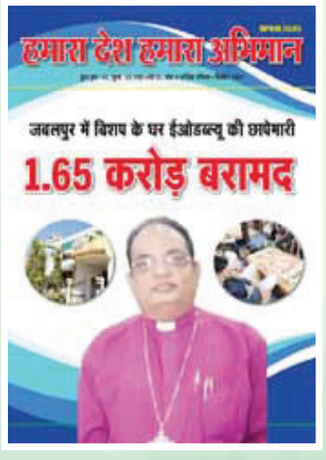

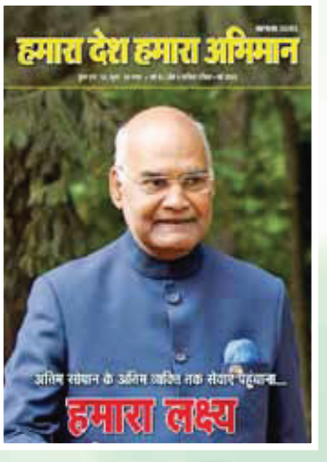

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें..

मनोज चतुर्वेदी : 98266 36922, 88392 59136